सेंसेक्स	~
निफ्टी	~
सोना	~
चांदी	~
डॉलर	~

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
गुरुवार 21 अगस्त 2025
भाद्रपद कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 327
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

चंडीगढ़ हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

चंडीगढ। चंडीगढ़ के सेक्टर-1 स्थित पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसके बाद पुलिस तुरंत अलर्ट हो गई और हाईकोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस, बम स्क्वायड और ऑपरेशन सेल की टीम मौके पर पहुंची और पूरे परिसर में सर्च ऑपरेशन चलाया। अब तक कुछ संदिग्ध सामान नहीं मिला है, लेकिन पुलिस हर जगह तलाशी ले रही है। बताया जा रहा है कि यह धमकी भरा ईमेल हाईकोर्ट रजिस्ट्रार को मिला है। इससे पहले भी इसी तरह की धमकी मिल चुकी थी, लेकिन तब भी कुछ नहीं मिला था।

5 करोड़ रुपए की नशीली दवा जब्त

श्रीभूमि। असम के श्रीभूमि जिले में बुधवार को 5 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की बैन नशीली याबा टैबलेट्स जब्त की गईं। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। असम से सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने एक्स पर बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिलने के बाद पुवामारा बायपास पर एंटी-नारकोटिक्स अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने 29,400 याबा टैबलेट्स बरामद कीं और दो ड्रग सप्लायर्स को पकड़ा। मुख्यमंत्री ने बताया कि आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। याबा टैबलेट्स, जिसे थाई में क्रेजी मेडिसिन कहा जाता है, भारत में अवैध है क्योंकि इसमें मेथामफेटामाइन और कैफीन शामिल हैं।

मनु भाकर का नाम पद्मश्री के लिए भेजा

नई दिल्ली। स्टार शूटर मनु भाकर का नाम पद्मश्री के लिए रिकमेंड किया गया है। 23 साल की इस निशानेबाज ने 4 दिन पहले देश के चौथा सबसे बड़े अवॉर्ड के लिए आवेदन किया। पिछले साल यह अवॉर्ड दिग्गज स्पिनर आर अश्विन और पूर्व हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को मिला था। मनु को इसी साल 17 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने खेल रत्न से नवाजा था। मनु भाकर ने पिछले साल अगस्त-सितंबर में पेरिस ओलिंपिक गेम्स में डबल ओलिंपिक मेडल जीते थे। वे 10 मीटर एयर पिस्टल इंडीविजुअल और मिक्स्ड डबल्स में तीसरे स्थान पर रहीं।

पिकअप की टक्कर से 5 की मौत

झज्जर। हरियाणा के झज्जर में बुधवार तडके भीषण सडक हादसा हो गया। सुबह करीब 3 बजे केएमपी (कुंडली-मानेसर-पलवल) कटरा एक्सप्रेसवे फ्लाईओवर पर कैंटर और पिकअप की जोरदार टक्कर हो गई। आसोदा थाने के एसएचओ के मुताबिक हादसे में महिला समेत 5 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यूपी के रहने वाले चार मृतकों की पहचान हो गई है।

कुछ ना कहना

संसद में विपक्ष के वोटर वेरिफिकेशन और वोट चोरी पर विरोध के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में पेश किए 3 बिल...

पीएम, सीएम या मंत्री 30 दिन हिरासत में रहे तो जाएगी कुर्सी

लोकसभा में गिरफ्तार मंत्रियों को हटाने के बिल का जोरदार विरोध, विपक्षी सांसदों ने कॉपी फाड़ी, अमित शाह की ओर फेंके कागज, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार गंभीर आपराधिक केस में गिरफ्तार होने पर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री को पद से हटाने का कानून बनाने जा रही है। इसको लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में 3 बिल पेश किए। तीनों विधेयकों के खिलाफ लोकसभा में जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने तीनों बिलों को वापस लेने की मांग की। कांग्रेस और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने विरोध जताया। सपा ने बिलों को न्याय विरोधी, संविधान विरोधी बताया। इस पर शाह ने बिलों को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की मांग की। इन बिलों में प्रावधान हैं कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री ऐसे गंभीर अपराधों में गिरफ्तार किए जाते हैं, जिनमें कम से कम 5 साल की जेल हो सकती है और उन्हें लगातार 30 दिन हिरासत में रखा जाता है तो 31वें दिन उन्हें पद से हटा दिया जाएगा। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने 6 महीने और तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी ने 241 दिनों तक हिरासत और जेल में रहने के बाद अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया था। केजरीवाल तो पद पर रहते गिरफ्तार होने वाले पहले सीएम थे।

लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीन अहम विधेयक पेश किए। पहला बिल 130वां संविधान संशोधन बिल 2025 है, जो केंद्र और राज्य सरकारों पर लागू होगा। दूसरा बिल गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (संशोधन) बिल 2025 है, जो केंद्र शासित राज्यों के लिए है। तीसरा बिल जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल 2025 है, जिसे जम्मू-कश्मीर पर लागू किया जाएगा। 130वां संविधान संशोधन बिल 2025 के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिन तक जेल में रहने पर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री या राज्य या केंद्र शासित प्रदेश के मंत्री को पद से हटाने का प्रावधान है। इस बिल के पेश होने के दौरान सदन में जोरदार हंगामा देखने को मिला और विपक्षी सांसदों ने बिल के पेश होने का पुरजोर विरोध किया।

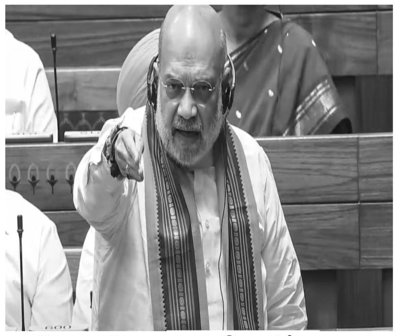

अमित शाह की तरफ उछाले कागज

विपक्ष के कुछ सांसद लोकसभा की वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। इस दौरान कुछ विपक्षी सांसदों ने बिल की कॉपी भी फाड़ दी और कागज के टुकड़े अमित शाह की तरफ उछाले। हालांकि अमित शाह ने बिल पेश करने के दौरान कहा कि सरकार इस बिल को जेपीसी को भेजने का प्रस्ताव रखती है। बावजूद इसके बिल को विरोध का सामना करना पड़ा। संविधान के 130वें संशोधन विधेयक पेश होने के दौरान सदन में लगातार नारेबाजी होती रही। विपक्षी सांसदों ने सत्ता पक्ष को घेर लिया और गृह मंत्री का माइक मोडने की कोशिश की। इस पर काफी हंगामा हुआ और सदन के अंदर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। इस दौरान सत्ता पक्ष के कई सांसद, गृह मंत्री का बचाव करने के लिए आगे आकर विपक्षी सांसदों को रोकने की कोशिश करने लगे।

वेल में आकर विपक्ष की नारेबाजी

सत्ता पक्ष की ओर से रवनीत बिट्टू, कमलेश पासवान, किरेन रिजिजू, सतीश गौतम ने गृह मंत्री के पास नारेबाजी कर रहे आक्रामक सांसदों को रोकने की कोशिश की। लोकसभा की वेल में नारेबाजी की शुरुआत टीएमसी सांसदों ने की और कल्याण बनर्जी ने विधेयक पेश होते ही नारेबाजी शुरू कर दी। बाद में, कांग्रेस सांसद और महासचिव केसी वेणुगोपाल ने अपनी सीट से बिल की कॉपी फाडक़र फेंक दी। इसके बाद सभी कांग्रेस सांसद वेल में आ गए। केसी वेणुगोपाल के बाद सपा के धर्मेंद्र यादव ने भी अपनी सीट से बिल की कॉपी फाडक़र फेंक दी और समाजवादी पार्टी के सभी सदस्य संसद वेल में आ गए। इसके बाद जब गृह मंत्री अमित शाह विधेयक पेश कर रहे थे, तो सभी विपक्षी दल के सदस्य लोकसभा की वेल में आ गए और हंगामा करने लगे। स्थिति बिगड़ती देख लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज (संशोधन) बिल 2025

केंद्र सरकार के मुताबिक, अभी केंद्र शासित प्रदेशों में गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए, ऐसे मामलों में ी या मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरिटरीज एक्ट, 1963 की धारा 45 में संशोधन की आवश्यकता है।

130वां संविधान संशोधन बिल 2025

केंद्र ने इस बिल को लेकर बताया कि संविधान में किसी ऐसे मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है जिसे गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार किया गया हो और हिरासत में लिया गया हो। इसलिए ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्रीय मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री और राज्यों या नेशनल कैपिटल टेरिटरी दिल्ली के मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री को हटाने के लिए एक कानूनी ढांचा तैयार करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239 में संशोधन की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) बिल 2025

जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 में संशोधन के बाद गंभीर आपराधिक केस में गिरफ्तार और हिरासत में लिए गए मुख्यमंत्री या मंत्री को 30 दिन में हटाने का प्रावधान होगा।

जेपीसी को भेजे गए तीनों विधेयक

अमित शाह ने बिल पेश करते हुए इसे 21 सदस्यों वाली जेपीसी के पास भेजने का प्रस्ताव पेश किया। इस पर ध्वनिमत से मतदान के दौरान विपक्ष ने वेल से ही विरोध दर्ज किया। लेकिन प्रस्ताव के ध्वनिमत से पारित होने के बाद स्पीकर ओम बिड़ला ने कहा कि कुछ विधेयक राजनीति में शुचिता और नैतिकता के लिए आते हैं, क्योंकि राजनीति में शुचिता और नैतिकता जरूरी है। अब ये बिल जेपीसी के पास चर्चा के लिए भेजे गए हैं।

ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाने वाला बिल पास

लोकसभा में बुधवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ऑनलाइन गेमिंग प्रमोशन और रेगुलेशन बिल, 2025 पेश किया गया, जो बिना चर्चा के पास हो गया। यह ऑनलाइन मनी गेम्स पर पूरी तरह से बैन लगाएगा। बिल में ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाएं देने वालों को 3 साल की कैद या 1 करोड़ का जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान है। सरकार पहले ही ऑनलाइन गेम्स में जीतने पर 30 पर्सेंट इनकम टैक्स और 1 अक्टूबर, 2023 से 28 पर्सेंट जीएसटी लगा चुकी है। हालांकि, ऑनलाइन गेम खेलने वालों और पीड़ितों के लिए कोई सजा नहीं होगी।

यह विधेयक कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट देता है -ओवैसी

मोदी सरकार गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश कर दिया है। इसी बीच, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मोदी सरकार के इस कदम को असंवैधानिक करार देकर भाजपा सरकार पर देश को पुलिस राज में बदलने का आरोप लगाया। ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी इस कानून का विरोध करेगी। ओवैसी ने कहा कि लोगों को निर्वाचित सरकारों को जवाबदेह ठहराने का अधिकार है, यह विधेयक इस अधिकार के खिलाफ है। कार्यकारी एजेंसियों को खुद जज, जूरी और जल्लाद बनने की खुली छूट मिलेगी।

एनसीईआरटी के सिलेबस में पढ़ाया जाएगा ऑपरेशन सिंदूर और जवानों की वीरगाथा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर पर एक विशेष मॉड्यूल जारी किया है, जो कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए तैयार किया है। यह मॉड्यूल न केवल इस सैन्य कार्रवाई की जानकारी देता है, बल्कि बच्चों को यह भी समझाता है कि यह ऑपरेशन भारत की सुरक्षा और शांति के लिए कितना अहम था। बता दें 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 26 निर्दोष लोग मारे गए।

एनसीईआरटी के मॉड्यूल के मुताबिक इस हमले के पीछे पाकिस्तान की राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व की भूमिका स्पष्ट है, हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों से हमेशा इनकार किया है। ऑपरेशन सिंदूर भारत की ओर से इस आतंकवादी हमले का कड़ा जवाब था, जिसका मकसद आतंकवाद को कुचलना और देश की शांति बनाए रखना था। मॉड्यूल में यह भी बताया गया है कि इस ऑपरेशन का नाम 'सिंदूर' इसलिए रखा गया ताकि शहीद सैनिकों की पत्नियों के त्याग और दर्द को सम्मानित किया जा सके। यह नाम शहीदों के परिवारों के प्रति भारत की संवेदनशीलता और सम्मान का प्रतीक है।

क्या राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच मतभेद की कल्पना...संविधान निर्माताओं ने की थी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सवाल किया है कि क्या राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच संवाद की वैसे स्थिति है, जैसा कि संविधान निर्माताओं ने आपसी परामर्श की उम्मीद की थी। सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय संविधान पीठ राज्यपालों और राष्ट्रपति को निर्धारित समय में बिलों को मंजूरी देने के मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से पूछे गए सवालों पर विचार कर रही है। इस सुप्रीम कोर्ट की बेंच की अगुवाई भारत के चीफ जस्टिस बीआर गवई कर रहे हैं।

सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले में केंद्र की ओर से दूसरे दिन भी अपना पक्ष रखा। तभी उन्होंने संविधान सभा में राज्यपालों की नियुक्ति और शक्तियों पर हुई बहस का हवाला दिया। इस सर्वोच्च अदालत ने यह महत्वपूर्ण टिप्पणी की कि क्या संविधान निर्माताओं ने जो सोचा था, क्या दोनों सत्ता केंद्रों के बीच आज वैसे हालात हैं। इस बेंच में सीजेआई गवई के अलावा जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर शामिल हैं।

सॉलिसिटर जनरल मेहता ने अपनी दलील में कहा कि भले ही आलोचना होती हो, लेकिन गवर्नर का पद राजनीतिक शरण पाने वालों के लिए नहीं है, बल्कि संविधान के तहत इसकी कुछ शक्तियां और जिम्मेदारियां हैं। दरअसल, राष्ट्रपति मुर्मू ने यह सवाल उठाए हैं कि क्या अदालत गवर्नर और राष्ट्रपति पर विधानसभाओं से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए टाइमलाइन तय कर सकती हैं।

इसके पहले सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभाओं से पारित विधेयकों के लंबे समय तक राज्यपालों के पास लंबितउ रखने को लेकर केंद्र और अटॉर्नी जनरल से सवाल पूछा था और उन हालातों में संवैधानिक अदालतों की सीमाओं का मुद्दा उठाया, जहां विधेयक 2020 से लंबित पड़े हुए हैं। हालांकि, अदालत ने कहा कि वह कानून पर सिर्फ अपना विचार जाहिर कर रहा है, 8 अप्रैल के उस फैसले पर नहीं कह रहा है, जिसमें तमिलनाडु के मामले में विधानसभाओं से पारित विधेयकों के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपित के लिए टाइमलाइन निर्धारित की गई है।

आशीष दुबे / 20 अगस्त 2025

दिल्ली की मुख्यमंत्री पर हमला

रेखा गुप्ता को थप्पड़ मारा, धक्का दिया, बाल पकडक़र खींचे...

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को हमला हुआ। सीएम आवास पर साप्ताहिक जन सुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता को थप्पड़ मारा गया। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जा रही है। लेकिन आरोपी ने यह हमला क्यों किया और कैसे किया? इसे लेकर कई जानकारियां सामने आई हैं।

दिल्ली के सीएम आवास पर हर बुधवार को जन सुनवाई होती है। आज जन सुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता लोगों से मुखातिब हो रही थीं। इसी बीच आरोपी ने पहले रेखा गुप्ता को थप्पड़ मारा। उसके बाद वह उनकी तरफ झपटा और धक्का दे दिया। लेकिन पीछे दीवार होने की वजह से रेखा गुप्ता उससे टिक गईं। लेकिन इस बीच आरोपी ने उनके बाल पकड़ लिए। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने आरोपी को काबू में करने की कोशिश की। आरोपी के हाथों पर लोगों ने मारा जिससे वह बाल छोड़ दे। सीएम हाउस में तकरीबन एक मिनट तक यह हंगामा होता रहा।

डॉग लवर है आरोपी राजेश

आरोपी गुजरात के राजकोट का रहने वाला है। उसकी उम्र 41 साल है। वह बहुत बड़ा पशु प्रेमी और डॉग लवर है। उसकी मां का कहना है कि बेघर कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से दुखी होकर वह दिल्ली गया था। वह कई साल से पड़ोसियों से रोटियां इकट्ठा करके कुत्तों को खिलाता था। पड़ोसियों को यह बात पता थी और वह उसके घर पर ही रोटियां दे जाते थे। आरोपी इन रोटियों को इकट्ठा करके कुत्तों और गायों को खिलाता था। वह रिक्शा चलाने का काम करता है।

बीते 24 घंटों से रेकी कर रहा था हमलावार

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुए हालिया हमले को लेकर दिल्ली के मंत्रियों, प्रवेश वर्मा और मनजिंदर सिंह सिरसा ने कुछ महत्वपूर्ण खुलासे किए हैं। उनके बयानों के अनुसार, हमलावर बीते 24 घंटों से मुख्यमंत्री के आवास की रेकी कर रहा था और आरोपी ने हमले की योजना पहले से बना रखी थी। रेखा सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने बताया कि आरोपी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शालीमार बाग स्थित आवास पर 24 घंटे से रेकी कर रहा था।

एक बार फिर गुजरात उच्च न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी सुरक्षा एजंसियां

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट को एक बार फिर धमकीभरा ईमेल मिला है। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए इस धमकी भरे ईमेल की सूचना गुजरात हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार ने सोला पुलिस स्टेशन को दी। इस सूचना के आधार पर पुलिस तुरंत गुजरात उच्च न्यायालय पहुंची और जांच शुरू की। जानकारी के मुताबिक गुजरात उच्च न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी मिली है7 हाईकोर्ट को पिछले दो महीनों में तीसरी बार धमकी भरा ईमेल मिला है। इस ईमेल में भी उच्च न्यायालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इस घटना के बाद पुलिस ने जाँच शुरू कर दी है। डॉग स्क्वाड, गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) सहित टीमें उच्च न्यायालय पहुंचकर विस्तृत जांच कर रही हैं। गुजरात उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार द्वारा सोला पुलिस को इस धमकी भरे ईमेल के बारे में सूचित किया गया था।

सीएसडीएस के खिलाफ एक्शन की तैयारी...कारण बताओ नोटिस जारी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के गलत आंकड़े पेश करने के मामले में अब सीएसडीएस यानी सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज पर एक्शन की तैयारी हैं। खबर है कि संस्था को इस संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। दरअसल सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय कुमार की ओर से बीते साल पेश किए गए आंकड़ों के बाद कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी पर वोट फ्रॉड करने के आरोप लगाए थे। प्रोफेसर कुमार ने पहले कहा था कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव के बीच नासिक पश्चिम में मतदाताओं की संख्या में 47 प्रतिशत और हिंगना विधानसभा में 43 फीसदी का इजाफा हुआ था। उन्होंने दावा किया था कि रामटेक और देवलाली क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या क्रमश- 38 और 36 प्रतिशत गिर गई थी। इसके बाद उन्होंने मंगलवार को पोस्ट हटा लिया।

प्रोफेसर कुमार ने लिखा, महाराष्ट्र चुनाव के संबंध में किए गए पोस्ट को लेकर मैं माफी मांगता हूं। आंकड़े की तुलना करने में गलती हो गई थी। हमारी डेटा टीम की ओर से डेटा को ठीक से नहीं पढ़ा गया था। सोशल मीडिया पर से ट्वीट हटा लिया गया है। मेरा किसी भी प्रकार से गलत सूचना फैलाने का कोई इरादा नहीं था। आईसीएसएसआर के नोटिस में आया है कि आईसीएसएसआर फंडेड सीएसडीएस में जिम्मेदार पद पर बैठे एक व्यक्ति ने मीडिया में बयान दिए थे, जिन्हें महाराष्ट्र चुनाव के डेटा विश्लेषण का हवाला देकर वापस ले लिया गया था। इसके आगे संस्था ने भारत निर्वाचन आयोग की ओर से चलाए जा रहे एसआईआर को लेकर पक्षपातपूर्ण मीडिया स्टोरीज प्रकाशित की। नोटिस में आगे कहा गया, आईसीएसएसआर भारती संविधान का सम्मान करता है। चुनाव आयोग उच्च संवैधानिक निकाय है, जो दशकों से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव करा रहा है।

बेस्ट चुनाव में ठाकरे बंधुओं को मिली करारी हार, नहीं जीत सके एक भी सीट

मुंबई। मुंबई की प्रतिष्ठित बेस्ट एम्प्लॉइज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी चुनाव 2025 में ठाकरे बंधुओं को करारी हार का सामना करना पड़ा है। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पहली बार एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरे थे, लेकिन उनका उत्कर्ष पैनल एक भी सीट नहीं जीत सका। यह नतीजा ठाकरे समूह और मनसे के लिए बड़ा झटका है। खासकर ऐसे समय में जब दोनों पार्टियां आगामी मुंबई नगर निगम चुनाव एक साथ लड़ने की तैयारी कर रही हैं। बेस्ट एम्प्लॉइज को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी चुनाव के लिए 18 अगस्त को मतदान हुआ था। मतगणना मंगलवार को होनी थी, लेकिन भारी बारिश के कारण देरी से शुरू हुई और देर रात परिणाम घोषित किए गए।

बेस्ट पटपेढ़ी की कुल 21 सीटों के लिए हुए चुनाव में शशांकराव पैनल ने बाजी मारते हुए 14 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं महायुति समर्थित सहकार समृद्धि पैनल ने 7 सीटें अपने नाम कीं, जबकि ठाकरे ब्रदर्स का उत्कर्ष पैनल पूरी तरह साफ हो गया और 0 सीट पर सिमट गया।

ठाकरे गुट की शिवसेना ने बेस्ट पटपेढ़ी में पिछले 9 सालों से पकड़ बनाए रखी थी, लेकिन इस बार नतीजों ने न सिर्फ उनकी सत्ता छीन ली, बल्कि उद्धव और राज ठाकरे की साख पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना की बेस्ट कामगार सेना और राज ठाकरे की मनसे की कामगार कर्मकार सेना ने गठबंधन बनाकर उत्कर्ष पैनल उतारा था।

बम्बई हाईकोर्ट के जजों के रूप में 14 वकीलों की नियुक्ति प्रस्ताव को मिली मंजूरी

नई दिल्ली,। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने बम्बई हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के रूप में 14 वकीलों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम की मंगलवार को बैठक हुई थी। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किए गए बयान में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने 19 अगस्त, 2025 को हुई अपनी बैठक में निम्नलिखित वकीलों को बम्बई हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कॉलेजियम ने वकील नंदेश शंकरराव देशपांडे, अमित सत्यवान जमसांडेकर, आशीष सहदेव चव्हाण, वैशाली निम्बाजीराव पाटिल-जाधव, अबासाहेब धर्मजी शिंदे और फरहान परवेज़ दुबाश को हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। एक अन्य बयान में कहा गया है कि कॉलेजियम ने वकील सिद्धेश्वर सुंदरराव थोम्ब्रे, मेहरोज अशरफ खान पठान, रंजीतसिंह राजा भोंसले, संदेश दादासाहेब पाटिल, श्रीराम विनायक शिरसाट, हितेन शामराव वेनेगावकर, रजनीश रत्नाकर व्यास और राज दामोदर वाकोडे को बम्बई हाईकोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

देवी तालाब के आसपास बढ़ रहे अतिक्रमण पर नगर पालिका ने की कार्यवाही

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।नगर पालिका द्वारा शहर के स्थानीय देवी तालाब के आसपास बढ़ रहे अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई है। जिसमें यहां के संबंधित अधिकारियों द्वारा बताया गया कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर के निर्देश पर नगर पालिका ने देवी तालाब के आसपास दुकान और अस्थाई रूप से सामान रखने वाले अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई है । बढ़ते अतिक्रमण को रोकने के लिए आज नगर पालिका द्वारा दुकान को हटाया गया है। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के पहले नगर पालिका द्वारा प्रचार वाहन और नोटिस के माध्यम से अतिक्रमणकारियों को अतिक्रमण हटाने के लिए सूचित कर दिया गया था। उसके बावजूद भी अतिक्रमणकारियों ने अपना अतिक्रमण नहीं हटाया जिसके बाद नगर पालिका ने यह कार्रवाई की है ।

आपको बता दे कि शहर में लंबे समय बाद नगरपालिका ने अतिक्रमण पर कार्यवाही की है । बुधवार को सुबह से ही देवी तालाब के किनारे किए गए तकरीबन एक दर्जन, अतिक्रमण कर बनाए गए टीनशेड और निर्माण को नगर पालिका द्वारा हटाया गया। जल गंगा संवर्द्धन अभियान के दौरान ही सरोवरो के आसपास के अतिक्रमण हटाने के निर्देश जारी किए गए थे। जिसमें देवी तालाब में भी किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश, कलेक्टर ने दिए थे लेकिन जल गंगा संवर्द्धन अभियान के महिनो बाद नगरपालिका के अमले ने बुधवार को दोपहर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू की और लगभग एक दर्जन से ज्यादा अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाया। हालांकि अतिक्रमण का बुलडोजर देखकर कई अतिक्रमणकारियों ने स्वयं ही अतिक्रमण को हटाना शुरू कर दिया था लेकिन जिन्होंने अतिक्रमण नहीं हटाए थे, उनका अतिक्रमण पर नगरपालिका ने बुलडोजर चला दिया। कुछ लोगों ने तो यह भी कहा की नगरपालिका ने देवी तालाब से अतिक्रमण के नाम पर रस्मादयगी की है, केवल छोटे गरीब लोगों के टपरेनुमा अतिक्रमण को हटाया गया है। जबकि बड़े अतिक्रमण को छोड़ दिया गया है। फिलहाल अतिक्रमण हटाए नगरपालिका की टीम के साथ, देवीतालाब पहुंचे नगरपालिका के जिम्मेदार वाचस्पति त्रिपाठी से हमने, अतिक्रमण को लेकर कार्यवाही के बारे में सवाल कर जवाब जानना चाहा तो उन्होंने केवल इतना बताया कि तालाब में किए गए अतिक्रमण को हटाने, हमने नगरपालिका के प्रचार वाहन से मुनादी कराई थी, लेकिन, वह अतिक्रमण की कार्यवाही के सवाल पर मौन रहे। वहीं नायब तहसीलदार ने केवल इतना बताया कि कलेक्टर महोदय के निर्देश पर वे यहां पहुंची है।

अतिक्रमण हटाने के बाद नहीं होती मॉनिटरिंग

नगर पालिका द्वारा इसके पहले भी शहर के कुछ स्थानों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है, किंतु देखा जाए तो नगर पालिका द्वारा बीते दिनों ट्रामा सेंटर के सामने से अतिक्रमण हटाया गया था, उसके बाद अंबेडकर चौक में भी अतिक्रमण की कार्रवाई नगर पालिका द्वारा की गई थी, किंतु नगर पालिका द्वारा अतिक्रमण हटाने के बाद प्रॉपर मॉनिटरिंग एवं समझाइश नहीं देने की वजह से अतिक्रमणकारियों के द्वारा पुन: कुछ ही दिनों में हटाए गए अतिक्रमण के बाद अतिक्रमण कर लिया जाता है देखा जाए तो इन दिनों स्वयं नगर पालिका के सामने से हटाया अतिक्रमण पुन: पैर पसारने लगा है।

सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की मौत- एक घायल जिला अस्पताल में भर्ती

बैहर रोड चिखलाझोड़ी के पास हुई सड़क दुर्घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । बैहर रोड चिखलाझोड़ी के पास सड़क दुर्घटना में दो व्यक्ति घायल हो गए। जिनमे में गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं एक अन्य घायल व्यक्ति राधेलाल पिता पंचम साहू सोनेकर 37 वर्ष ग्राम दमोह बोरी थाना बिरसा निवासी है। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया जा रहा है। 19 अगस्त की शाम यह सड़क दुर्घटना उस समय हुई जब दोनों व्यक्ति बिरसा दमोह से मोटरसाइकिल में बालाघाट चीचगांव बालाघाट आ रहे थे। जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक रामाजी पिता भीकराम करकाड़े 62 वर्ष ग्राम चीचगांव थाना नवेगांव निवासी का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राधेलाल सोनेकर अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। 17 अगस्त को राधेलाल अपने काका ससुर रामाजी करकाड़े के साथ मोटरसाइकिल में ग्राम दमोह बोरी बिरसा खेत में सौडा खाद्य का छिड़काव करने के लिए गए थे। खेत में सौडा खाद का छिड़काव करने के बाद 19 अगस्त को राधेलाल अपने काका ससुर रामाजी करकाड़े के साथ मोटरसाइकिल में दमोह बोरी से अपने ससुराल चीचगांव वापस लौट रहे थे शाम 6ः00 बजे के आसपास रूपझर से बालाघाट की ओर आते समय ग्राम चिखलाझोड़ी के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने राधेलाल सोनेकर की मोटरसाइकिल को ठोस मार दी। इस सड़क दुर्घटना में राधेलाल सोनेकर और उसका काका ससुर रामाजी करकाड़े मोटरसाइकिल सहित गिरने से घायल हो गए। इस सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही ।रूपझर पुलिस थाना के कर्मचारी तुरंत चिखलाझोड़ी पहुंचे और दोनों घायल को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां उपचार के दौरान रामाजी करकाड़े की मौत हो गई। इस सड़क दुर्घटना की खबर मिलते ही रामाजी करकाड़े परिवार के लोग जिला अस्पताल पहुंचे। 20 अगस्त को जिला अस्पताल पुलिस ने मृतक रामाजी करकाड़े का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना रूपझर भिजवा दी है।

शराबी पति ने बांस के डंडे से पत्नी और वृद्ध मां से की मारपीट

मारपीट में घायल देवकी लिल्हारे जिला अस्पताल में भर्ती, कोतवाली क्षेत्र के ग्राम धापेवाड़ा की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । शराब में के नशे में भूत एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बांस के डंडे से बेरहमीपूर्वक मारपीट कर घायल कर दिया। वहीं बचाव करने आई अपनी मां को भी डंडे से मारपीट कर दिया। 19 अगस्त की शाम 6:00 बजे करीब घरेलू विवाद के चलते यह घटना कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम धापेवाड़ा में हुई। मारपीट में घायल महिला देवकी पति शैलेंद्र लिल्हारे 30 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देवकी लिल्हारे खेती किसानी करती है। जिसके परिवार में पति शैलेंद्र लिल्हारे के अलावा दो बच्चे और सास उमा बाई लिल्हारे है। देवकी लिल्हारे का बड़ा बेटा 9 साल और छोटा बेटा 8 साल का है। दोनो पढ़ाई करते है। यह भी बताया गया है कि देवकी लिल्हारे का पति शैलेंद्र लिल्हारे आए दिन शराब पीते रहता है और घर आकर अपनी पत्नी देवकी से विवाद करते रहता है। शैलेंद्र लिहारे द्वारा शराब के नशे में की गई मारपीट में देवकी इसके पहले दो बार जिला अस्पताल में भर्ती हो चुकी है। 19 अगस्त की 6:00 करीब देवकी अपने घर में थी और खाना बनाने के लिए सब्जी काट रही थी ।इस समय उसका पति शैलेंद्र लिल्हारे घर आया। उस समय शैलेंद्र जमकर शराब पिया हुआ था। जिसने अपनी पत्नी देवकी से बोला कि मेरे लिए खाना क्यों नहीं बना कर रखी है और आज कहां गई थी। ऐसी को लेकर के शैलेंद्र अपनी पत्नी देवक के साथ विवाद करने लगा। और शैलेंद्र ईंट उठाकर अपनी पत्नी देवकी को मारा एक ईंट देवकी के कनपटी में लगा। इसके बाद शैलेंद्र ने बांस के डंडे से पत्नी देवकी को मारपीट करना शुरू कर दिया। देवकी को मारते-पीटते देख उसकी मां उमाबाई लिल्हारे बीच बचाव करने की दौड़ी तभी इस शराबी व्यक्ति ने अपनी मां उमा लिल्हारे को भी डंडे से मारपीट कर दिया। दोनों सास बहू का चिल्लाना सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। मारपीट में घायल दोनों सास बहू को 100 डायल से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया। जहां अत्यधिक चोट लगने से घायल देवकी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने देवकी लिल्हारे का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना कोतवाली बालाघाट भिजवादी है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल के बैहर कार्यक्रम की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का 21 अगस्त को बैहर आगमन हो रहा है। राज्यपाल श्री पटेल 21 अगस्त को एकलव्य आवासीय विद्यालय बैहर में आयोजित महाआरोग्य स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करेंगे तथा सिकल सेल के मरीजों से चर्चा कर उन्हें प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। इस अवसर पर दिव्यांग एवं वृद्धजनों को सहायक उपकरणों का वितरण भी किया जाएगा। कलेक्टर मृणाल मीना एवं पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने 20 अगस्त को बैहर में राज्यपाल श्री पटेल के कार्यक्रम के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्शकांत शुक्ला, बैहर एसडीएम अर्पित गुप्ता, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, बैहर एसडीओपी करणदीप एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री मीना ने बिरवा हवाई पट्टी पर बनाये गए हेलीपेड एवं वहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इसके पश्चात उन्होंने एकलव्य विद्यालय परिसर में महाआरोग्य शिविर के लिए की जा रही तैयारियों का निरीक्षण किया। राज्यपाल श्री पटेल बैहर प्रवास के दौरान बिरवा में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही महिला इमलाबाई मरकाम के घर दोपहर का भोजन करेंगे। इसके पश्चात वे हेलीकाप्टर से जबलपुर के लिए रवाना होंगे।

जिला स्तरीय शालेय कराते खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अंडर 14, अंडर 17, अंडर 19 तीनो वर्गों में खिलाड़ियों ने दिखाया उत्साह

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । स्कूल शिक्षा विभाग के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय शालेय कराते खेल प्रतियोगिता का आयोजन 18 एवं 19 अगस्त को उत्कृष्ट विद्यालय सभागार में मिनी, जूनियर एवं सीनियर वर्ग के खिलाड़ियों के मध्य किया गया। जिसमें बालाघाट के सभी शासकीय एवं निजी विद्यालयों के लगभग 100 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में जिला कराटे प्रशिक्षण केन्द्र मुलना स्टेडियम खेल विभाग के लगभग 21 खिलाड़ियों ने अंडर 14, अंडर 17, अंडर 19 तीनों वर्गों में भाग लिया। इस प्रतियोगिता में अधिकांश खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करके अपना स्थान संभाग ? स्तर प्रतियोगिता के लिए सुनिश्चित किया। प्रतियोगिता में खेल और युवा कल्याण विभाग के कराटे प्रशिक्षण केंद्र मुलना स्टेडियम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों सत्यम बर्वे आरव तुरकर, मेघ बिसेन, विजय बोरीकर, तन्वी बावनकर, आर्यन जायसवाल, कनक ठाकरे,धुवाकं असाटी, आदित्य राणा, शिवानी नेवारे ,करण चोधरी, रागिनी चोहान, वाणी राउत, लवी बावनकर, ईशान सोनवाने पुष्कर शिवाले, तेजस्वी शर्मा, अर्जुन ठुम्बरे, समीरनाथ मोतीचूर, अक्षित बारमाटे, लवी बावनकर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिसके लिए जिला खेल अधिकारी एवं एसडीओपी वारासिवनी अभिषेक चौधरी ने सभी खिलाड़ियों एवं जिला खेल प्रशिक्षक सजिन्द्र कृष्णन को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर जिला एथलेटिक संघ के अध्यक्ष नरेश धुवारे, कार्यालय कर्मचारी योगेंद्र पटेल, शैलेंद्र औल्याकन्हार क्लब लालबर्रा, खेलो इंडिया कोच आशु पवार, शंकर लाल रांहगडाले प्रभारी प्रशासक स्टेडियम, कार्यालय से धीरज डोंगरे, अजय ठाकुर आकाशवाणी, ओमप्रकाश दमाहे ऐबी फिटनेस एकेडमी, संतोष पारधी कराते कोच व युवा समन्वयक, श्रीमति रीना रत्नैरे युवा समन्वयक, राधिका डोगरे पीटीआई आफिशियल सतपुड़ा वैली, प्रणय लांजेवार कराते आफिशियल एवं कार्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) लालबर्रा पं. क्र. 701

क्रमांक / आमसभा/2025 दिनांक - 06.08.2025

वार्षिक आमसभा की सूचना

महोदय,

बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित, लालबर्रा पं.क्र. 701 के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि संस्था की वार्षिक आमसभा का आयोजन दिनांक 22.08.2025 दिन शुक्रवार को समय 1 बजे दिन से संस्था कार्यालय के प्रांगण में किया गया है।

अत: समस्त अंशधारी सदस्यों से सविनय निवेदन है कि उक्त सभा में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाये।

नोट - यदि निश्चित समय पर साधारण सभा के लिये गणपूर्ति नहीं होती है तो सहकारी समिति नियम 1962 की धारा 37/3 के प्रावधान अनुसार ठीक आधा घंटे बाद उसी स्थान एवं दिनांक पर पूर्व निर्धारित विषयों पर ही साधारण सभी की कार्यवाही प्रारंभ होगी, जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी।

अतएव आपसे अनुरोध है कि निश्चित स्थान दिनांक एवं समय पर उपस्थित होने का कष्ट कीजिए।

-: विषय सूची :-

1. सोसायटी के क्रियाकलापों का जो कि संचालक मण्डल द्वारा आगामी वर्ष 2026-27 के लिए तैयार किया गया है, अनुमोदन करने बाबद्।
2. संपरीक्षा रिपोर्ट के अनुमोदन बाबद् विचार।
3. वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2024-2025 के वित्तीय पत्रक के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत।
4. आगामी सहकारी वर्ष 2026-2027 के लिए अनुमानित बजट की स्वीकृति बाबद्।
5. वित्तीय वर्ष में कार्य संचालन के कारण हुए हानि के कारणों का परीक्षण करने बाबद् विचार।
6. वर्ष 2024-2025 का पूरक बजट की स्वीकृति बाबद्।
7. लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिए संपरीक्षक की नियुक्ति करने बाबद् विचार।
8. नवीन समिति पुर्नगठन के संबंध में विचार।
9. संचालक मंडल के सदस्यों का निर्वाचन कराया जाने बाबद् विचार।
10. किसी अन्य विषय पर जो उपविधि के अनुसार लाया जावे विचार करने के लिये।

-: भवदीय :-

एच.सी. बसेने
संस्था प्रबंधक

आर.के. दुबे
प्रशासक
एवं समस्त कर्मचारीगण
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित (बी.पैक्स) लालबर्रा पं. क्र. 701

सूचना

सर्व सामान्य को सूचित किया जाता है कि मै श्रीमती फेको कावरे उम्र 58 वर्ष, पति स्व. श्री जैतलाल कावरे निवासी ग्राम टेकाड़ी पोस्ट धनसुआ (भरवेली) तहसील व जिला बालाघाट (म.प्र.)।

मैं निम्नानुसार शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि-

1. यह कि मै उपरोक्त वर्णित स्थान की निवासी हूँ ।

2 मैं फेको कावरे (**FEKO KAWRE**) उम्र 58 वर्ष ग्राम टेकाड़ी पोस्ट धनसुआ (भरवेली) तहसील व जिला बालाघाट (म.प्र.) मेरा आधार कार्ड नं. 3924 6022 8153 शपथपूर्वक कथन करती हूँ कि-

3. यह कि मेरे पति स्व. श्री जैतलाल कावरे जिनका स्वर्गवास दिनांक 12/01/2025 को हो चुका है उनके स्वर्गवास उपरांत उनकी एक मात्र विवाहित धर्मपत्नी हूँ।

4. यह कि मेरे स्व. पति जैतलाल कावरे अपने जीवन काल में [illegible] कम्पनी से बीमा पॉलिसी लिया गया था जिसका पॉलिसी क्रमांक 24109757 है। जिसमें मेरा नाम फेकन (**FHEKAN KAVRE**) पति जैतलाल कावरे जो कि त्रुटिवश गलत दर्ज है।

5. यह कि जिन जिन दस्तावेजों में आपके रिकार्ड में दर्ज फेकन के स्थान पर फेको कावरे (**FEKO KAWRE**) पति स्व. जैतलाल अंकित कर लिखा व पढ़ा जावे।

6. यह कि उक्त आधार पर फेको कावरे (**FEKO KAWRE**) व फेकन (**FHEKAN KAVRE**) दोनो एक ही महिला के नाम है

7. यह कि मेरे द्वारा दी गई जानकारी सत्य व सही है।

शपथकर्ता
फेको कावरे (FEKO KAWRE)
ग्राम टेकाड़ी पोस्ट धनसुआ (भरवेली) तहसील व जिला बालाघाट (म.प्र.)

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

शासकीय योजना का लाभ दिलाने रोजगार सहायक नें मांगे 30 हजार रूपये, हितग्राही ने लगाया आरोप

जिला मुख्यालय पहुंचकर हितग्राही ने की शिकायत, मामला ग्राम पंचायत पल्हेरा का, पैसे देते विडियो किया वायरल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा क्षेत्र के कुछ हितग्राहियों द्वारा जिला मुख्यालय पहुंचकर ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक पर संबल योजना के अंतर्गत मिलने वाली 2 लाख रूपये की राशि में से 30 हजार रूपये मांगे जाने का आरोप ,रोजगार सहायक पर लगाया गया है । यह आरोप एक ही हितग्राही ने नहीं बल्कि अन्य हितग्राही द्वारा भी रोजगार सहायक पर शासकीय योजनाओं को दिलाने के एवज में राशि मांगे जाने का आरोप लगाया गया है।

आपको बता दे की आए दिनों ग्राम पंचायत और नगरीय क्षेत्र में शासन से मिलने वाली शासकीय योजना की राशि में संबंधित कर्मचारी और अधिकारियों के द्वारा शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने के एवज में मोटी रकम लिए जाने के आरोप लगते हैं । यह आरोप कई बार सिद्ध भी होते हैं। कई मामलों में तो स्वयं हितग्राही ही अधिकारियों को दिए जाने वाली राशि का वीडियो और फोटो लेते हैं। ऐसा ही एक ताजा मामला बिरसा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत पल्हेरा का सामने आया है। यहां के दो हितग्राहियों द्वारा जिला मुख्यालय पहुंचकर ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक पर संबल योजना में मिलने वाली 2 लाख रूपये की राशि में से 30 हजार रूपये मांगे जाने का आरोप लगाया गया है। जिसमें ग्राम पल्हेरा निवासी जानकी कावरे और बेटी सोनिया ने बताया की 19 दिसम्बर 2024 को उनके पति भगत कावरे की किसी कारणवश मृत्यु हो गई थी। सरकार की योजना अनुसार संबल योजना के तहत पति की मृत्यु के पश्चात दो लाख रूपये की राशी का लाभ मिलना था, जिस पर रोजगार सहायक द्वारा योजना का लाभ दिलवाने के लिए तीस हजार रूपये की मांग की गई थी। जिस पर राशी मिलने के पूर्व ही रोजगार सहायक को कर्ज करके दस हजार रूपये दिया गया। फिर रोजगार सहायक हिरमत जामरे द्वारा दो लाख रूपये की राशी डलने के बाद पन्द्रह हजार

रूपये लिया गया। जिस समय रोजगार सहायक द्वारा घर आकर पन्द्रह हजार रूपये लिया जा रहा था, उस समय बेटी सोनिया कावरे द्वारा वीडियो बनाया गया है। वीडियो में रोजगार सहायक द्वारा शेष राशी पांच हजार रूपये मांगें जाने की भी बात कही गई है। ग्राम पंचायत द्वारा जो अंत्योष्टि सहायता दी जाती है उसे भी शेष पांच हजार रूपये मिलने के बाद रोजगार सहायक द्वारा दिलवाने की बात कही गई। जब रोजगार सहायक को शिकायत करने की बात की जानकारी लगी तो, रोजगार सहायक द्वारा अन्य लोगों के साथ पेशी है कहकर घर आकर बैहर ले कर जाया गया और वहां उन्होने कागज पर हस्ताक्षर करवा लिए। बाद में मुझे जानकारी मिली की उन लोगो द्वारा संबल योजना के तहत राशी दिलवाने के नाम पर तीस हजार रूपये लिए है, उस संबंध में शिकायत किये है ,उसे वापस कर लिया गया है । उसका शपथ पत्र बनवाकर उसमें धोखे से हस्ताक्षर करवा लिए गया । जबकि उनके द्वारा शिकायत वापस नही ली है। रोजगार सहायक, मोबेलाईजर सहित अन्य लोगो द्वारा शिकायत वापस लेने के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है।

10000 रूपये की राशि ली गई- मिथिलेश्वरी

ग्राम पंचायत पल्हेरा से पहुंची मिथिलेश्वरी ने भी बताया कि उनके पति की मृत्यु के बाद ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक द्वारा संबल योजना का लाभ दिलाने के नाम पर 10,000 रूपये की मांग की गई । उनसे 10000 रूपये की राशि ली गई थी । उन्हें 5000 और मांगा जा रहा था। किंतु उनके द्वारा राशि नहीं दी गई । अब धीरे-धीरे कर ग्राम पंचायत में लोगों द्वारा इस प्रकार से शासन की योजनाओं से मिलने वाली राशि में रोजगार सहायक द्वारा पैसे लिए जाने के मामले की शिकायत की जा रही है । यही शिकायत लेकर वह 20 अगस्त को जिला मुख्यालय पहुंची और जिला पंचायत में इस पूरे मामले की शिकायत की है । इधर इस पूरे विषय को लेकर जब हमारे द्वारा ग्राम पंचायत पल्हेरा के रोजगार सहायक से दूरभाष पर संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया ।

तहसीलदारों की हड़ताल हुई खत्म

कुछ बिंदुओं पर बनी सहमति, कार्य विभाजन की नीति रहेगी लागू

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।प्रदेश सहित जिले भर में चल रही तहसीलदार और नायब तहसीलदारों की हड़ताल अब खत्म हो चुकी है। जिसमें तहसीलदारों ने बताया कि उनकी कुछ मांगों पर सहमति बनी है । सरकार से चर्चा के दौरान उनके प्रतिनिधि मंडल को बनाई गई इस नीति को अभी 6 महीने तक कार्य करने को कहा गया है । साथ ही कार्य विभाजन में कलेक्टर द्वारा तहसीलदारों को जिले की अलग-अलग जिम्मेदारी दी जाएगी। जिसमें किसी भी तहसीलदार के साथ भेदभाव नहीं होगा। इन्हीं सब सहमति को लेकर अब तहसीलदार अनिश्चितकालीन हड़ताल से लौट गए हैं। आपको बता दे कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा राजस्व प्रशासन में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। एकीकृत व्यवस्था के तहत संबंधित अधिकारियों को कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ सौंपी गई हैं । न्यायालयीन कार्य कर रहे अधिकारी पूर्ववत राजस्व न्यायालय संचालन का दायित्व निभाएंगे, जबकि शेष अधिकारी कानून व्यवस्था, राजस्व योजना, प्रोटोकॉल, राजस्व सर्वेक्षण एवं प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करेंगे। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य राजस्व न्यायालय के लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण करना तथा राजस्व सेवा के न्यायिक एवं गैर-न्यायिक कार्यों के मध्य स्पष्ट विभाजन सुनिश्चित करना है। शासन द्वारा इसे प्रभावीय रूप से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश सभी जिलों को प्रेषित कर दिए गए हैं। उसके बाद से ही प्रदेश स्तर पर ही इस पूरी बनाई गई व्यवस्था का विरोध किया जा रहा था । प्रदेश स्तर से लेकर जिला स्तर पर राजस्व अधिकारी इस विषय को संसोधित की मांग कर रहे थे । इसी क्रम में 04 अगस्त को बालाघाट में भी प्रदेश स्तर के संगठन के आवाहन पर राजस्व अधिकारियों द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया था । जहां राजस्व अधिकारियों ने बताया कि जिस प्रकार की यह पूरी योजना बनाई गई है , उसमें सही मापदंड और सही योजना बनाकर कार्य नहीं किया गया है । संसाधनों का अभाव है । ऐसी स्थिति में यदि इस व्यवस्था को लागू किया जाएगा , तो उन्हें बहुत दिक्कत होगी। वह चाहते हैं कि इस व्यवस्था को लागू करने से पहले व्यवस्थाएं बना ली जाए और उसके बाद ही इस प्रणाली को लागू किया जाए । इसके बाद उन्होंने 6 अगस्त से अनिश्चित समय के लिए हड़ताल पर जाने की बात भी कही थी, किंतु सरकार से इस विषय पर कोई ठोस निर्णय नहीं आने के कारण प्रदेश सहित जिले भर के तहसीलदार नायब तहसीलदार हड़ताल पर चले गए थे । जिनकी अनिश्चितकालीन हड़ताल 18 अगस्त तक चलती रही । 19 अगस्त को उनके प्रतिनिधि मंडल ने सरकार से चर्चा की उसके बाद मंगलवार को ही तहसीलदार अपने कार्य पर वापस लौट गए । जिसमें तहसीलदार छवि पंत ने दूरभाष पर बताया कि उनके कुछ बिंदुओं पर सहमति बनी है । यह नई नीति जो लागू की गई है ,उसे 6 महीने तक अभी देखना है । जिला स्तर पर कलेक्टर के माध्यम से कार्य विभाजन में तहसीलदारों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी जाएगी । जिसमें किसी के साथ कोई पक्षपात नहीं होगा । इन्हीं सब विषय को लेकर उन्होंने हड़ताल को खत्म कर दिया है और पुनः तहसीलदार अब अपने काम पर लौट गए हैं ।

डाइट परिसर में हुआ शिक्षकों का प्रशिक्षण, ढाई सौ शिक्षकों ने लिया भाग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर के स्थानीय डायट परिसर में शिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले भर के लगभग ढाई सौ से अधिक शिक्षकों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा नीति और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना है। साथ ही अपने अनुभव को शिक्षकों के साथ साझा करना है। शिक्षकों को आने वाली समस्याओं सहित उनकी परेशानियों को समझ कर, क्या अच्छे से अच्छा किया जा सकता है । इसको लेकर चर्चा करना था। साथ ही नई शिक्षा पद्धति में बच्चों को और कैसे अच्छे से अच्छा पढ़ाया जा सकता है। इन सभी विषय को लेकर यह प्रशिक्षण हर महीने में एक बार आयोजित किया जाता है । आपको बता दे कि नगर मुख्यालय स्थित डाइट परिसर में बुधवार को जिलेभर के शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण में जिले के करीब ढाई सौ शिक्षक शामिल हुए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम हर महीने में एक बार आयोजित किया जाता है । जिसमें आने वाले नए शिक्षक और नई शिक्षा नीति को लेकर यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया । जिसमें शिक्षकों को आने वाली शालाओं में परेशानी सहित , ऐसे कई विषय शिक्षकों के सम्मिलित किए जाते हैं । जिसमें उन्हें व्यावहारिक दिक्कतों का सामना करना होता है। बच्चों को पढ़ाई में और क्या अच्छे से अच्छा और नया किया जा सकता है । इन सब विषय पर शिक्षकों के साथ चर्चा होती है। इसी को लेकर यह कार्यक्रम स्थानीय डायट परिसर में आयोजित किया गया। डाइट प्रभारी एवं शिक्षण संवाद जिला नोडल सदस्य के.डी. तीतरमारे ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर मृणाल मीणा के मार्गदर्शन और मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभीषेक सराफ के निर्देशन में इस प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को नई शिक्षा नीति और आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे प्रशिक्षण आवश्यक हैं, जिससे शिक्षक विद्यार्थियों को और प्रभावी शिक्षा प्रदान कर सकें। प्रशिक्षण में शिक्षकों को शिक्षण संवाद, सहपाठी अधिगम, विद्यार्थियों के साथ संवाद कौशल तथा कक्षा में सहयोगात्मक वातावरण तैयार करने जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। शिक्षकों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बेहतर शिक्षण के लिए सुझाव दिए। डाइट अधिकारियों का कहना है कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे भी लगातार आयोजित किए जाएंगे। इनसे न केवल शिक्षकों का शैक्षिक ज्ञान बढ़ता है, बल्कि जिले की शिक्षा व्यवस्था भी और अधिक सुदृढ़ होती है। इस कार्यक्रम में एन.पी.मलगाम, प्राचार्य डाइट द्वारा जिला स्तरीय उन्मुखीकरण किया गया। सजल मस्की प्रशिक्षण सहायक द्वारा जिला स्तरीय उन्मुखीकरण में अहम भूमिका निभाई गई। स्मिता तितिरमारे, शैक्षिक संवाद प्रभारी एवं भालाधरे द्वारा तकनीकि सहयोग किया गया।

ग्राम पंचायत भरवेली के सरपंच पति अनिल बिसेन की अग्रिम जमानत याचिका खारिज

विद्वान सत्र न्यायाधीश श्री प्राण की विद्वान अदालत में हुई जमानत याचिका पर सुनवाई, एक जाति समुदाय के लोगों की धार्मिक भावनाओ को ठेस पहुंचाने का आरोप, भरवेली पुलिस थाने में अनिल के विरूद्ध दर्ज किया गया है अपराध

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की विद्वान अदालत ने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर एक जाति समुदाय के लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की मंशा से टिप्पणी करने के मामले में फरार चल रहे ग्राम पंचायत भरवेली के सरपंच पति अनिल बिसेन की अग्रिम जमानत याचिका निरस्त कर दी गई। भरवेली पुलिस ने इस मामले में अनिल बिसेन के विरुद्ध धारा 296(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया है।

15 अगस्त को भरवेली में पंचायत में हुआ था यह मामला

इमरान खान पिता यासीन खान ग्राम भरवेली, राशीद अहमद पिता शकील अहमद भटेरा रोड बालाघाट, मोबीन खान पिता स्वर्गीय हबीब खान, फरीद खान पिता स्वर्गीय युसूफ खान दोनो ग्राम भरवेली पुलिस थाना भरवेली निवासी ने भरवेली थाने में शिकायत की थी। जिसमें उल्लेख किया गया था कि 15 अगस्त को अनिल बिसेन द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायत के कार्यक्रम के दौरान मंच से भाषण के दौरान आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया था तथा पंचायत के बाजू में स्थित दुकान की तुलना बाबरी मस्जिद से की गई एवं मुस्लिम समाज के बारे में उन्माद फैलाने का वक्त दिया गया तथा मुस्लिम समाज जमीन जिहाद कर दुकानों पर कब्जा कर रहा है यह भी वक्तव्य दिया गया था। जिससे मुस्लिम समाज की भावना को ठेस पहुंची। शिकायतकर्ताओं ने शिकायत के साथ अनिल बिसेन द्वारा दिए गए भाषण की एक पेनड्राइव पेश की थी। शिकायत जांच उपरांत अनिल बिसेन के विरुद्ध धारा 196(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज किया गई थी।

अनिल बिसेन के द्वारा अग्रिम जमानत याचिका की गई थी पेश

सरपंच पति अनिल बिसेन इस अपराध की गिरफ्तार से बचने के लिए फरार है। जिनकी अग्रिम जमानत याचिका यहा की विद्वान अदालत में पेश की गई थी जिसमें अनिल बिसेन द्वारा उल्लेख किया गया था कि 15 अगस्त 2025 को नवीन ग्राम पंचायत भवन में राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त मनाया गया जहां पर उनके द्वारा भाषण दिया गया था उसके द्वारा किसी व्यक्ति की धार्मिक भावनाएं और जाति समुदाय के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचने की मन्सा से कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

आपत्तिकर्ताओं ने अग्रिम जमानत याचिका पर लगाई थी आपत्ति

जबकि आपत्तिकर्ताओं की ओर से अनिल बिसेन द्वारा पेश की गई जमानत याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया गया था कि आवेदक अनिल बिसेन के द्वारा आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग कर मुस्लिम समाज की भावनाओं को आहत किया गया है। आपत्तिजनक भाषण देकर दो समुदाय के बीच नफरत फैलाने का भी प्रयास किया गया है। आपत्तिकर्ताओं ने अनिल बिसेन के द्वारा प्रस्तुत अग्रिम जमानत याचिका को निरस्त करने निवेदन किया गया था।

और विद्वान अदालत ने अग्रिम जमानत याचिका की खारिज

विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की विद्वान अदालत ने दोनों पक्षों द्वारा पेश किए गए तर्क सुनने के बाद केस डायरी का अवलोकन करते हुए , दोनों पक्षों द्वारा पेश की गए तर्कों पर विचार करने के बाद मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए अनिल बिसेन की ओर से पेश की गई अग्रिम जमानत याचिका अंतर्गत धारा 482 बी एन एस एस स्वीकार योग्य नहीं होने से निरस्त कर दिए।

हरियाली महोत्सव में महिलाओं ने मंच पर दिखाई प्रतिभा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। दृढ़ शक्ति फाउंडेशन बालाघाट द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 20 अगस्त को शहर के एक निजी होटल में हरियाली महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान मिसेज सावन क्वीन व नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाई। इस संबंध में संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष बरखा नाग गंगवानी ने बताया कि हरियाली तीज का जो पारम्परिक रूप से मनाते है उसे आधुनिकता का रूप दिया है। इस अवसर पर मिस सावन क्वीज का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने श्रंगार कर मंच पर प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहे।

डेढ़ माह पहले कुत्ते के काटने से अश्वस्थ बालक की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।जिले के हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम पिपरझरी में डेढ़ माह पहले कुत्ते के काटने से अस्वस्थ इसी ग्राम के एक 15 वर्षीय बालक त्रिलोक पिता मेघराज राहंगडाले की नागपुर के एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि त्रिलोक अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। जिसकी एक बहन है। एक माह पहले त्रिलोक को एक पागल कुत्ते ने काट दिया था। जिसका उपचार उसके परिजनों ने सालेटेका के अस्पताल में करवाए थे ।किंतु यहां रेबीज का इंजेक्शन नहीं होने के कारण त्रिलोक को जिला अस्पताल बालाघाट ले जाने की सलाह दी गई थी। किंतु बालक त्रिलोक हटीला किस्म का होने के कारण वह जिला अस्पताल नहीं पहुंचा और खान-पान में भी संयम नहीं बरता गया। जिसका इलाज देसी दवाओं से ही किया गया था। एक माह बाद 18 अगस्त की रात में अचानक बालक त्रिलोक की हालत बिगड़ गई। जिसे 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया था। चिकित्सको ने त्रिलोक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तुरन्त ही हायर सेंटर नागपुर रेफर कर दिये थे। 19 अगस्त की रात्रि 9:00 बजे डॉक्टर ने त्रिलोक को मृत घोषित कर दिये।

मानदेय दिए जाने की मांग को लेकर शायरी संघ ने सौंपा कलेक्टर को ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। महाकौशल जन जागृति शायरी संघ के विभिन्न पदाधिकारीयों द्वारा मानदेय दिए जाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया । जिसमें शायरी संघ के पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि वह शासन की विभिन्न योजनाओं को आम जनता तक अपने सांस्कृतिक कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पहुंचाते हैं। उसके बाद भी उन्हें सरकार द्वारा मानदेय नहीं दिया जा रहा है । जबकि अलग-अलग प्रदेश में शायरी संघ को सरकार द्वारा मानदेय दिया जाता है। वह सरकार से मांग कर रहे हैं कि उन्हें भी मानदेय दिया जाए। आपको बता दे की महाकौशल जन जागृति शायरी संघ बालाघाट और सिवनी के कलाकारों द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कलेक्टर को आवेदन दिया गया । जिसमें संघ के पदाधिकारीयों ने बताया कि वह शासन की विभिन्न योजनाओं को नुक्कड़ नाटक ,रैली, झांकी और अन्य गीतों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाते हैं। मेले , मंडई में भी वह शासन की योजनाओं को गाँव गाँव तक पहुंचाते हैं, तो उन्हें भी शासन द्वारा कुछ मानदेय दिया जाना चाहिए। जबकि सरकार द्वारा लाडली बहना को, भी राशि जारी की जा रही है । उसी प्रकार उनको भी सरकार एक मानदेय फिक्स कर दे। नहीं तो वह शासकीय योजनाएं को लेकर होने वाले प्रचार में अब भाग नहीं लेंगे। संघ के पदाधिकारी गौरीशंकर मोहारे द्वारा बताया गया कि आज सैकड़ो की संख्या में सिवनी, बालाघाट जिले में कलाकार है , जो अलग-अलग माध्यमों से सरकार की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाते हैं , तो क्यों ना सरकार को भी हमारे लिए कुछ सोचना चाहिए और मानदेय के रूप में उन्हें प्रति महीना कुछ ना कुछ राशि दी जानी चाहिए । इसी मांग को लेकर आज वह जिला मुख्यालय में जमा हुए । उन्होंने यह भी बताया की महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ शासन ने कलाकारों के लिये पेंशन योजना लागू की है। उसी प्रकार वह भी चाहते हैं कि मध्य प्रदेश में भी कलाकारों को पेंशन योजना का लाभ दिया जाए। यहां के जनप्रतिनिधि भी उनके इस विषय को उठाना चाहिए और यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया जाता तो वह निकट भविष्य में आंदोलन की राह पर उतरेंगे।

चिचगांव से सोनेवानी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल एवं नहर के ऊपर बना पुलिया हुआ क्षतिग्रस्त

आवागमन में हो रही परेशानी, पक्की सड़क एवं नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की उठी मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत चिचगांव से चिखलाबर्ड्डी-सोनेवानी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है। साथ ही इसी मार्ग के बीच से गुजरी सर्राटी जलाशय माइनर नहर के ऊपर बना पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो चुका है। जो किसी भी समय धराशाही हो सकता है। वहीं सड़क में गड्डे, कीचड़ होने एवं पुलिया क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं सड़क में बने गड्डों व क्षतिग्रस्त पुलिया के ऊपर से गुजरते समय वाहन अनियंत्रित होती है तो बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं पूर्व में दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि इस मार्ग से वनग्राम के ग्रामीणजन, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ ही पर्यटक भी इसी मार्ग से सोनेवानी अभ्यारण केन्द्र में वन्यप्राणियों का दीदार करने एवं वनग्राम व जंगल क्षेत्र तक जाते है। किन्तु सड़क खराब व पुलिया क्षतिग्रस्त होने के कारण सभी को आवागमन करने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं लंबे समय से ग्रामीणजन व पर्यटक पक्की सड़क का निर्माण एवं क्षतिग्रस्त पुलिया का मरम्मत या फिर नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ग्रामीणजनों एवं पर्यटकों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। वनग्राम के ग्रामीणजन एवं पर्यटक व क्षेत्रीयजनों ने चिचगांव से नवेगांव-चिखलाबड्डी पहुंच मार्ग का पक्का निर्माण एवं नहर पर बने क्षतिग्रस्त पुलिया का मरम्मत या फिर नवीन निर्माण करवाने की मांग की है।

पुलिया कभी भी ढह सकता है, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि चिचगांव से नवेगांव, चिखलाबर्डी, सोनेवानी पहुंच मार्ग क%चा है और गत दिवस से हो रही बारिश के कारण सड़क पुरी तरह से खराब हो चुकी है। साथ ही टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय से निकली माईनर नहर पर बना पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिसका विभाग के द्वारा अब तक कोई मरम्मत कार्य नहीं किया गया है। जिसके कारण पुलिया की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि यदि समय रहते क्षतिग्रस्त पुलिया का मरम्मत कार्य नहीं किया गया तो किसी भी समय पुलिया टूटकर ढह जायेगा। ऐसी स्थिति में वनग्राम चिखलाबर्ड़ी, सोनेवानी के ग्रामीणजनों के साथ ही वन्यप्राणियों का दीदार करने जाने वाले पर्यटकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही सड़क खराब होने के कारण वनग्राम के ग्रामीणों, स्कूल पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं, शिक्षकगण एवं वनकर्मियों को आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दो पूर्व पूर्व लाखों रूपयों की लागत से नहर का सीमेन्टीकरण कार्य किया गया है परन्तु पुलिया का नवीन निर्माण ठेकेदार के द्वारा नही किया गया है। जिसके कारण पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका है जो किसी भी समय बड़े व छोटे वाहनों के गुजरते ही टुट जायेगा क्योंकि इस पुलिया के ऊपर से जंगल के अंदर से लकड़ी व बांस से भरे ट्रक का आवागमन होता है। वहीं सड़क खराब होने एवं क्षतिग्रस्त पुलिया का मरम्मत या नवीन पुलिया का निर्माण करवाये जाने के संबंध में कई बार संबंधित विभाग को भी अवगत करवा दिया गया है परन्तु जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। वहीं जल संसाधन विभाग के ईई उदयसिंह परस्ते से चिचगांव से चिखलाबर्ड्डी-सोनेवानी पहुंच मार्ग के बीच से गुजरी सर्राटी जलाशय माइनर नहर के ऊपर बने क्षतिग्रस्त पुलिया का नवीन निर्माण करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

क्षतिग्रस्त पुलिया दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण - प्रेमीलाल

प्रेमीलाल पारधी ने बताया कि बारिश होने से चिचगांव से सोनेवानी पहुंच मार्ग खराब हो चुकी है एवं जगह-जगह गड्डे बन चुके है और सड़क कीचड़ में तब्दील हो चुकी है। साथ ही इस मार्ग के बीच से गुजरी नहर पर बना पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो चुका है। जिसके कारण आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री पारधी ने बताया कि इस मार्ग से वनग्राम के ग्रामीणजन एवं पर्यटक भी आना-जाना करते है और सड़क खराब एवं नहर के ऊपर बना पुलिया क्षतिग्रस्त होने से आने-जाने में हो रही परेशानियों से विभाग को अवगत करवा दिया गया है। लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है एवं क्षतिग्रस्त पुलिया दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि जल्द सड़क एवं पुलिया का नवीन निर्माण करवाये।

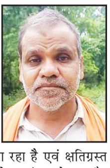

बेहरई में भक्तिभाव के साथ मनाया गया भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर शनिवार को शुभ मुहुर्त पर अपने-अपने घरों में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापना कर श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस दिन-रात के पर्व के अवसर पर श्रध्दालुओं के द्वारा नंदलाला श्री कृष्ण की विधि-विधान से पूजा अर्चन कर ग्राम की सुख-समृध्दि के लिए प्रार्थना की गई। जिसके बाद रविवार की शाम में सभी श्रध्दालुजन अपने-अपने घरों से प्रतिमा लेकर ग्राम के चौक में एकत्रित हुए जिसके बाद बैडबाजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण के भक्तजनों के द्वारा नृत्य भी किया गया। यह शोभायात्रा ग्राम का भ्रमण करते हुए ग्राम के समीप से गुजरी नहर पहुंची। जहां भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना एवं आरती कर विधिपूर्वक प्रतिमा का विसर्जन किया गया और सभी ने एक-दुसरे को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी। चर्चा में श्रध्दालुओं ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव भक्तिभाव के साथ मनाया गया है। जिसमें शनिवार को विधि-विधान से पूजा अर्चना कर भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापना कर दिन-रात आराधना की गई एवं रात्रि में भजन-कीर्तन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। साथ ही यह भी बताया कि रविवार की शाम में शोभायात्रा निकालकर नहर में प्रतिमा विसर्जित कर पर्व का समापन किया गया। भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना करते है कि सभी के जीवन में हमेशा खुशहाली बनाये रखे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

बकोड़ा पीएमश्री हाई स्कूल में मनाया गया श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व

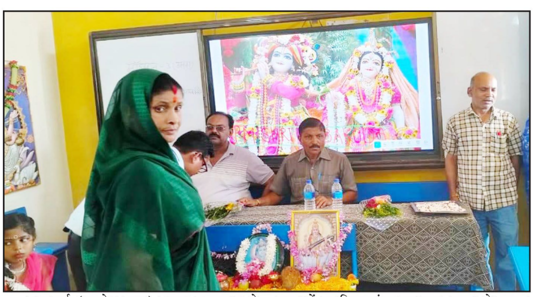

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा स्थित पीएम श्री शासकीय हाई स्कूल में शासन के निर्देशानुसार गत दिवस श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम स्कूल प्राचार्य एवं शिक्षकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने भगवान श्रीकृष्ण के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया तत्पश्चात श्रीकृष्ण, राधा के रूप में विराजित छात्राओं का तिलकवंदन कर फूल-माला से स्वागत करते हुए पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किये। वहीं इस श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। साथ ही गांव की महिला मंडल समिति के द्वारा भगवान बांके बिहारी नंदलाला के जीवन पर आधारित संगीतमय भजनों की प्रस्तुतियां भी दिये एवं अंत में आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गढ़वाल समाज मंगल भवन में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित गढ़वाल समाज मंगल भवन में ब्लाक स्तरीय गढ़वाल समाज के द्वारा गत दिवस स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह कार्यक्रम गढ़वाज समाज के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने तिरंगे झंडे की पूजा अर्चना किये तत्पश्चात समाज के वरिष्ठ ओमकार सिलेकर के द्वारा ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात तिरंगे झंडे को सलामी देकर सभी ने सामूहिक राष्ट्रगान का गायन किये। चर्चा में ब्लाक गढ़वाल समाज लालबर्रा के संरक्षक डीपी सिलेकर ने बताया कि गढ़वाल समाज मंगल भवन में गत दिवस स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ ओमकार सिलेकर के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। वहीं ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद संक्षित संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें देश के सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों सहित गढ़वाल समाज के 52 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का स्मरण कर श्रध्दा सुमन अर्पित किया गया। श्री सिलेकर ने बताया कि सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा करते हुए यह निर्णय लिया गया है कि कोरोना के समय से अवरूध्द सामाजिक कार्यक्रमों का पुन: संचालन 11 जनवरी 2026 को पूर्व की भांति नववर्ष मिलन समारोह से प्रारम्भ किया जायेगा। साथ ही आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर ब्लॉक स्तरीय गढ़वाल समाज के संयोजन में क्षेत्र के सभी मंडलों के सहयोग से संपन्न किया जाना प्रस्तावित किया गया। जिसके लिए लिखिराम हरिन्द्रवार अध्यक्ष ब्लॉक स्तरीय गढ़वाल समाज द्वारा शीघ्र ही बैठक आहुत की जायेगी। इस अवसर पर दीपलाल हरिन्द्रवार, ओमकार सिलेकर, लिखिराम हरिन्द्रवार, डी. पी. सिलेकर, प्रदीप सूर्यवंशी, ईश्वरी गोयल, स'जनसिंह ब्रम्हे, राजेंद्र गोयल, मोहित वराड़कर, राज सिलेकर, विश्वनाथ पंचेश्वर, श्रीमती मालती सिलेकर, श्रीमती शिवकुमारी परिमल, मीना नागेश्वर, सुशीला सिलेकर, अंजू ठाकरे, अनुसया बिसेन, जयश्री यादव सहित अन्य सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी को किया याद

अस्पताल पहुंचकर मरीजों से मुलाकात कर किये फल वितरित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित विश्राम गृह में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा 20 अगस्त को देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी की जयंती मनाई गई। यह कार्यक्रम ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर सहित कांग्रेस कमेटी के अन्य विंगों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थित कांग्रेसीजनों ने संचार क्रांति के जनक पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के छायाचित्र पर माला कर पूजन-अर्चन कर उन्हें याद किया एवं उनके बताये मार्गों पर चलने का संकल्प लिया। वहीं जयंती कार्यक्रम के बाद सभी कांग्रेसी नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनका हाल-जाना जाना और फल वितरित कर जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान कांग्रेसीजनों ने कहा कि देश को सुपर कम्प्यूटर देने वाले एवं संचार क्रांति के जनक स्व. राजीव गांधी जी हमारे प्रेरणास्त्रोत है जिनके बताये मार्गों का अनुशरण करते हुए संगठन को मजबूत करने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। साथ ही यह भी कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी जी ने अपने कार्यकाल में 21 वीं सदी का सपना संजोया था और आज जो हम टेक्नालॉजी देख रहे है, पूरे देश व विदेश को हम आज घर बैठे टेलीविजन के माध्यम से देख रहे है। उसकी शुरूआत स्व. राजीव गांधी जी ने की थी। चर्चा में ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि 20 अगस्त को लालबर्रा ब्लाक कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में आधुनिक संचार क्रांति के जनक पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती मनाई गई है। जिन्होने पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये, वे कम्प्यूटर व दूरसंचार क्रांति के जनक है। जिनका उपयोग आज हम लोग कर रहे है इसलिए सभी कांग्रेसीगणों से अपील है कि उनके बताये मार्ग पर चलकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने के साथ ही देशहित में काम करें। उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी के द्वारा देश में संचार की क्रांति लाई गई थी, 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर मताधिकार का अधिकार दिया गया था। जिससे युवा अपने मत का प्रयोग करके सरकार चुन सके और संपूर्ण देश में पंचायती राज लागू करवाया। साथ ही यह भी बताया कि इस पंचायतीराज के माध्यम से जनता को सरकार का भागीदार बनाने के साथ थी अन्य दूरदर्शी क्षेत्रों में काम किया गया है एवं स्व. राजीव गांधी ने अपने अल्प कार्यकाल में ही देश को विभिन्न सौगात दी, विभिन्न उपलब्धियां दिलवाई थी और उनकी मंशा थी कि देश विकसित हो, आगे बड़े, शिक्षित हो, गांव की जनता सरकार से जुड़ सके। कांग्रेस पार्टी आज भी उनके बताये मार्गों पर चलकर उनकी सोच को आगे बढ़ा रही है। आज उनकी जयंती मनाकर उन्हे याद कर हम सभी कांग्रेसियों ने संकल्प लिया है कि उनके बताये मार्ग चलकर पार्टी हित में काम करेगें। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, जिला महामंत्री ज्ञानचंद शर्मा, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, नितिन साखला, गोंविद पटले, सुनिल अवधिया, दीपक तोमर, रामनाथ सोनी, ओपी बिसेन, आशीष बिसेन, मुनेन्द्र ठाकरे, शैलेष केकती, सुमित स्वामी, पप्पू मर्सकोले, श्री साठोने एवं मुस्कान कटारे सहित अन्य कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

खमरिया क्षेत्र में बिजली कटौती से क्षेत्रीयजन परेशान

विद्युत विभाग से विद्युत कटौती बंद कर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग की

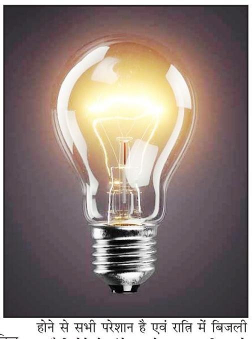

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बार-बार बिजली कटौती होने से क्षेत्रीयजन खासा परेशान है और रात्रि में बिजली गुल रहने पर ग्रामीणजनों को अंधेरे में रात गुजारनी पड़ती है और रात्रि में अंधेरा रहने पर जहरीले कीड़े-मकोडे के काटने का डर बना हुआ है। जिससे ग्रामीणजन परेशान है, साथ ही दिन में भी किसी भी समय बिजली कटौती कर दी जाती है, ऐसी स्थिति में जिन लोगों के ऑनलाईन से जुड़े काम है वह प्रभावित हो रहा है। साथ ही लो-वोल्टेज कम-ज्यादा होने पर विद्युत उपकरण भी खराब हो रहे है, जिससे सभी परेशान है। वहीं बिजली कटौती की समस्या के संबंध में कई बार विद्युत विभाग को अवगत करवा दिया गया है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है जिससे क्षेत्रीयजन परेशान है। चर्चा में खमरिया क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने बताया कि खमरिया में विद्युत विभाग का पावर हाउस स्थित है उसके बाद भी खमरिया सहित ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी समय बिजली कटौती कर दी जाती है, साथ ही लो-वोल्टेज की समस्या बनी रहती है। ऐसी स्थिति में सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही यह भी बताया कि बिजली कटौती का कोई निश्चित समय नही है, किसी भी समय लंबे समय के लिए बिजली कटौती कर दी जाती है और बार-बार बिजली कटौती होने से सभी परेशान है एवं रात्रि में बिजली कटौती होने से अंधेरा रहने पर बाहर निकलने पर डर लगता है क्योंकि वर्तमान में बरसात का समय चल रहा है, अगर कोई बाहर निकलते है तो जहरीले कीड़े-मकोड़े के काटने का डर बना रहता हैं। साथ ही लंबे समय से बिजली कटौती व लो-वोल्टेज की समस्या से विद्युत विभाग को अवगत करवा चुके है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नही दे रहे है, जिससे क्षेत्रीयजन खासा परेशान है। खमरिया क्षेत्र के क्षेत्रीयजनों ने विद्युत विभाग से विद्युत पोलों व ट्रांसफार्मर में अगर तकनीकी खराबी आई है तो उसमें सुधार कर नियमित रूप से बिजली प्रदाय करने की मांग की है।

कोस्ते वासी नल जल योजना से त्रस्त

३ दिनों ग्रामवासियो को नहीं मिल रहा हैं पानी

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोस्ते में तीन दिनों से नल जल योजना पूरी तरह बंद पड़ी हुई है। जहां पर पानी के लिए ग्राम के लोगों को भटकना पड़ रहा है तो वहीं कई प्रकार की समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान देखने में आ रहा है कि नल जल योजना पानी की टंकी बंद पड़ी हुई है जहां पर सफाई करने का हवाला दिया जा रहा है। किंतु कब तक यह पानी ग्रामीणों को मिल पाएगा इसकी भी कोई जानकारी नहीं दी जा रही है। जबकि बीते एक महीने से नल जल योजना के माध्यम से गंदा पानी वितरण किया जा रहा था। ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा पंचायत पर पानी टंकी की साफ सफाई को लेकर आरोप लगाया जा रहा है कि लंबे समय से पंचायत के द्वारा साफ सफाई नहीं करवाई गई है। जिसका परिणाम है कि टंकी के अंदर गंदगी का अंबार हो गया है। इसी से यह मिट्टी युक्त गंदा पानी पीने के लिए बीते करीब १ महीने से वितरण किया जा रहा था। तो वहीं ग्राम के अंदर हैंडपंप और कुएँ की भी स्थिति बहुत खराब है जहां पर पीने योग्य पानी बहुत कम स्थान पर प्राप्त हो पा रहा है। ऐसे में ग्राम के लोगों को लंबा सफर तय कर पानी लाना पड़ रहा है। वहीं ऐसे परिवार जिनके घर ट्यूबवेल है उनसे पानी ग्राम के अन्य लोग ले रहे हैं। वर्तमान में सबसे ज्यादा समस्या पीने के पानी की है जो कई स्थानों से पर्याप्त रूप से नहीं मिल पा रहा है। ग्राम में कई हैंड पंप स्थित है जिनका समय समय पर सुधार कार्य नहीं किया गया है जिससे वह भी बंद पड़े हुए है। कुछ चालू है तो वह जंग युक्त पानी फेंक रहे हैं जो पीने योग्य नहीं है कुछ ही हैंडपंप से अच्छा पानी निकल रहा है। वहीं ग्राम के अंदर विभिन्न स्थान पर कुएँ भी है जिनमें आज तक किसी प्रकार की दवा का छिड़काव भी नहीं किया गया है जिससे अंदर में झाड़ियां हो गई है। इस प्रकार की स्थिति के कारण सबसे ज्यादा समस्या नल जल योजना पर निर्भर लोगों के सामने बनी हुई है। पंचायत की नल जल योजना के माध्यम से पिछले एक महीने से लोगों को गंदा पानी वितरण किया गया जिसमें काफी हाहाकार के बाद नल जल योजना की टंकी का निरीक्षण किया गया। जिसमें मिट्टी का अंबार लगा हुआ था यह देख ग्रामीणों के द्वारा पंचायत पर काफी आक्रोश व्यक्त किया गया। वहीं पंचायत पर बीते गरीब ३ वर्षों से पानी टंकी की साफ सफाई नहीं करने का आरोप लगाया गया हैं। लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है ग्रामीणों के द्वारा जल्द समस्या का समाधान कर घरों के नालों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है।

ग्राम में पीने के पानी की सबसे बड़ी समस्या बनी हुई है-आनंद पटले

ग्रामीण आनंद पटले ने बताया कि हमारे ग्राम में नल जल योजना के माध्यम से अधिकांश लोगों को पानी दिया जाता है। जिसमें पिछले एक महीने से गंदा पानी आ रहा था जिसकी अनेको बार शिकायत की गई किंतु कोई ध्यान नहीं दिया गया। बीते तीन दिनों से सफाई के नाम पर योजना बंद कर दी गई है कब तक पानी देना प्रारंभ किया जाएगा यह भी स्पष्ट नहीं बताया गया है। बहुत बुरी स्थिति है हैंडपंप कुएँ से पानी लाने जा रहे हैं परंतु वहां भी बारिश के कारण गंदा पानी आ रहा है पीने के पानी की सबसे बड़ी समस्या है। पंचायत को अतिशीघ्र व्यवस्था बनानी चाहिए।

इनका कहना हैं

चर्चा में बताया कि नल जल योजना का पानी पाइपलाइन के माध्यम से जाता है। जिससे गांव के कुछ क्षेत्र में स्वच्छ पानी तो कुछ क्षेत्र में गंदा पानी जा रहा था। हमें जैसे ही शिकायत मिली तो नाली साफकरवाई गई किंतु उससे भी कोई फर्क नहीं पड़ा। तो पूरी टंकी की साफ सफाई करवाई जा रही है अंदर मिट्टी जमा है उसे निकाल रहे हैं। साफ सफाई हमारे द्वारा टंकी की हर वर्ष की जाती है अभी तीन दिनों से पानी बंद है और दो.तीन दिनों में जल्द ही पानी वितरण प्रारंभ कर दिया जायेगा।

कमलसिंह वल्के
पंचायत सचिव ग्राम कोस्ते

शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

मामला रेल्वे गेट कीपर से ड्यूटी के दौरान मारपीट का

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत शेरपार की रेल्वे फाटक पर कार्यरत गेट कीपर राकेश कुमार मेश्राम के साथ ड्यूटी के दौरान मारपीट के मामले में पुलिस ने २० अगस्त को राहुल डहरवाल, महेश पटले, भव्य पटले को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी राकेश कुमार मेश्राम जो खरखडी थाना खैरलांजी का रहने वाला है। जो दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे वरिष्ठ अनुभाग अभियंता रेलपथ बालाघाट के अंतर्गत स्थित समपार फाटक क्रमांक बी के ५२ शेरपार में २८ जुलाई की शाम ६ बजे से सुबह ६ बजे तक गेट कीपर की ड्युटि में था। उस दौरान करीब ८.३५ बजे गाड़ी क्रमांक ६८११ के आने की सूचना मिलने पर मेरे द्वारा गेट बंद किया गया। गाड़ी पास होने पर जब गेट खोला गया तब वारासिवनी साईड का गेट बुम खुल गया। किंतु कटंगी साईड का बुम नही खुला फिर प्रार्थी ने देखने पर पाया गया कि एक व्यक्ति राहुल डहरवाल पिता अशोक डहरवाल निवासी शेरपुर जो गेट बुम पर बैठा हुआ है। उनसे उतरने को कहा तो राहुल डहरवाल एंव उनके दो और साथियों के द्वारा प्रार्थी को अश्लील गालियां दी गई मना किया तो उन्होंने मारपीट कर दिया। यह समपार फाटक की ड्यूटि सेफ्टी से संबधित है उसके द्वारा अपने शासकीय कार्य के निर्वहन में उक्त तीनो व्यक्तियों के द्वारा बाधा उत्पन्न कर मारपीट की थी। जिसमें राहुल डहरवाल निवासी शेरपार एंव उसके दो साथियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया था। इसके बाद उक्त आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी जिसमें २० अगस्त को पुलिस ने राहुल उर्फ टोपेंद्र पिता अशोक डहरवाल उम्र २७ वर्ष, महेश पिता पीतमलाल पटले उम्र ३७ वर्ष, भव्य पिता खिलेंद्र पटले उम्र २६ वर्ष तीनों निवासी ग्राम शेरपार को गिरफ्तार कर बालाघाट विशेष न्यायाधीश एसटी एससी एक्ट की अदालत में पेश किया गया।

जनसंपर्क कार्यालय में कांग्रेसियो ने मनाई स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। विधायक जनसंपर्क कार्यालय में बुधवार को कांग्रेसियो ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती मनाई गई। कांग्रेसियों के द्वारा सर्वप्रथम स्वर्गीय राजीव गांधी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर राजीव गांधी अमर रहें नारे लगाएं। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने अपने उद्बोधन में स्वर्गीय राजीव गाँधी के जीवन के बारे में सभी को बताया। वहीं उन्होंने स्वर्गीय राजीव गांधी की नीतियों और आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। स्वर्गीय राजीव गांधी की कर्मभूमि अमेठी रही है वहाँ की जनता उन्हें स्नेह और सम्मान से याद करती है। विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने मतदान के लिए २१ वर्ष से १८ वर्ष की आयु करना, पंचायती राज को मजबूत करना, दूर संचार और आईटी क्रांति, कंप्यूटरीकरण कार्यक्रम, निरंतर शांति समझौते, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा पर जोर देने वाली नई शिक्षा नीति जैसे राजीव गांधी ने अभूतपुर कदम देश के लिए परिवर्तनकारी बदलाव लेकर आए। राजीव गांधी जानते थे कि भारत का भविष्य उसके युवा है और उन्होंने मतदान की न्यूनतम आयु २१ वर्ष से घटाकर १८ वर्ष का रहने का निर्णय लिया था। वारासिवनी में जवाहर नवोदय विद्यालय स्वर्गीय राजीव गाँधी की देन है। आज हम भी हमारे देश की अखंडता के लिए उनके द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद करते है। उन्होंने आधुनिकता तकनीक और समावेश का विभाजन दिखाकर भारत की अर्थव्यवस्था को आकार दिया। एक असाधारण नेता जिन्होंने लाखों लोगों में आशा की किरण जगाई और भारत को २१ वीं सदी में पहुंचाया। भारत के लिए उनके अनगिनत उपलब्धियां राजीव गांधी की विरासत का प्रतीक है। इस दौरान पूर्व नपा अध्यक्ष धवल मॉडल, शाहिद खान, जेसराज पारधी, जीतू राजपुत, गुड्डु सोनी, विवेक जुझार, रामकिशोर बिसेन, राजकुमार चौधरी, सत्तू बिसेन, राहुल अरोरा, प्रणय धार्मिक, हरि क्षिरसागर, संदेश बिसेन, सुधीर पात्रे, आंनद डोंगरे सहित अन्य कांग्रेसीगण मौजूद रहे।

जन आजीविका शॉपिंग केंद्र के प्रारंभ होने से महिलाओं को आर्थिक उन्नति से मिलेगी नई दिशा-प्रदीप जायसवाल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर पालिका परिषद के द्वारा नवाचार करते हुए जन आजीविका शापिंग केंद्र का शुभारंभ पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे की मौजूदगी में किया गया। इस अवसर पर स्व सहायता समूहों की उत्पाद प्रदर्शनी एवं विक्रय का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना तथा उनके उत्पादों को स्थानीय व व्यापक बाजार उपलब्ध कराना है। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की इस पहल से ग्रामीण व शहरी महिलाओं को ना केवल आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा। बल्कि उन्हें अपने खादय पदार्थ बनाने के हुनर को रोजगार एवं आय के साधन में परिवर्तित करने का भी मंच मिलेगा। इसके माध्यम से महिला सशक्तिकरण, उद्यमिता विकास और आर्थिक उन्नति को नई दिशा मिलेगी। श्री जायसवाल ने कहा की दैनिक जीवन में उपयोगी व पौष्टिक खादय सामग्री के लिये मार्केटिंग भी बेहद जरूरी होती है। इसलिये हमने बस स्टैड में जन आजीविका शापिंग केन्द्र की शुरूवात की है। जिसका संचालन तेजस्वनी क्षेत्र स्तरीय महिला मंडल के द्वारा किया जा रहा है। तेजस्वनी क्षेत्र स्तरीय महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती छाया राहंगडाले ने बताया की उनके नेत्रत्व में १६ समूह की महिलाओं ने पौष्टिक व शुद्धतापूर्ण खादय पदार्थो को विक्रय करने की शुरूवात इस जन आजीविका शापिंग केन्द्र से की है। जिसमें तरह तरह के अचार, ज्वार व बाजरे का आटा, गाय के शुद्व दूध की गुझिया, शुद्व मिठाईयां शामिल है। समूह की महिलाओं के द्वारा निर्मित खादय पदार्थ में किसी भी प्रकार की मिलावट नही होती है। अचार तक में हम सिरका की जगह लहसुन का अधिक स्तेमाल करते है। साथ ही कच्चे घानी का सरसो तेल का उपयोग हमारे प्रोडक्ट को स्वास्थ्यवर्धक व पौष्टिकता प्रदान करता है। हमारे समूह ने वारासिवनी व बालाघाट के सामूहिक विवाह में भोजन प्रदान करने का कार्य कुशलता के साथ किया है। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दादरे, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्य प्रकाश उके, राजदीप तुरकने, हितेश हलमारे, श्रीमती छाया राहंगडाले, आरती पटले, वैशाली पटले, शीतल मेश्राम, सुषमा कटरे सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा की बैठक सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कक्ष में प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक प्रांतीय संगठन मंत्री एस एस गंगेले, जिला अध्यक्ष अशोक मिश्रा सहित अन्य अतिथियों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें पेंशनर साथियों को आ रही विभिन्न समस्याओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। वहीं प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन शाखा वारासिवनी की कार्यकारिणी गठन का भी निर्णय लिया गया। जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष सोहनलाल डोहरे, कार्यकारी अध्यक्ष डी सी डहरवाल, उपाध्यक्ष अशोक शुक्ला, दसाराम पटले, शिवपाल चौधरी, किशोर कुमार पांडे, उम्मेद आड़े, सचिव अनंतराम बरेवार, सहसचिव जीवनलाल मंडलेकर, कोषाध्यक्ष मनोहर बोकडे सहित अन्य पदों के लिए चयन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पेंशनर मौजूद रहे।

जिला स्तरीय शिक्षक संगोष्ठी में धन्नालाल बिसेन प्रथम

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। शासकीय उत्कृष्ट उच्च. माध्य. विद्यालय बालाघाट में आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक संगोष्ठी में शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य स्तरीय शिक्षक संगोष्ठी हेतु अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। इस संगोष्ठी में कुल १८ शिक्षक शिक्षिकाओं ने सहभागिता की थी। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त शिक्षक धन्नालाल बिसेन और शिक्षिका रीना श्रीवास्तव ३० अगस्त को राज्य स्तरीय शिक्षक संगोष्ठी में सहभागिता करेंगे। शिक्षक की इस उपलब्धि पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी वीरेंद्र बनोटे, बी आर सी सतेंद्र शरणागत, संकुल प्राचार्य एन के डहाटे, साक्षर भारत के ब्लॉक समन्यवयक भोजराज पटले, जनशिक्षक रोशनलाल नगपुरे, अरविंद खोब्रागढ़े, संस्था प्रमुख सविता रिनायत, रूपसिंह उइके, अरविंद पारधी, राकेश वर्मा, प्रमोद पारधी, कमल टेंभरे, उत्तमदास मेश्राम, योगेश राहंगडाले, ललित पटले, रविन्द्र बिसेन, रतनलाल बिरनवार, संतोष बानेवार, मनोहर अमूले, नरेंद्र राहंगडाले, राजेश तुरकर, संजय मेश्राम, शशिकुमार गुर्देकर सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं सहित ग्राम पंचायत नरोड़ी की सरपंच रेखा कैलाश राणा, पूर्व सरपंच शारदा प्रसाद शिव, रामेश्वर सोनवाने, ओमप्रकाश ठाकरे सहित सभी ग्रामीणजनों ने बधाई प्रेषित की है।

लालपुर निवासी भरतलाल राऊत का निधन से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त

अमई/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत ग्राम लालपुर निवासी भरतलाल राऊत ७५ वर्षीय का मंगलवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। स्व. भरतलाल राऊत, सूरतलाल राऊत के बड़े भाई व संजय राऊत के बड़े पिता थे। वे अपने सरल स्वभाव और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण सभी के बीच सम्मानित स्थान रखते थे। उनके निधन को परिवार एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है। स्व. भरतलाल राऊत अपने पीछे पत्नी, दो पुत्रियां सहित नाती, पोतियां को छोड़कर चले गए। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मोक्षधाम में किया गया। जहां ग्राम पंचायत लालपुर के उपसरपंच तिलकचंद कटरे, सदाराम नेवारे, मोहनसिंह गौतम, पूर्व उपसरपंच मनोज मिश्रा, भरतलाल सहारे, बुधराम नेवारे, मेहतरलाल राऊत, संजय पटले, रिंकु नगपुरे, यशवंत गौतम, राजेंद्र चौधरी, ओमकार बोपचे, रामदयाल मेश्राम, तूफान बोपचे, भुवन चौधरी सहित अन्य नाते रिश्तेदारों ने उपस्थित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मातृ शक्ति- स्वतंत्रता की जननी

भारत की सभ्यता का आधार हमेशा से स्वतंत्रता और मातृ शक्ति का संगम रहा है। यहाँ स्वतंत्रता का अर्थ केवल राजनीतिक बंधनों से मुक्ति नहीं, यह आत्मा की गरिमा, विचारों की स्वाधीनता और कर्म की स्वतंत्रता से है। मातृ शक्ति केवल जननी के रूप में स्त्री को परिभाषित नहीं करती बल्कि वह आदर्श है जो पालन-पोषण, संरक्षण, प्रेरणा और नेतृत्व का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में यह विश्वास गहराई से रचा-बसा है कि जिस समाज में स्त्री स्वतंत्र और सशक्त होती है, वही समाज स्थायी और प्रगतिशील बनता है। प्राचीन भारत के इतिहास में हम देखते हैं कि स्वतंत्रता और मातृ शक्ति, दोनों ही समानांतर धाराओं की तरह प्रवाहित होती रही हैं। वेदों में 'नारी नारायणी' की अवधारणा केवल धार्मिक भाव नहीं, सामाजिक संरचना का आधार है। गार्गी, मैत्रेयी, अपाला जैसी विदुषियों ने वैदिक सभाओं में अपनी विद्वता से पुरुषों को भी चुनौती दी। इनकी स्वतंत्रता केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं थी, यह विचारों की उड़ान, आत्मनिर्भरता और समाज-निर्माण के कार्यों में खुली भागीदारी थी। यह वही संस्कृति थी जिसने माता सीता के त्याग, माता अन्नपूर्णा के पोषण और दुर्गा की वीरता को समान सम्मान दिया। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में भी मातृ शक्ति ने ऐसी मिसालें पेश की, जो इतिहास के पन्नों पर अमर हो गईं। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी तलवार से ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी, तो मातंगिनी हाजरा ने असहयोग आंदोलन में अपनी प्राण आहुति दी। सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली जैसी नेताओं ने यह सिद्ध किया कि स्वतंत्रता की लड़ाई में स्त्री केवल सहायक शक्ति नहीं, नेतृत्वकारी शक्ति भी हो सकती है। इन महिलाओं ने राष्ट्र को यह संदेश दिया कि स्वतंत्रता का सपना तब तक अधूरा है जब तक स्त्री अपने अधिकार, गरिमा और आत्मनिर्भरता में स्वतंत्र न हो। भारतीय संस्कृति में मातृ शक्ति का स्वरूप केवल वीरांगना या विदुषी तक सीमित नहीं है, वह उस मौन शक्ति का भी प्रतिनिधित्व करती है जो पीढ़ियों को संस्कार देती है। माँ के हाथ की रोटी में जितनी ऊर्जा है, उतनी ही उसकी गोद में पलते हुए बच्चों के मन में राष्ट्र के लिए प्रेम और त्याग की प्रेरणा है। यही कारण है कि भारत माता को भी एक जीवंत रूप में पूजा गया, क्योंकि यहाँ भूमि केवल भूगोल नहीं, एक माँ है जो अपनी संतानों को समान अधिकार, समान स्नेह और समान अवसर देती है। आज के समय में जब हम स्वतंत्रता की 79 वर्षों की यात्रा तय कर चुके हैं, तब इस विरासत को और गहराई से समझने की आवश्यकता है। स्वतंत्रता शासन बदलने से नहीं आती, वह तब सार्थक होती है जब हर नागरिक, विशेषकर हर स्त्री, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा के अवसरों में स्वतंत्र हो। भारतीय संस्कृति में 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता' का संदेश हमें बार-बार याद दिलाता है कि जिस समाज में स्त्री का सम्मान और उसकी स्वतंत्रता सुनिश्चित हो, वहाँ समृद्धि और शांति स्थायी होती है। मातृ शक्ति का सशक्त होना केवल स्त्रियों का व्यक्तिगत अधिकार नहीं, राष्ट्र की सामूहिक आवश्यकता है। एक शिक्षित और आत्मनिर्भर माँ अपने परिवार को ही नहीं, पूरे समाज को दिशा देती है। यह वह शक्ति है जो बच्चों के मन में स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का संस्कार बोती है। और जब यह संस्कार पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ते हैं, तब स्वतंत्रता की रक्षा केवल कानून या सेनाओं से नहीं, जनमानस के चरित्र से होती है। हमारे संस्कार हमें यह भी सिखाते हैं कि स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। जैसे माँ अपने बच्चों को अनुशासन और स्वतंत्रता के संतुलन के साथ पालती है, वैसे ही एक राष्ट्र को भी स्वतंत्रता के साथ कर्तव्य का संतुलन बनाए रखना होता है। यह संतुलन तभी संभव है जब मातृ शक्ति को समाज में समान अवसर, सम्मान और निर्णय-निर्माण में भागीदारी मिले। भारतीय संस्कृति में देवी दुर्गा के नौ रूप शक्ति के विविध पहलुओं का प्रतिनिधित्व करते हैं ये साहस, करुणा, बुद्धि, संरक्षण, सृजन, पालन, विनाश, अनुशासन और संतुलन। यही नौ गुण मातृ शक्ति के आधार हैं, और यही स्वतंत्रता के भी रक्षक हैं।

आतंकवाद के पीड़ितों निर्दोष लोगों के प्रति स्मृति और श्रद्धांजलि

आतंकवाद के पीडितों की स्मृति और श्रद्धांजलि का अंतर्राष्ट्रीय दिवस 21 अगस्त, 2025 को मनाया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह दिन आतंकवाद से प्रभावित लोगों को सम्मान और श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ उनके मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए समर्पित है। इसे विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के रूप में भी जाना जाता है। यह दिन उन लोगों को याद करने और करुणा और लचीलेपन को बढ़ावा देने वाले कार्यों के माध्यम से पीड़ितों का समर्थन करने के लिए मनाया जाता है।26 नवंबर, 2008 को, दस आतंकवादियों ने मुंबई में घातक हमले किए, जिनमें 166 लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हुए। सुरक्षा बलों ने 29 नवंबर, 2008 को हमलावरों को मार गिराया। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा ने इस हमले को अंजाम दिया था, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 160 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। यह हमला 9/11 के बाद सबसे घातक और बेशर्म आतंकवादी घटना थी। तब और अब, दोनों ही समय, लश्कर-ए-तैयबा को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों और अल-कायदा का समर्थन प्राप्त है। अपनी पुस्तक, *अवॉइडिंग आर्मागेडन- अमेरिका, इंडिया, एंड पाकिस्तान टू द ब्रिंक एंड बैक* पर काम करते हुए, यह स्पष्ट हो गया कि मुंबई हमले की साजिश में एक तीसरा पक्ष गुप्त रूप से शामिल था- अल-कायदा। हालाँकि अल-कायदा ने अपनी गतिविधियों को गुप्त रखा, लेकिन उसने लश्कर-ए-तैयबा को हमले की योजना बनाने और लक्ष्य चुनने में मदद की। 26 नवंबर, 2008 को दस आतंकवादियों ने मुंबई में घातक हमले किए, जिसमें 166 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हुए। 29 नवंबर, 2008 को सुरक्षा बलों ने उन्हें पकड़ लिया। पाकिस्तानी आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा इस हमले के लिए ज़िम्मेदार था, जिसमें छह अमेरिकियों सहित 160 से ज़्यादा लोग मारे गए थे। यह 9/11 के बाद का सबसे घातक और सबसे निर्लज्ज आतंकवादी हमला था। तब और अब, दोनों समय, लश्कर-ए-तैयबा को पाकिस्तानी खुफ़िया एजेंसियों और अल-क़ायदा का समर्थन प्राप्त रहा है। लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचे अजमल कसाब को इस हफ़्ते भारत में उसकी संलिप्तता के लिए फांसी दे दी गई। उसने समूह में शामिल होने और विशेष रूप से इस ऑपरेशन के लिए पाकिस्तान स्थित इसके शिविरों में प्रशिक्षण लेने की बात कबूल की। उसने इस साजिश में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ नेतृत्व को भी शामिल किया था। लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और नेता हाफ़िज़ सईद पाकिस्तान में फ़रार है और अक्सर भारत, अमेरिका और इज़राइल के खिलाफ़ सार्वजनिक रूप से वकालत करता है। वह ड्रोन हमलों की निंदा करता है और पाकिस्तान से अमेरिका के साथ संबंध तोड़ने की माँग करता है। अल-कायदा को 2008 के हमले से बड़ी उम्मीदें थीं, उसे उम्मीद थी कि इससे भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष छिड़ जाएगा जो अफगानिस्तान में नाटो के अभियानों को बाधित कर सकता है और अल-कायदा पर ड्रोन हमलों में बाधा डाल सकता है। हालाँकि, भारत ने सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीति को चुना, और अंततः खतरा टल गया। सईद के समर्थकों में पाकिस्तानी सेना और उसकी खुफिया एजेंसी, आईएसआई शामिल हैं, जो लश्कर-ए-तैयबा के साथ मिलकर काम करती हैं। कसाब ने सीधे तौर पर आईएसआई पर मुंबई हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि उसने प्रशिक्षण और लक्ष्य चयन में मदद की थी। दो पाकिस्तानी प्रवासियों, अमेरिकी डेविड हेडली और कनाडाई तहव्वुर राणा ने भी अमेरिकी अदालतों में स्वीकार किया है कि उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा को मुंबई नरसंहार की योजना बनाने में मदद की थी और आईएसआई ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी। दोनों को दोषी ठहराया गया था, और हमले की तैयारी के लिए मुंबई की उनकी टोही यात्राओं का वित्तपोषण आईएसआई ने किया था। लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचे अजमल कसाब को इस सप्ताह भारत में उसके अपराधों के लिए फांसी दे दी गई। उसने समूह में शामिल होने और हमले के लिए पाकिस्तान स्थित उसके शिविरों में प्रशिक्षण प्राप्त करने की बात स्वीकार की। उसने इस ऑपरेशन की योजना बनाने में लश्कर-ए-तैयबा के वरिष्ठ नेतृत्व को भी शामिल किया। लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और नेता हाफिज सईद अभी भी पाकिस्तान में फरार है और बड़ी-बड़ी रैलियों में भारत, अमेरिका और इज़राइल की खुलकर आलोचना करता रहता है। वह ड्रोन हमलों की निंदा करता है और पाकिस्तान से अमेरिका से संबंध तोड़ने का आह्वान करता है। पिछले वर्ष सील्स द्वारा अल-कायदा नेता को फांसी दिए जाने के बाद सईद ने उसे इस्लाम का नायक बताया था।सवाल यह है कि यह कब तक चलता रहेगा? देश की संप्रभुता सर्वोपरि है। जब तक सेना को पूर्ण अधिकार नहीं मिल जाते, लोग मारे जाते रहेंगे। इस क्रूरता की जितनी भी निंदा की जाए कम है, क्योंकि आतंकवाद न तो किसी धर्म, न ही नियम या कानून को जानता है। ये समूह निर्दोष नागरिकों या बड़े पैमाने पर समाज को निशाना बनाकर सरकार पर अपनी माँगें मनवाने और हर जगह आतंक फैलाने का दबाव बनाते हैं। उनके लक्ष्य बहुत स्पष्ट हैं—वे केवल वही स्वीकार करते हैं जो वे पूरा करवाना चाहते हैं। यह मानवता के लिए एक बड़ा खतरा है। वे दोस्तों, परिवार, बच्चों, महिलाओं या बुजुर्गों को नुकसान पहुँचाने से नहीं हिचकिचाते। उनकी रणनीतियों में भीड़ पर बम गिराना, लोगों पर गोलीबारी करना, विमानों का अपहरण करना और अन्य आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होना शामिल है। 2008 से, लश्कर-ए-तैयबा पाकिस्तान में खुलेआम सक्रिय है और लगातार नए हमलों की साजिश रच रहा है। 2010 में, इसने नई दिल्ली में 19वें राष्ट्रमंडल खेलों पर एक बड़े हमले की योजना बनाई थी, लेकिन प्रभावी खुफिया जानकारी, खासकर ब्रिटिश एजेंसियों से मिली जानकारी के कारण, इस साजिश को नाकाम कर दिया गया। इस गर्मी में, भारतीय अधिकारियों ने लश्कर-ए-तैयबा के एक प्रमुख आतंकवादी, सैयद ज़बीउद्दीन अंसारी, उर्फ अबू जिंदाल को गिरफ्तार किया, जो सऊदी अरब में एक ठिकाने से एक और आतंकवादी हमले की योजना बना रहा था। अबू जिंदाल 2008 के मुंबई हमलों में भी शामिल था—वह कराची स्थित लश्कर-आईएसआई नियंत्रण कक्ष में था, जहाँ से आतंकवादियों को मोबाइल फोन के ज़रिए बंधकों, जिनमें अमेरिकी भी शामिल थे, की हत्या के आदेश मिलते थे। मंगलवार, 22 अप्रैल 2025 को दोपहर करीब 3 बजे पहलगाम के बैसरन में एक बड़ा आतंकवादी हमला हुआ। आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह को निशाना बनाया, जिसमें 30 से ज़्यादा लोग मारे गए। इसके अलावा, इस हमले में एक दर्जन से ज़्यादा लोग घायल हुए। आज, लश्कर-ए-तैयबा एक टाइम बम बना हुआ है जो फिर से हमला करने के लिए तैयार है। आतंकवादी संगठन टीआरएफ ने एक बयान जारी कर दावा किया कि यह हमला कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद, इलाके में गैर-स्थानीय बस्तियों के विरोध में किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के ऊपरी इलाकों में स्थित बैसरन घास के मैदानों में नागरिकों पर हुए सबसे घातक हमलों में से एक में, आतंकवादियों ने दो विदेशी पर्यटकों सहित कम से कम 27 लोगों की हत्या कर दी। अहम सवाल यह है कि यह कब तक चलता रहेगा? राष्ट्र सर्वोपरि है। जब तक सेना को खुली छूट नहीं दी जाती, निर्दोष लोगों की जान जाती रहेगी। ऐसी क्रूरता अक्षम्य है क्योंकि आतंकवादियों का कोई धर्म, नियम या कानून नहीं होता। वे निर्दोष व्यक्तियों और समाज को सिर्फ़ अपनी माँगें मनवाने के लिए सरकार पर दबाव बनाने और हर जगह भय फैलाने के लिए निशाना बनाते हैं। उनकी माँगें स्पष्ट हैं—वे सिर्फ़ अपने लक्ष्यों की पूर्ति चाहते हैं। वे मानवता के लिए एक बड़ा ख़तरा हैं, दोस्तों, परिवार, बच्चों, महिलाओं या बुज़ुर्गों के प्रति कोई दया नहीं दिखाते। उनका एकमात्र उद्देश्य नुकसान पहुँचाना है, चाहे वह भीड़ पर बम गिराकर हो, नागरिकों पर गोली चलाकर हो, विमानों का अपहरण करके हो, या अन्य आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देकर हो।

-संजय गोस्वामी

मैं सर्वश्रेष्ठ हूं, यह आत्मविश्वास है लेकिन मैं ही सर्वश्रेष्ठ हूं यह अहंकार

पृथ्वीलोक पर सृष्टि में सबसे बुद्धिमान जीव मानव की जब से उत्पत्ति या संरचना हुई है, रचनाकर्ता ने गुण अवगुण का पिटारा भी साथ में सृष्टि पर संलग्न कर दिया,इस सृष्टि पर सर्वश्रेष्ठ प्राणी मानव, अपनी बुद्धि कौशलता के आधार पर उस पिटारे में से चुनकर अपने जीवन यात्रा में सलंग्न करें,पिटारे में कई गुणों के रूप में अच्छाई, आत्मविश्वास, परोपकार, नम्रता, दीनता, शांतिप्रियता, मनोबल, उत्साह जैसे हजारों पुष्प और अवगुणों के रूप में अहंकार, दुष्टता, गुस्सा, मैं मैं, धोखा, कुटिलता, क्रोध, द्वेष, दुष्चक्र रूपी हजारों बेशर्म की पत्तियां समाहित है। साथियों बात अगर हम उस पिटारे में मानव द्वारा उठाए गए गुणों रूपी पुष्प, अवगुणों रूपी बेशर्म पत्तियों की करें तो एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं द्वद्व हजारों वर्ष पूर्व आदि-अनादि प्राचीन काल से ही हमें इन दोनों स्वरूपी मानव की चर्चा इतिहास में दर्ज पढ़ने को मिली है, जिसका भारतीय स्तरपर राम-रावण कृष्ण-कंस वैश्विक स्तरपर हिटलर, अनेक तानाशाह सहित अनेक हमारे सामने उदाहरण हैं जो आज तक के युग में भी आधुनिक मानव इसी तर्ज पर भी हैं और आगे भी होते रहेंगे,बस हम इस आर्टिकल द्वारा सीखना है कि उस पिटारे में से हमें पुष्प ही चुनकर लेनाहै न कि बेशर्म की पत्तियां हर उदाहरण में मेरा पक्ष सकारात्मकता की ओर है। साथियों बात अगर हम आज के विषय आत्मविश्वास और अहंकार की करें तो इन दोनों शब्दों में ही पिटारे के गुण- अवगुण का मूल समाया हुआ है सबसे पहले हम चर्चा आत्मविश्वास की करेंगे कि हर व्यक्ति को यह पुष्प उसके जीवन की सफ़लता के हर पड़ाव पर अत्यंत जरूरी है उसे सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए आत्मविश्वास उसकी सफ़लता की पहली सीढ़ी है जिसके सहारे वह आगे बढ़ने में सक्षम होगा। साथियों आत्मविश्वास मनुष्य के अंदर ही समाहित होता है। आपको इसे कहीं और अन्य जगह से लाने की जरूरत नहीं है। यह आपके अंदर ही है, बस जरूरत है अपने अंदर की आंतरिक शक्तियों को इकट्ठान कर अपने आत्मविश्वास को मजबूत करने की,वर्तमान समय में अगर हमें कुछ पाना है, किसी भी क्षेत्र में कुछ करके दिखाना है, जीवन को खुशी से जीना है, तो इन सबके लिए आत्मविश्वास का होना परम आवश्यक है। आत्मविश्वास में वह शक्ति है जिसके माध्यम से हम कुछ भी कर सकते है। आत्मविश्वास से हमारी संकल्प शक्ति बढ़ती है और संकल्प शक्ति से बढ़ती है हमारी आत्मिक शक्ति। साथियों बात अगर हम आत्मविश्वास के बल पर वैश्विक प्रसिद्ध महामानव द्वारा अपने विज़न की सफलताओं की करें तो, इसी आत्मविश्वास ने कोलंबस को अमेरिका की खोज़ में सहयोग दिया था। नेपोलियन ने इसी शक्ति से ओतप्रोत होकर अपने सेनापति से कहा था कि यदि आल्पस पर्वत हमारा मार्ग रोकता है तो वह नहीं रहेगा और सचमुच उस विशाल पर्वत को काटकर रास्ता बना लिया गया। महात्मा गांधी भी इस आत्मविश्वास के बल पर सत्य और अहिंसा के अस्त्र बनाकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। अंततः वे भारत माता की दासता रूपी बेड़ी को काटने में सफल रहे। साथियों अब्राहम लिंकन ने अथक प्रयास कर दासों को मालिकों के शिकंजे से मुक्त कराया। उन्होंने अपनी डायरी में लिखा था कि मैंने अपने ईश्वर को वचन दिया है कि दासों की मुक्ति का कार्य अवश्य पूरा करूंगा। इमर्सन का कथन है-संसार के सारे युद्धों में इतने लोग नहीं हारते, जितने कि सिर्फ घबराहट से। इसलिए अपने ऊपर विश्वास रखकर ही आप दुनिया में बड़े से बड़ा काम सहज ही कर सकते हो और अपना जीवन सफल बना सकते हो। साथियों आत्मविश्वास एक ऐसा मंत्र है, जिसके आगे सारे संकट दूर हो जाते हैं। दृढ़ इच्छाशक्ति वाले के सामने मुसीबतों का पहाड़ भी सपाट मैदान की तरह बन जाते हैं और जिनके पास इसकी कमी होती है वह छोटी-मोटी समस्याओं से भी इतने घबरा जाते हैं कि उससे बचने के उपाय ढूंढ़ते-ढूंढ़ते खुद ही अपने आस पास के लोगों के लिए मुसीबत बन जाते हैं। इतिहास गवाह है कि कई लोगों ने केवल अपने आंतरिक ताकत के बल पर ही साम्राज्य कायम किया, नहीं तो एक सामान्य से मुखिया के घर में पैदा हुआ चंद्रगुप्त मौर्य कभी सम्राट नहीं बनता। साथियों अगर हम इतिहासको खंगालें तो विश्व के अधिकांश महानतम व्यक्ति चाहे वो गांधी हों या फिर मार्क्स, सभी के जीवन की शुरुआत सधारण तरीके से हुई, कठिन परिस्थितियों से जूझते हुए उन्होंने अपने जीवन का सफ़र शुरू किया लेकिन आत्मविश्वास की दृढ़ता की वजह से ही कठिन चुनौतियों का सामना करते हुए वैश्विक मानव की श्रेणी में पहुंचे। साथियों बात अगर हम अहंकार की करें तो प्राचीन काल से लेकर आज तक के युग में जिसने भी अहंकार किया है या मैं मैं, मैं ही सर्वश्रेष्ठ हूं, मेरे जैसा कोई नहीं रूपी बेशर्म की पत्तियों का चुनाव किया है वह आखिर नष्ट हुआ है, यह अवगुण रूपी पिटारे की पत्तियां मानव को नष्ट कर डालती है, क्योंकि यह अवगुण मानव का शत्रु है जो किसी भी क्षेत्र में अपने आप को सर्वश्रेष्ठ समझकर और अहंकार करते हैं उनका विनाश हुआ है! अहंकार चूर चूर हुआ है, जो हमने रावण, कंस, हिटलर सहित आज के युग में भी अनेक मानव देखे हैं जिनका सब कुछ नष्ट हुआ है क्योंकि अहंकार की खाई रूपी फिसलन पर जिसने भी पैर रखा है वह उस खाई में फिसलता ही गया है,वह न केवल खुदको बल्कि अपने कुल, कुटुंब को भी इस खाई में धकेलकर बहा ले जाता है। साथियों बात अगर हम पिटारे से पुष्प उठाने के सकारात्मक फायदों की करें तो हम कितने भी सर्वश्रेष्ठ हो परंतु मैं मैं का भाव कभी अपने अंदर नहीं घुसने देना है! मानाकि तुम बहुत बड़े टॉप लेवल के अधिकारी, नेता, व्यवसाई, व्यापारी विधि विशेषज्ञ, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, तांत्रिक विशेषज्ञ या किसी भी क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञ हो तो भाव यह होना चाहिए कि आप यह सोचिए कि आप के मुकाबले दुनिया में कोई और तुमसे अच्छा जरूर होगा, और सिर्फ़ मैं तक सीमित होना है नकि केवल मैं ही और मैं मैं को अपने अंदर पनपने देना है, क्योंकि यहीं से अहंकार, घमंड की उत्पत्ति होती है जिससे अपने आप को बचाना है, क्योंकि अहंकार असफलताओं का वह घड़ा है जिसका भरकर फूटना तय है जबकि नम्रता, नींवांपन और शांतिप्रियता सफ़ल जीवन का मूल मंत्र है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किआत्मविश्वास बनाम अहंकार मैं सर्व श्रेष्ठ हूं यह आत्मविश्वास है, लेकिन सिर्फ मैं ही सर्वश्रेष्ठ हूं यह अहंकार है, अहंकार सफ़लताओं का वह घड़ा है जिसका भरकर फूटना तय है, नम्रता, नींवांपन, ईमानदारी और शांतिप्रियता सफ़ल जीवन के मूल मंत्र है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वरिष्ठजन हैं अनुभव की विरासत एवं भविष्य की शक्ति

अगस्त का महीना अनेक अंतर्राष्ट्रीय दिवसों की वजह से विशेष महत्व रखता है। युवा दिवस, मित्रता दिवस, हिरोशिमा दिवस, अंगदान दिवस, स्तनपान दिवस, आदिवासी दिवस, मच्छर दिवस, फोटोग्राफी दिवस, मानवीय दिवस आदि की तरह एक महत्वपूर्ण दिवस है-विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, जो हर वर्ष वृद्धों को समर्पित किया जाता है। यह दिन वरिष्ठ नागरिकों के स्वस्थ, सम्मानजनक और खुशहाल जीवन के लिए दुनियाभर में मनाया जाता है। इसकी आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि आधुनिक समाज में वृद्धपीढ़ी उपेक्षा, अवमानना और अकेलेपन का शिकार होती जा रही है। जिस पीढ़ी ने अपने खून-पसीने से परिवार और समाज की नींव रखी, वही पीढ़ी आज भावनात्मक रिक्तता और उदासी में जीने को विवश है। चेहरे पर झुर्रियां, आंखों में धुंधलापन, तन की थकान और मन की उदासी हमारी आधुनिक सोच और स्वार्थपूर्ण जीवनशैली की त्रासदी को बयां करते हैं।

भारत जैसे देश में, जहां माता-पिता और बुजुर्गों को भगवान समान माना गया, जहां श्रीराम ने पिता की आज्ञा से राजपाट त्याग दिया और श्रवणकुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराई, वहां आज संतान और बुजुर्ग माता-पिता के बीच दूरियां क्यों बढ़ रही हैं? क्यों वरिष्ठजन स्वयं को निरर्थक और अनुपयोगी समझने को विवश हैं? यह प्रश्न केवल परिवार के विघटन का नहीं है, यह नई पीढ़ी के संस्कार और समाज की आत्मा से भी जुड़ा है, यह नये समाज एवं नये राष्ट्र की आदर्श संरचना से भी जुड़ा है। वरिष्ठजन परिवार और समाज के लिए ताकत और सम्बल हुआ करते थे, वे जीवन को संवारने का सबसे बड़ा माध्यम थे। उनकी सूझ-बूझ, अनुभव और ज्ञान की संपदा समाज के लिए अमूल्य थी। फिर भी क्यों हम उनकी उपेक्षा कर रहे हैं? क्यों उनके अनुभवों का उपयोग करने से कतराते हैं? इस विडंबना को समझने के लिए हमें यह मानना होगा कि उपेक्षा का यह गलत प्रवाह केवल बुजुर्गों को ही नहीं, बल्कि पीढ़ियों के बीच भावनात्मक दूरी और संवेदना की कमी को भी बढ़ा रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी तरह बढ़ती रही तो परिवार और समाज अपनी नैतिक जिम्मेदारी से विमुख हो जाएंगे। नई और पुरानी पीढ़ी के बीच संवाद और

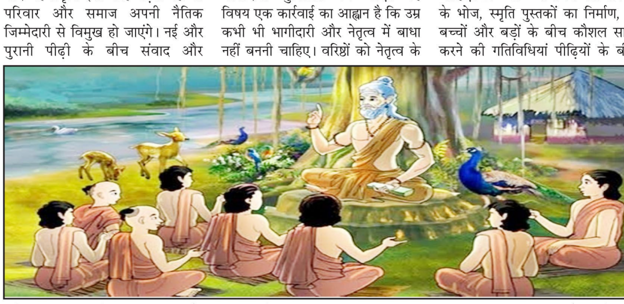

संवेदनशीलता का सेतु टूट जाएगा और यह स्थिति किसी भी दृष्टि से हितकर नहीं है। जरूरत इस बात की है कि वरिष्ठजनों को उनके अंतिम पढ़ाव में मानसिक शांति और सम्मान का माहौल मिले, वृद्धजन को भार नहीं, आभार माने, वृद्धों को बंधन के रूप में नहीं, आत्मगौरव के रूप में स्वीकारें, वृद्धों की शाम उदासी नहीं, उमंग का माध्यम बने।

वरिष्ठ नागरिक दिवस इसी चेतना को जगाने का अवसर है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि हमें बुजुर्गों के ज्ञान, अनुभव और निरंतर योगदान की सराहना करनी चाहिए। 2025 में यह विशेष दिवस 21 अगस्त को मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों, मित्रों और संगठनों को प्रेरित करना है कि वे बुजुर्गों का सम्मान करें और उनके अधिकारों की रक्षा करें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी जड़े अमेरिका से जुड़ी हैं, जहां राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने 1988 में इस दिवस की शुरुआत की। तब से यह दिवस सीमाओं से परे फैल गया है और संयुक्त राष्ट्र सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संगठन वृद्धावस्था की गरिमा और अधिकारों पर जोर दे रहे हैं। इस दिवस की इस वर्ष की थीम है-समावेशी भविष्य के लिए वृद्धजनों की आवाज को सशक्त बनाना। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि वरिष्ठजनों की बात ध्यान से सुनी जाए और परिवार, समुदाय और नीतिगत निर्णयों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए। यह विषय एक कार्रवाई का आह्वान है कि उम्र कभी भी भागीदारी और नेतृत्व में बाधा नहीं बननी चाहिए। वरिष्ठों को नेतृत्व के अवसर देना, उनकी कहानियां सुनना, उनकी सलाह लेना, उन्हें रचनात्मक दायित्व सौंपना, यही सच्चे सम्मान का मार्ग है। अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जीवन संबंधी जटिल समस्याओं को हल करने में बुजुर्गों की सोच, धैर्य और दृष्टिकोण युवा पीढ़ी की तुलना में अधिक परिपक्व साबित होता है। यदि उन्हें कोई लक्ष्य दिया जाए तो वे अपनी धीमी गति की भरपाई अपने पैने नजरिए और बेहतर योजनाओं से कर लेते हैं। पारदर्शी सोच, परिणामों का आकलन और अच्छे-बुरे का विवेक जैसे गुण बुजुर्गों में अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसीलिए दफ्तरों, संस्थाओं और घरों में उन्हें उपेक्षित करना अनुचित ही नहीं, बल्कि हमारे लिए नुकसानदेह भी है।

समाज में कई स्तरों पर ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिनसे बुजुर्ग स्वयं को उपेक्षित न महसूस करें। परिवारों में नियमित रूप से संगोष्ठियां हों जिनमें वरिष्ठजन अपने अनुभव साझा करें। स्कूलों में ग्रैंड-पैरेंट्स डे आयोजित हो, जिससे बच्चे अपने दादा-दादी से सीख सकें और बुजुर्गों को सक्रियता और अपनापन महसूस हो। समाज और धार्मिक संस्थाओं को संयुक्त संगोष्ठियां करनी चाहिए, जहां नई और पुरानी पीढ़ी एक-दूसरे को समझ सके। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और परिवारों को भी बुजुर्गों की क्षमताओं का रचनात्मक उपयोग करना चाहिए। छोटे-छोटे आयोजन जैसे परिवार के भोज, स्मृति पुस्तकों का निर्माण, या बच्चों और बड़ों के बीच कौशल साझा करने की गतिविधियां पीढ़ियों के बीच पुल का काम कर सकती हैं। आने वाले वर्षों में इसकी प्रासंगिकता और बढ़ जाएगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 22 प्रतिशत आबादी 60 वर्ष या उससे अधिक आयु की होगी। वृद्धजन समाज और परिवार को ज्ञान, परंपरा और स्वयंसेवा से समृद्ध करेंगे, लेकिन साथ ही उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं, अकेलेपन और सामाजिक उपेक्षा जैसी चुनौतियों का भी सामना करना होगा। इसलिए जरूरी है कि हम आज से ही एक ऐसे समाज का निर्माण करें जिसमें उम्र सम्मान और गरिमा की पहचान बने, न कि उपेक्षा की। प्रश्न है कि दुनिया में वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों वृद्धों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि वृद्धों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बड़ा दिया है। वृद्धावस्था जीवन की सांझ है। वस्तुतः वर्तमान के भागदौड़, आपाधापी, अर्थ प्रधानता व नवीन चिन्तन तथा मान्यताओं के युग में जिन अनेक विकृतियों, विसंगतियों व प्रतिकूलताओं ने जन्म लिया है, उन्हीं में से एक है वृद्धों की उपेक्षा। वस्तुतः वृद्धावस्था तो वैसे भी अनेक शारीरिक व्याधियों, मानसिक तनावों और अन्यान्य व्यथाओं भरा जीवन होता है और अगर उस पर परिवार के सदस्य, विशेषतः युवा परिवार के बुजुर्गों/वृद्धों को अपमानित करें, उनका ध्यान न रखें या उन्हें मानसिक संताप पहुँचाएं, तो स्वाभाविक है कि वृद्ध के लिए वृद्धावस्था अभिशाप बन जाती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वृद्ध व्यक्ति ज्ञान और अनुभव के अमूल्य स्रोत हैं और उनके पास शांति, सतत विकास और हमारे ग्रह की सुरक्षा में योगदान करने के लिए बहुत कुछ है।' फिर वृद्धजन क्यों स्वयं को इतना खाली, एकांकी एवं उदासीन बनाये हुए हैं? वृद्धावस्था में खालीपन एक ब?ी समस्या है। कहावत भी है कि खालीपन सजा भी है और मजा भी है। यह वृद्धावस्था को प्राप्त लोगों पर ही निर्भर है कि वे खालीपन में मजा ले रहे हैं, आनन्द ले रहे हैं या उसे सजा बना रहे हैं। धर्म की जड़ पाताल में और पाप की जड़ अस्पताल में, यह साक्षात् अनुभव करते हुए वृद्धजन अपने वृद्धावस्था को उपयोगी बनाये।

विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाने की सार्थकता तभी है जब हम वृद्धों की देखभाल करने के दायित्व का निर्वाह ईमानदारी से करें, जिन्होंने कभी हमारी देखभाल की थी, सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। उम्र दरअसल उन वर्षों की गिनती है जिनमें दुनिया ने हमारे साथ यात्रा की है। बुजुर्ग जीवित पुस्तकालय हैं, जिनमें ज्ञान की अनगिनत दुनिया छिपी है। उनका सम्मान करना अपने भविष्य का सम्मान करना है, और यही शक्ति, अनुग्रह और विरासत को सहेजने का मार्ग है। यह दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम बुजुर्गों को केवल जीने के लिए ही नहीं, बल्कि सम्मान और उत्साह के साथ जीने का अधिकार देंगे। हमें अतीत का सम्मान करना है, वर्तमान को संजोना है और सभी उम्र के लोगों के लिए एक समावेशी भविष्य की आशा करनी है।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। लेवाली के अभाव में बुधवार को अनाज मंडी में मसूर बाजार टूटे। चना पूर्वस्तर पर बना रहा। खाद्य तेलों में कारोबार अच्छा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन हल्का पड़ा। किराना जिंसों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मसूर में लेवाली से बाजार नरमी के रहे। चना पूर्वस्तर पर बना रहा। खाद्य तेलों में कारोबार ठंडा-ठंडा ही रहा। सोयाबीन की नरमी का असर भावों पर रहा। उधर, किराना जिंसों में कारोबार बेहद सुस्त देखा गया। शक्कर में मजबूती देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4110-4140, खोपरा गोला 330-365, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-780, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदुर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1900, तरबूज मगज 665-690, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 830-860, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 840-860, टुकड़ी 780-850, बादाम मगज 860-880, अमेरिकन 750-780, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3700-3800, (160) 4200-4300, (200) 4700-4900, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1380-1390, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2225, सोया साल्वेंट 1115-1120, सोया रिफाइंड 1175-1185, कपास्या 1210, धूलिया 1215, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1375, मुम्बई पाम 1200, मुम्बई सोया 1200,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7000-7100, रायडा 6600-6800, सोयाबीन 4600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6250-6300, एवरेज 5600-5700, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशियन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6150, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 7500-7600, पाला 7600-7700, चमकी 7700-7800, नायलोन 7900-8000, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7700-8300, बोल्ड 8600-8800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज-गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9000-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चॉंदी (9999) 113300, चॉंदी (99) 113200, टंच 112700, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 100200,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 87.06 रुपये पर बंद हुआ। वहीं इससे पहले रुपया मंगलवार को रुपया 87.04 पर बंद हुआ था। गत दिवस शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे बढ़कर 87.20 पर पहुंच गया था। यह बढ़त व्यापक कर सुधारों और घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी के चलते दर्ज की गई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 87.24 पर खुला और धीरे-धीरे मजबूत होते हुए 87.20 पर पहुंचा। वहीं सोमवार को यह 87.39 पर बंद हुआ था। विशेषज्ञों के अनुसार, सरकार द्वारा टैक्स सिस्टम में पारदर्शिता और निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किए गए सुधारों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए खुशहाली लेकर आएगा। जीवनसाथी के साथ आप कुछ रोमांटिक पल व्यतीत करेंगे। आपको एक साथ कई काम हाथ लग सकते हैं। नौकरीपेशा जातकों को थोड़ा सावधान रहना होगा। आपके कामों से आपकी वाहवाही होगी और आप व्यस्त रहेंगे। आपके सुख-साधनों में वृद्धि होगी। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे भी आप पूरा करने के पूरे कोशिश करेंगे। आपको अपने कामों को लेकर किसी दूसरे पर डिपेंड रहने से बचना होगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी आय के सोर्स बढ़ेंगे। भाग्य के दृष्टिकोण से दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी कोई शारीरिक समस्या उभर सकती हैं। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आप अपने जूनियर से काम को लेकर सलाह ले सकते हैं। आपको किसी से मांगकर वाहन चलाना आपकी समस्याओं को बढ़ा सकता है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपनी बुद्धि और विवेक से निर्णय लेकर लोगों को हैरान करेंगे। पारिवारिक मामलों में आप किसी दूसरे पर डिपेंड ना रहें। आपके कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। आपको किसी अजनबी से कोई लेनदेन करने से बचें। आपको किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचना होगा। आप किसी पुरानी गलती से सबक ले।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपके कामों की सराहना होगी। आपके बॉस आपसे काफी खुश रहेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आप अपने पिताजी की सेहत को लेकर अनदेखा ना करें। आप यदि अपने भाई को कोई जिम्मेदारी देंगे, तो वह उसे आसानी से पूरा करेंगे। आपको काम को लेकर कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। बिजनेस में चल रही समस्याएं दूर होंगी। विद्यार्थियों की कुछ नया करने की इच्छा जागरुक हो सकती है, जिसमें आप अपने सीनियर और गुरुजनों से मदद ले सकते हैं।

सिंह- आज का दिन आपके लिए योजना बनाकर कामों को करने के लिए रहेगा। आप किसी दूसरे के प्रति समर्पित नजर आएंगे। जीवनसाथी से रिश्ते में भी कड़वाहट चल रही थी, तो आप उसे दूर करने की कोशिश करनी होगी। भाई और बहनों का आपको पूरा साथ मिलेगा। आप वाहनों का प्रयोग थोड़ा सावधान रहकर करें। अपने खर्चों को आप थोड़ा कंट्रोल करने की कोशिश करें, क्योंकि उनके बढ़ने से आपको टेंशन भी बढ़ेगी।

कन्या- आज का दिन बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है और आप अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए यदि निर्णय लेंगे, तो वह आपके लिए अच्छे रहेंगे। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा। आपके सुख-साधनों में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकता होगा। किसी वाहन की खरीदारी के लिए भी आप कोई लोन लेने की सोच रहे थे, तो उसके लिए आप अप्लाई कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय व्यतीत करेंगे। आप गरीबों की सेवा के लिए भी आगे आएंगे। नौकरी में आपको कुछ समस्याएं आ सकती हैं, जिन्हे आप मिल बैठकर दूर करने की कोशिश करें। आपने यदि शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट किया था, तो भाई आज आपके लिए अच्छा लाभ बन सकता है। संतान पक्ष की ओर से आपको आज कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए आय में वृद्धि लेकर आने वाला है। किसी कानूनी मामले में आपको सफलता मिलेगी, नौकरी में यदि तकनीकी समस्याएं आपको परेशान कर रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आप अपने मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती है।

धनु- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। माता-पिता आपको काम को लेकर कोई सलाह दे सकते हैं। घर में बडों की बातों का पूरा ध्यान देंगे। आपके पिताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकते हैं। शौक मौज की चीजों में ढील बिल्कुल ना दें। आप अपने कामों में कोई बदलाव करेंगे, तो उसमें आपको कोई नुकसान होने की संभावना है।

मकर- आज का दिन आपके लिए किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए रहेगा। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। आपको पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर निपटना होगा। संतान के करियर को लेकर आपको थोड़ी टेंशन हो सकती है। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा।

कुंभ- आज का दिन बिजनेस के मामले में अच्छा रहने वाला है। आपको अकस्मात धन लाभ मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आप अपनी कला और कौशल से लोगों को हैरान करेंगे। नौकरी में कार्यरत लोगों को अपने सहकर्मियों से काम को लेकर सलाह मिल सकती हैं। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। मान-सम्मान में वृद्धि होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको किसी सामाजिक आयोजन में सम्मिलित होने का मौका मिल सकता है। यदि आपकी कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है।

शब्दजाल - 7996

शब्द जाल में ऐसे 10 शब्द ढूंढिए जिनके पीछे 'बाज' लगा हो. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

न	ख	रे	बा	ज	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	चा	इ	ता	प
कि	स्से	बा	ज	बा	छ	ची	ल	रा	क	त्ते
री	ज	र	दो	पु	धो	खे	बा	ज	त	बा
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	ज	ग	व	ज
अ	द	फि	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
खा	ले	म	क	या	झां	र	जां	बा	ज	ल
ड़े	र्ज	ल्जा	ई	रे	से	क	गो	लो	श	ण
बा	बा	म	न	ब्र	बा	य	री	श	प	क
ज	दु	आ	प	व	ज	ज	ऐ	बें	हा	त
क	ब	ल्ले	बा	ज	ल	गा	य	द	प	थ

बल्लेबाज, झांसेबाज, चालबाज, जांबाज, किस्सेबाज, अखाड़ेबाज, फिकरेबाज, नखरेबाज, पत्तेबाज, धोखेबाज

शब्दजाल - 7995 का हल

श	रा	अं	धे	रा	उ	जा	ला	झ	क	चि
खा	ली	भ	रा	रिं	लै	ता	भ	शा	को	चि
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	हा	र	जी	त
प	म	दा	च	ल	क	ड़	नि	दा	र	प
ट	पा	र	ख	र्ग	न	र्क	चि	स	र	ट
ह	स	प	ए	दा	ह	ला	पू	झ	न	ती
ट	दू	बु	अ	डी	म	ट	ह	रा	ह	क
बा	र	वा	ला	क	चो	सौ	न	ट	आ	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	टी	ने	दा	र	धा
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	म	र्द	औ	र	त	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6940

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है.?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6939

दे	व		प्रे	म	क	हा	नी		जी
व		तु	म		सू		तू	फा	न
ता	ल		पु	का	र		सिं		त
	क्ष्य		जा			तो	ह	फा	
नी		मे	री	जं	ग			गु	म
क	बी	ला		ग		प्या		न	
री			सो	ल	वां	सा	ल		दा
	जु	ग	नू		टे		व	ही	दा
ध	र्मा				ड		स्ये		गि
	ना	जा	य	ज		चो	री	चो	री

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

21 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: ६ मंगल, चंद्र बुध ४, ३ गुरु शुक्र, केतु सूर्य ५, ७, ८, २, ११, राहु, ९, १०, शनि १२, १)

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	सिंह	05.20 बजे से
चंद्र	कर्क में	कन्या	07.36 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	09.47 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.02 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	14.18 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	16.23 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.09 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	19.42 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	21.13 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृष	22.53 बजे से
		मिथुन	00.51 बजे से
		कर्क	03.04 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 233 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** त्रयोदशी 12.45 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पुष्य 00.09 बजे को रात्र समाप्त। **योग** व्यतीपात 16.14 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 12.45 बजे तदनन्तर विष्टि 00.18 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 12° 06' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872443 **जूलियन दिन** 2460908.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सफर **तारीख** 26 **विशेष** मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः संत की उदारता

इटली के विख्यात संत फ्रांसिस संपन्न पिता के पुत्र थे। लेकिन उन्हें अपनी संपत्ति पर जरा भी अभिमान न था। व्यापार में लगे होने के बाद भी वह ईश्वरोपासना के लिए समय निकाल ही लेते थे। समाज के वंचित वर्ग की मदद का कोई मौका वह नहीं छोड़ते थे। एक दिन वह एक व्यापारी के साथ बड़े सौदे की चर्चा कर रहे थे। उसी समय एक भिखारी उनकी दुकान पर आया। उसने भिक्षा के लिए आवाज लगाई पर फ्रांसिस का उस भिखारी की तरफ ध्यान नहीं गया। वह बिना कुछ लिए ही वहां से लौट गया। बाद में उन्हें एक कर्मचारी ने बताया कि एक भिखारी आया था। यह सुनते ही फ्रांसिस बेचैन हो गए। यह बात उन्हें परेशान करने लगी कि एक जरूरतमंद व्यक्ति उनकी दुकान से खाली हाथ लौट गया। उनका काम में मन नहीं लग रहा था। आखिरकार वह उठे और बाजार में उस भिखारी को ढूंढने लगे। जो मिलता वह उसी से भिखारी के बारे में पूछते। लोगों ने समझा कि हो सकता है, वह भिखारी दुकान से कुछ चुराकर ले गया होगा, इसलिए वह उसे पकड़ने के लिए ढूंढ रहे हैं। कुछ देर बाद फ्रांसिस को भिखारी मिल गया। उन्होंने उससे विनम्रतापूर्वक कहा, 'भाई, भूल हुई, माफ करना। मैं एक सौदे में व्यस्त था। पैसों की बात मनुष्य को अंधा बना देती है।' इतना कहकर फ्रांसिस ने अपनी जेब से सारा धन निकालकर भिखारी को दे दिया। भिखारी तो खुश था ही, उससे कहीं अधिक प्रसन्न संत फ्रांसिस हुए। जिसने यह प्रसंग सुना वह फ्रांसिस के प्रति श्रद्धा से भर उठा।

सूडोकु नवताल- 7249

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7248 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 8464

बाएँ से दाएँ

1. सुरक्षित, संरक्षित-4
4. उत्सुकता, जिज्ञासा-3
6. पिता के पिता-2
7. नमस्कार, प्रणाम-3
9. आखेट मंच-3
11. आत्मबलिदानी-5
12. प्लेट, तश्तरी-3
15. रहस्य, भेद-2
16. जी, चित्त-2
18. जुड़वा-3
20. मन का मिलना-5
22. नल, टोंटी-3
24. देवर्षि, देवमुनि-3
26. गुप्तचर, जासूस-2
27. गमन, विदा होना-3
28. ईश्वर, रब-4

ऊपर से नीचे

1. सद्चरित्रता-3
2. इच्छा, मर्जी-2
3. अंधकार, अंधेरा-3
5. धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कलश ले जाना-5
6. मोल, कीमत, दर-2
8. नरक के समान-5
10. बेकार, अयोग्य-3
13. बुआई करना-2,3
14. विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
17. प्रणाम, नमस्कार-3
19. जल में रहने वाला-4
21. स्वर्ग का विलोम-3
23. छोटी सवारी गाड़ी-2
25. कीमत, भाव-2

शब्द पहेली -8463 का हल

श	ब	न	म			आ	का	श
रा			स्त	र	ही	न		म
रा	त			सी	ना			शी
	र	ग		ला		क	बी	र
	का	ज	ल		अ	स	र	
क	री	ब		मि		र	ब	
रा			चा	रा			ल	ब
मा		रा	ह	ज	नी			हा
त	र	ह			म	ज	बू	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 213.45 अंक की तेजी के साथ करीब 81,850 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 70 अंक बढ़कर 25,000 के स्तर के ऊपर बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट का प्रदर्शन मिलाजुला रहा, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक 0.46 फीसदी और 0.30 फीसदी की तेजी के साथ बढ़त पर बंद हुए। निफ्टी बैंक में 0.30 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक दिन की खरीदारी के बाद फिर से शुद्ध विक्रेता रहे और भारतीय शेयरों में 634.26 करोड़ रुपए की बिकवाली की। इस बीच, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,261.06 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी के साथ अपना समर्थन बनाए रखा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर गिरे। वहीं भारती एयरटेल, इन्फोसिस और एनटीपीसी के शेयर में तेजी रही। जानकारों के अनुसार एनएसई का बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी पिछले तीन दिनों में जीएसटी सुधारों से संबंधित सकारात्मक घोषणाओं के कारण 364 अंक उछला है जिससे भी बाजार को बल मिला है। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच ही बिकवाली हावी रहने से आयी। निवेशकों ने अमेरिका-भारत के बीच व्यापार मामले पर होने वाली बातचीत से पहले से सतर्क रुख अपनाने हुए बाजार से दूरी बनाये रखी। आज सुबह सेंसेक्स पिछले बंद भाव से 68.3 अंक की गिरावट के साथ 81,576.09 पर खुला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी सुबह 26.5 अंक टूटकर 24,965.80 पर खुला। सेंसेक्स की कंपनियों में ज्यादा शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इनमें बजाज फाइनेंस, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स और ट्रेंट जैसे शेयर शामिल थे। वहीं भारती एयरटेल, इटरनल, एनटीपीसी, इंफोसिस और टीसीएस सबसे ज़्यादा लाभ में रहे। एशियाई बाजारों में भी आज सुबह गिरावट से शुरुआत हुई। सुबह दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.87 फीसदी और जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 1.11फीसदी गिरा।

संसद का मानसून सत्र- ऑनलाइन गेमिंग बिल पेश, पैसे वाले ऑनलाइन गेम्स और उनके विज्ञापन पर रोक

नई दिल्ली। भारत का डिजिटल गेमिंग सेक्टर पहले तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन अब एक बड़े बदलाव की कगार पर है। बुधवार को लोकसभा में ऑनलाइन गेमिंग बिल पेश हुआ। यह बिल ऑनलाइन गेमिंग को कंट्रोल करने और कुछ गेम्स पर रोक लगाने लाया गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बिल पेश किया। बिल के अनुसार पैसे वाले ऑनलाइन गेम्स और उनके विज्ञापन पर रोक लगेगी। अगर कोई नियम तोड़ेगा, तब जेल या जुर्माना, या दोनों हो सकते हैं। बिल में रियल-मनी गेम्स को ईस्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम्स से अलग किया गया है। लोकसभा में पेश बिल का मकसद ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित कर अवैध सट्टेबाजी को रोकना है। कुछ समय पहले इन प्लेटफॉर्म्स से जुड़ी धोखाधड़ी और गलत प्रचार के मामले सरकार के सामने आए थे। अगर यह बिल पास होता है तब पैसे वाले सभी ऑनलाइन गेम्स बंद हो सकते हैं। भारत की ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री वर्तमान में 3.7 बिलियन डॉलर की है और 2029 तक यह बढ़कर 9.1 बिलियन डालर तक पहुंच सकती है। इंडस्ट्री का करीब 86 प्रतिशत हिस्सा रियल-मनी गेम्स से आता है। इस बिल के लागू होने पर यह मुख्य आय का स्रोत बंद हो सकता है। इंडस्ट्री का कुल मूल्य करीब 2 लाख करोड़ है, जिसमें सालाना 31,000 करोड़ का राजस्व और 20,000 करोड़ का टैक्स शामिल है। इस इंडस्ट्री की वृद्धि दर करीब 20 प्रतिशत थी, लेकिन अब मोदी सरकार के इस कड़े कदम के बाद भविष्य अनिश्चित हो गया है। कुल मिलाकर, ऑनलाइन गेमिंग बिल भारत के डिजिटल गेमिंग इंडस्ट्री को पूरी तरह बदल सकता है।

मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधान को फिर से लागू करने पर विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली। सरकार जीएसटी व्यवस्था में प्रस्तावित सुधार के बाद मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों को कुछ समय के लिए फिर से लागू करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में एक सरकारी अधिकारी के वाले से जानकारी दी गई है कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि कारोबारी अप्रत्यक्ष कर का फायदा उपभोक्ताओं को दें। अधिकारी ने अपनी पहचान जाहिर न करने की शर्त पर बताया है कि केंद्र सरकार बाजार से संचालित मूल्य निर्धारण के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन अनुचित मुनाफाखोरी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। अगर कंपनियां कर दरों में कमी के अनुरूप अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) कम नहीं करेंगी तो ऐसा हो सकता है। हम दो साल तक मुनाफाखोरी-रोधी उपायों को लागू करने की योजना बना रहे हैं ताकि कारोबारी दरों में कमी के लाभ को अपनी जेब में न रखें। बता दें मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों को सबसे पहले 2017 में लागू किया गया था। उस समय जीएसटी ने कई अप्रत्यक्ष करों को बदल दिया था और कई वस्तुओं पर कर की दरें कम हो गई थीं। केंद्रीय जीएसटी अधिनियम की धारा 171 के तहत लाए गए इन नियमों का उद्देश्य यह तय करना था कि कारोबारी कर की दरों में कमी और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाएं। समय के साथ-साथ इसका दायरा एमआरपी से आगे बढ़कर एफएमसीजी, आतिथ्य सेवा और रियल एस्टेट जैसे क्षेत्रों में लगातार दर में कटौती और आईटीसी लाभों को कवर करने तक विस्तृत किया गया। सरकार ने इन नियमों के साथ मुनाफाखोरी-रोधी महानिदेशालय (डीजीएपी) की स्थापना भी की थी। इसका काम उन कंपनियों के खिलाफ शिकायतों की जांच करना था जो कर की कम दरों का फायदा उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा रही थीं।

सड़क हादसे में मासूम समर्थ की मौत पर शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने की आर्थिक सहायता

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी-बालाघाट मार्ग पर ग्राम भिमोंडी के समीप हुए एक दुखद सड़क हादसे में बिसोनी निवासी 8 वर्षीय समर्थ पिता घनश्याम गरुड़े की असमय मृत्यु हो गई थी। इस हृदय विदारक घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ा दी थी। इस दुखद घटना के बाद शासन, प्रशासन, और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पीडि़त परिवार की हर संभव मदद करने का बीड़ा उठाया। इसी कड़ी में, 20 अगस्त 2025 को लांजी के विधायक राजकुमार कर्राहे के विशेष प्रयासों से शासन-प्रशासन के माध्यम से रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से समर्थ के परिजनों को 20,000 रुपये की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की गई। यह राशि लांजी के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कमल चंद सिंहसार द्वारा पीड़ित परिवार को चेक के रूप में सौंपी गई। इसके अतिरिक्त, विधायक राजकुमार कर्राहे ने अपनी ओर से तत्काल 10,000 रुपये की नगद सहायता राशि समर्थ के परिजनों को प्रदान की। साथ ही, उन्होंने अपनी स्वेच्छा अनुदान निधि से अतिरिक्त 20,000 रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है, जो जल्द ही पीडि़त परिवार को उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं, ग्राम पंचायत बिसोनी ने भी इस दुखद

घड़ी में पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए संबल योजना के तहत 5,000 रुपये की नगद राशि प्रदान की। यह राशि ग्राम पंचायत की सरपंच वर्षा विजय वारे द्वारा परिवार को सौंपी गई। इस संकट की घड़ी में शासन, प्रशासन, और जनप्रतिनिधियों के इस सहयोग ने पीडि़त परिवार को कुछ हद तक राहत प्रदान करने का प्रयास किया है। विधायक राजकुमार कर्राहे ने कहा कि इस दुखद घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है, और वे पीडि़त परिवार के साथ हर कदम पर खड़े हैं। उन्होंने आगे भी हर संभव मदद का आश्वासन दिया। स्थानीय लोगों ने भी इस सहायता के लिए शासन-प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के प्रयासों की सराहना की है। इस घटना ने सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

सन शाइन किड्स प्ले स्कूल लांजी में मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सन शाइन किड्स प्ले स्कूल लांजी में 20 अगस्त को हर्षोल्लास पूर्वक श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों द्वारा रंग बिरंगी पोशाक पहनकर श्री कृष्ण और राधा रानी के रूप में स्कूल आये। कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्वप्रथम भगवान श्री कृष्ण व मां सरस्वती जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन प्रधान पाठिका श्रीमती योगेश्वरी अविनाश रैच के द्वारा किया गया एवं कृष्ण एवं राधा के रूप धारण किये बच्चों का तिलक वंदन किया गया । तत्पश्चात बच्चों को श्रीकृष्ण जी के जन्म के बारे बताया गया और कृष्ण जन्माष्टमी क्यों मनाई जाती है यह भी जानकारी दी गई। तत्पश्चात बच्चों द्वारा डांस एवं गीत एवं झांकियां निकाली गई सभी बच्चों के समूह से मटकी फोड़ एवं दही हांडी का कार्यक्रम करवाया गया। बच्चों ने बड़े उत्साह पूर्वक होकर मटकी फोड़ी एवं दही हंडी फोडने् का आनंद लिया बच्चों द्वारा डांस एवं झांकियां प्रस्तुत की गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था की प्रधान पाठिका श्रीमती योगेश्वरी रैंच तथा समस्त शिक्षिकाएं विनीता पिपरे, आलिया खान, सुधा खान, फरहीन खान, संगीता वानखेड़े, केहकासा नाजमी, भुमेश्वरी फाय, पायल बनवारी, रश्मि रामटेककर, शीतल पांचाल, अनकी कुचलाहे, देवकी बनोठे, दीपिका मस्करे , गीता गुर्दे कल्पना मेश्राम, रीना कुमारी, विद्या पटेल , सभी शिक्षकों का योगदान रहा।

कु दिक्षा लिल्हारे नीट परीक्षा उतीर्ण कर एमबीबीएस हेतु चयनित

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र में लगातार विद्यार्थीयों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। क्षेत्र से अनेको प्रतिभावान छात्र छात्राओं के द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में बाजी मारकर उच्च स्थानों पर पहुचें है। इसी क्रम मे क्षेत्र के अनेको ग्रामो से छात्रो का एमबीबीएस हेतु चयन हुआ है। जिसमें ग्राम पंचायत वारी निवासी चमरूलाल लिल्हारे की छोटी पुत्री कु दिक्षा लिल्हारे का वर्तमान में आयोजित नीट परीक्षा उतीर्ण कर एमबीबीएस हेतु चयनित हुई है। दिक्षा ने 720 में से 457 अंक प्राप्त किया है। बतादे कि कु दिक्षा की प्राथमिक साकेत पब्लिक स्कूल लांजी से पूर्ण हुई। इसके पश्चात उन्होने इन्दौर जाकर नीट हेतु तैयारी निजी कोचिंग संस्थान से कर एमबीबीएस हेतु चयनित हुई। कु दिक्षा को मेडिकल कॉलेज अमलतास इंस्टिट्यूट ऑफ मेडीकल कॉलेज देवास से अपनी एमबीबीएस की पढाई पूर्ण करेगी। आपके चयन पर आपके माता पिता चमरूलाल लिल्हारे, माता निशा लिल्हारे, भाई रोहित लिल्हारे सहित वारी सरपंच ऋषि पटेल दशरिया, राकेश दशरिया, मुकेश दशरिया, रेखलाल कावरे, मीना सुधीर दशरिया जिला पंचायत सदस्य, डॉ टेकेश्वर मस्करे मार्गदर्शक, शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा बधाई प्रेषित की गई। उल्लेखनिय है कि आपके भाई रोहित लिल्हारे एनआईटी कश्मीर से बीटेक में अध्ययनरत है।

बिंझलगांव की बेटी दुर्गा श्री का नीट 2025 में शानदार प्रदर्शन, स्व. बलीराम कश्यप मेमोरियल शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, जगदलपुर में हुआ प्रवेश

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के छोटे से ग्राम बिंझलगांव की दुर्गा श्री पिता मिट्ठनलाल बिहोने और माता श्रीमती छाया बिहोने की पुत्री, ने नीट 2025 की काउंसलिंग प्रक्रिया में शानदार सफलता हासिल कर अपने गांव का नाम रोशन किया है। दुर्गा श्री का चयन छत्तीसगढ़ के स्व. बलीराम कश्यप मेमोरियल शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, जगदलपुर में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए हुआ है। इस उपलब्धि के साथ ही वे अपने गांव बिंझलगांव से प्रथम चिकित्सक बनने का गौरव हासिल करने जा रही हैं।

मेहनत और लगन की मिसाल

दुर्गा श्री ने अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ संकल्प के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली इस होनहार छात्रा ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित रखा और नीट जैसी कठिन परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनके इस प्रयास ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण ला दिया है।

परिवार और गांव में खुशी की लहर

दुर्गा श्री की इस उपलब्धि से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। उनके पिता श्री मिट्ठनलाल बिहोने और माता श्रीमती छाया बिहोने ने अपनी बेटी की मेहनत और सफलता पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि दुर्गा ने हमेशा से ही चिकित्सक बनकर समाज की सेवा करने का सपना देखा था। उनके इस सपने को साकार करने में परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों का निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन मिला। बिंझलगांव के निवासियों ने भी दुर्गा श्री की इस उपलब्धि को ऐतिहासिक बताया, क्योंकि वे गांव की पहली ऐसी बेटी हैं, जो चिकित्सा के क्षेत्र में कदम रख रही हैं।

शुभचिंतकों ने दी बधाई

दुर्गा श्री की इस उपलब्धि पर उनके शुभचिंतकों, मित्रों और गांववासियों ने हार्दिक बधाई दी है। दुर्गा श्री ने न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे गांव को गौरवान्वित किया है। उनकी यह सफलता ग्रामीण क्षेत्र के अन्य बच्चों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। स्थानीय स्कूल के शिक्षकों ने भी दुर्गा श्री की लगन और अनुशासन की प्रशंसा की और उन्हें भविष्य में एक कुशल चिकित्सक बनने की शुभकामनाएं दीं।

उज्ज्वल भविष्य की कामना

स्व. बलीराम कश्यप मेमोरियल शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, जगदलपुर में प्रवेश के साथ ही दुर्गा श्री का चिकित्सा के क्षेत्र में एक नया सफर शुरू हो रहा है। यह महाविद्यालय छत्तीसगढ़ के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में से एक है, जो उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करता है। दुर्गा श्री ने अपनी इस उपलब्धि के लिए अपने माता-पिता, शिक्षकों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया और कहा, मैं समाज की सेवा करने और अपने क्षेत्र का नाम रोशन करने के लिए कड़ी मेहनत करती रहूंगी।

झाड़ फूंक के चक्कर में महिला की हुई मौत

चिकित्सकों की निगरानी में 08 माह का मासूम

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। सर्पदंश की घटना के करीब 12 घंटे बाद भी चिकित्सकीय उपचार नहीं मिलने और परिवार के द्वारा झाड़ फूंक और आयुर्वेदिक दवा के चक्कर में रहने की वजह से एक 26 वर्षीय महिला की मौत हो गई जबकि महिला का 08 वर्षीय मासूम बालक सरकारी अस्पताल कटंगी में चिकित्सकों की निगरानी में भर्ती है. वारासिवनी थाना क्षेत्र के ग्राम महदुली की निवासी महिला सीमा पति अनिल मरठे को मंगलवार की रात्रि करीब 02 बजे के आस-पास डांटेकार प्रजाति के सांप ने काट लिया. यह घटना महिला के मायके देवगांव में हुई. महिला नीचे जमीन पर सो रही थी. सांप काटने के बाद परिजनों ने सांप को मार दिया और महिला को आयुर्वेदिक उपचार के लिए थानेगांव ले जाया गया. जहां महिला को आयुर्वेदिक दवा दी गई. महिला को उस वक्त कुछ महसूस नहीं हुआ हालांकि परिजन महिला के शरीर से सांप का जहर उतारने के लिए उसे कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम लोहमारा लेकर आए. कथित तौर पर यहां महिला के शरीर से जहर उतारने की कोशिश की गई लेकिन जब महिला की तबीयत बिगड़ गई तो परिजनों को महिला को सरकारी अस्पताल कटंगी ले जाने की सलाह दी गई. बुधवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे महिला को

अस्पताल लाया गया जहां महिला ने अंतिम सांस ली. शाम साढ़े 5 बजे महिला के शव का पीएम कर शव परिजनों को सौंप दिया गया है. महिला ने सर्पदंश की घटना के बाद अपने बच्चे को स्तनपान कराया था. जिसके चलते बच्चे को 24 घंटे के लिए चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है। गौरतलब हो कि सर्पदंश की जिन भी घटनाओं में पीड़ितों की मौत हुई है. उस मौतों का कारण जानने पर एक बात सामने आती है और यह बात होती है झाड़-फूंक और पीड़ित परिवार का अंधविश्वास. कटंगी थाना क्षेत्र का लोहमारा एक ऐसा गांव है जहां पर कथित पर सर्पदंश के पीड़ित के शरीर से सांप का जहर उतारने का दावा किया जाता है. आम बोलचाल की भाषा में इसे सर्पीबारी कहते है. सर्पीबारी करने वाले लोग जिस तरीके से शरीर से सांप का जहर उतारने का दावा करते है वह पूरी तरह से अवैज्ञानिक होता है. सर्पीबारी के चुंगल में फंसने वाले लोग ही अपने परिवार के सदस्य के मौत का कारण बन रहे है. सर्पीबारी करने वाले ऑफकैमरा बातचीत करते हुए कई लोगों की जान बचाने का दावा करते है. बहरहाल, सर्पदंश की घटना से बचने के लिए रात में खुले में सोने से बचें. घने जंगलों, खेतों या झाड़ियों में टॉर्च का इस्तेमाल करें. झाड़ियों या अंधेरे स्थानों में चलते समय सावधानी रखें. सांप दिखे तो उसे मारने की बजाय दूर हट जाएं. घर और आसपास के क्षेत्र को साफ-सुथरा रखें, ताकि सांप छिपने की जगह न मिले। सर्पदंश की घटना होने पर झाड़-फूंक से मरीज को ठीक कराने के चक्कर में न रहें बल्कि मरीज को उपचार के लिए तत्काल निकटतम अस्पताल लाने का प्रयास करने. सांप के काटने पर झाड़-फूंक से नहीं बल्कि एंटी स्नैक वैनम से ही मरीज की जान बचाई जा सकती है. यह अपील बारिश का मौसम शुरू होते ही प्रशासन के तरफ से की जाती है ताकि सर्पदंश की घटना के बाद किसी पीड़ित की मौत ना हो और उसे समय पर उपचार देकर बचाया जा सकें. लेकिन इस तरह की अपील का अब भी कई ग्रामीण अंचलों में प्रशासन की इस अपील पर ग्रामीण ध्यान नहीं देते और झाड़ फूंक के चक्कर में ही रहते है. जिससे पीड़ित को समय पर उपचार नहीं मिल पाता और उसकी मौत होती है. बता दें कि इस वर्ष की यह पहली घटना है जिसमें सर्पदंश के घायल की मौत हो गई. सर्पदंश की तमाम घटनाओं के बाद जब पीड़ितों को समय पर अस्पताल पहुंचाया

पीजी कॉलेज बालाघाट में राष्ट्रीय सद्भावना दिवस समारोह का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पीएम श्री एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (रासेयो) के वार्षिक कैलेंडर अंतर्गत 20 अगस्त को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय सद्भावना दिवस कार्यक्रम का आयोजन गरिमामय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में एन एस एस अधिकारी सुखचंद्र एड़े ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत कर सद्भावना दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. मराठे ने कहा कि भारत एक बहुरंगी संस्कृति और विविधताओं से परिपूर्ण राष्ट्र है, जहां विभिन्न धर्म, जाति एवं संप्रदाय के लोग शांति और भाईचारे के साथ रहते हैं। आज का डिजिटल इंडिया और आधुनिक विज्ञान-प्रौद्योगिकी की नींव आदरणीय राजीव गांधी द्वारा रखी गई थी, जिसे वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यवहारिक रूप देकर साकार किया है। जो आज व्यावहारिक रूप से दिखाई दे रही है सबके सामने प्रस्तुत है। इसके पश्चात् एनसीसी अधिकारी डॉ. गजानन कटरे ने राजीव गांधी जी की ऐतिहासिक लोकप्रियता का उल्लेख किया। गितेश पटले ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके योगदान को रेखांकित किया। श्री विजय यादव ने राजीव गांधी जी के वैश्विक दृष्टिकोण तथा उनके विज्ञानोन्मुखी विचारों को प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम के समापन पर एनएसएस छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार एनएसएस जॉइन कैंपेन सेल्फी प्वॉइंट का लोकार्पण किया गया। मंच संचालन तथा आभार प्रदर्शन का दायित्व एनएसएस वॉलिंटियर ने किया। इस अवसर पर डॉ. कंचन मसराम, डॉ ताराचंद बड़घैया, प्रो. खिलेश्वर ठाकरे प्राध्यापकगण एवं राजपथ पर मार्चपास्ट किये हुए पूर्व एनएसएस वॉलिंटियर्स राहुल पटले एवं निरंजन बिसेन, एन एस एस एवं एन सी सी के छात्र-छात्राएं तथा वर्चुअल हॉल में उपस्थित

कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरसा की 02 छात्राओं का "माँ तुझे प्रणाम योजना में हुआ चयन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिरसा से कक्षा 12 वीं में अध्ययनरत छात्रा कुमारी रीना नेताम एवं ज्योति मरकाम का विभागीय खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर मध्यप्रदेश शासन खेल और युवा कल्याण विभाग की माँ तुझे प्रणाम योजनान्तर्गत चयन किया गया है। इस योजना के अंतर्गत जिले की चयनित 32 युवतियों को भी यह अवसर प्राप्त हुआ है। जिले का यह दल ऐतिहासिक, सास्कृतिक, भौगोलिक स्थानों से परिचय प्राप्त करने के लिए देश की सीमाओं का भ्रमण करेगा। जबलपुर संभाग की ओर से 25 अगस्त 2025 को उज्जैन के लिए रवाना किया जाएगा। शाला की इस उपलब्धि के अवसर पर छात्रा रीना नेताम व ज्योति मरकाम को समस्त शालेय परिवार द्वारा सुखद एवं सफल यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी गई हैं।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

नीति आयोग के संपूर्णता अभियान में अच्छा काम करने वाले कलेक्टरों को सम्मानित कर सीएम ने कहा...

अच्छा काम करेंगे तो सरकार आपके साथ

भोपाल। मप्र में पिछले साल एक जुलाई 2024 से 30 सितंबर 2024 तक नीति आयोग द्वारा चलाए गए संपूर्णता अभियान में अच्छा काम करने वाले जिलों के कलेक्टर और तत्कालीन कलेक्टरों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सम्मानित किया। इस दौरान सीएम ने एमपी नीति आयोग की कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि दीनदयाल जी का दर्शन है कि अंतिम व्यक्ति के जीवन में बदलाव और सुधार लाया जाए। देश और प्रदेश के सभी जिले, ब्लॉक और हर इकाई में हर योजना का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचना चाहिए। हम कई लोकलुभावन योजनाओं पर काम करते हैं, लेकिन उन्हें बारीकी से देखने की जरूरत है। सीएम ने कहा कि अच्छा काम करेंगे तो सरकार आपके साथ है।

बुधवार को 8 जिलों के अधिकारियों को बुलाकर उन्हें गोल्ड मैडल दिया गया, जबकि बाकी अवॉर्ड अन्य जिलों में भेजे जाएंगे। बड़वानी के कलेक्टर गुंचा सनोबर छुट्टी पर होने के कारण अवार्ड लेने नहीं आ सकी। इसके बाद तत्कालीन कलेक्टर राहुल हरिदास और दमोह के कलेक्टर सुधीर कोचर को गोल्ड मैडल दिया गया। विदिशा जिले के तत्कालीन कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, टीकमगढ़ के कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय और तत्कालीन कलेक्टर अवधेश शर्मा, निवाड़ी के कलेक्टर लोकेश जांगिड़ और तत्कालीन कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा तथा खंडवा के कलेक्टर को भी गोल्ड मैडल से सम्मानित किया गया।

मप्र लगातार कर रहा विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि इजराइल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां वर्षा बहुत सीमित होती है, लेकिन तकनीक की मदद से पानी की व्यवस्था की जाती है। योजना आयोग का कार्य प्रणाली आज तक समझ में नहीं आया। बड़े सेक्टर में हम पीछे रह गए थे। 2014 के बाद पीएम मोदी ने पूरा परिदृश्य बदल दिया। कई सेक्टर में नवाचार किए गए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। 2003 तक प्रदेश में केवल 5 मेडिकल कॉलेज थे, अब 30 कॉलेज बनने जा रहे हैं और अगले सवा साल में 10 और खुलेंगे। इसके साथ ही हर संभाग में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज खोलने वाला मध्य प्रदेश पहला राज्य बनेगा। एक साल में साढ़े सात लाख हेक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ाया गया है, और अगले 6 साल में इसे एक लाख हेक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य है। दो दिन पहले पीएम मोदी को आमंत्रित किया गया, अक्टूबर में बड़ा कृषि मेला आयोजित किया जाएगा। अब अलग-अलग विषयों पर आधारित कॉन्क्लेव आयोजित किए जा रहे हैं और निवेश को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने मध्य प्रदेश आकर सात बार मार्गदर्शन दिया है। सीएम ने स्पष्ट किया कि अच्छा काम करेंगे तो सरकार आपके साथ है, कहीं कमी करेंगे तो सरकार आपको देख रही है।

रैंकिंग के चक्कर में झूठा डेटा रिपोर्ट न करें

इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कलेक्टरों और अधिकारियों से कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि जब हम लोग समीक्षा करते हैं तब हमारे आंकड़े कितने सच्चे हैं उस पर निर्भर करता है। झूठ बोलना शुरु कर दें तो फिर हम पता नहीं किसको गुमराह कर रहे होते हैं। भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हुए समारोह में नीति आयोग के सचिव रोहित कुमार, सदस्य रमेश चंद्र, प्रभारी मंत्री चेतन्य काश्यप, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी और अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे। सीएस अनुराग जैन ने कहा कि मेरी सभी साथियों से गुजारिश होगी कि ये सुनिश्चित करें कि यह कल्चर नीचे तक पहुंचे। गलत सही जो भी है इस चक्कर में न पड़ें कि हमारी रैंकिग बढ़ेगी या कम हो जाएगी। डेटा सही कैप्चर करें। यदि डेटा सही कैप्चर होगा तो हमें वास्तविकता का ज्ञान मिलेगा और उस हिसाब से हम डेटा बेस्ड पॉलिसी में सही निर्णय ले सकेंगे। यदि हमारे यहां नीचे लोगों ने रैंकिग के चक्कर में झूठ बोलना शुरु कर दिया तो आंकड़े बड़ी अच्छी रोजी पिक्चर दिखाएंगे। जबकि, वास्तविकता में हम देखते हैं कि हम लोगों के अपने इंटरनल आंकड़ों में कुछ प्रतिशत और होता है और जब एक्सटर्नल सर्वे होता है। प्रतिशत कुछ हद तक गिर जाते हैं। इसलिए ऐसे कार्यक्रम को सफल करने के लिए यह वर्क कल्चर बहुत जरूरी है। सच बोलो आंकड़े को सही ढंग से रखो।

अब नए अफसर की पहली पोस्टिंग ट्रायबल ब्लॉक में

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा- मुख्यमंत्री जी पिछड़े जिलों पर विशेष ध्यान देते हैं। अभी जब नए बैच की पोस्टिंग हो रही थी तो हम लोगों ने जो प्रस्ताव दिए थे वो सारे पलट दिए। सीएम साहब ने कहा कि हर जो नया अफसर आ रहा है और एसडीएम बन रहा है वो ट्रायबल ब्लॉक में ही जाएंगे। जो मुख्यमंत्री जी का फोकस और प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा है उसी के अनुरुप मप्र सरकार काम कर रही है। ऑफिसर्स को ट्रायबल और रुरल इलाके में एक अनुभव मिले जिससे जब वो स्टेट लेवल पर आते हैँ तो पॉलिसी लेवल में उन बातों का संज्ञान रहे।

कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद पर धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज

भोपाल। राजधानी भोपाल की मध्य विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के खिलाफ कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने भी कार्यवाही तेज कर दी है। अब कोहेफिजा थाने में मसूद के खिलाफ कूटरचित दस्तावेजों के जरिए धोखाधड़ी करने का केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि उन्होंने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अपने कॉलेज को मान्यता दिलवाई। पुलिस ने यह कार्रवाई जबलपुर हाईकोर्ट के निर्देश पर की गई है। अफसरों का कहना है कि कोर्ट के आदेश के अनुसार केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।गोरतलब है कि पूर्व भाजपा विधायक और बीते विधानसभा चुनाव में भाजपा विधायक प्रत्याशी रहे ध्रुवनारायण सिंह ने इस पूरे मामले की शिकायत की थी। जांच के बाद आयुक्त उच्च शिक्षा ने माना कि अमन एजुकेशन सोसाइटी ने इंदिरा प्रियदर्शनी कॉलेज के संचालन के लिए फर्जी दस्तावेजों पर एनओसी और मान्यता ली। इसके बाद कॉलेज की मान्यता रद्द की गई। जांच में पता चला कि कूटरचित दस्तावेजों के जरिए सेल डीड तैयार करवाई और इसे पंजीयन कार्यालय में फर्जी तरीके से दर्ज भी बताया गया। पिछले दिनों उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज की मान्यता रद्द कर दी थी। हालांकि, छात्रों के हित को देखते हुए कोर्ट ने कॉलेज को जारी रखने की अनुमति दी, लेकिन नए एडमिशन पर पूरी तरह रोक लगा दी। हाईकोर्ट ने इस मामले में तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि बिना राजनीतिक संरक्षण के इतने सालों तक ऐसा कॉलेज नहीं चल सकता। हाईकोर्ट ने सोमवार को फर्जी दस्तावेजों के जरिए कॉलेज की मान्यता प्राप्त करने के मामले में सुनवाई करते हुए एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। कोर्ट ने भोपाल कमिश्नर को आदेश दिया कि वे तीन दिन के भीतर एफआईआर दर्ज कर इसकी जानकारी कोर्ट को दें। जस्टिस अतुल श्रीधरन की कोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं, कि इस पूरे मामले की अब एसआईटी जांच करेगी। एडीजी संजीव शमी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम जांच करेगी। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि 90 दिन में एसआईटी अपनी जांच रिपोर्ट पेश करें।

जंगल, नदी की सर्चिंग और 11 शहरो के 2 हजार सीसीटीवी खंगालने के बाद

नेपाल बॉर्डर पर मिली अर्चना

भोपाल। राजधानी भोपाल जीआरपी ने सिविल जज की तैयारी कर रही अर्चना तिवारी (29) को आखिरकार 12 दिन की लगातार कोशिश के बाद नेपाल बॉर्डर से बरामद कर लिया है। बुधवार सुबह फ्लाइट से उसे भोपाल लाया गया। गौरतलब है की अर्चना 7 अगस्त को नर्मदा एक्सप्रेस के एसी कोच से इंदौर से कटनी के बीच लापता हो गई थी।

एसपी रेल राहुल कुमार लोढ़ा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि अर्चना को यूपी की लखीमपुर खीरी पुलिस की मदद से बरामद किया है। पुलिस को अर्चना ने अपने बयानों में बताया कि वे आगे पढ़ना चाहती थी, लेकिन परिवार वाले उसकी मर्जी के खिलाफ एक पटवारी से रिश्ता तय कर चुके थे, और उसी से शादी कराने का दबाव बना रहे थे। इसी महीने 7 तारीख को सगाई तय की गई थी, जबकि वह अभी शादी नहीं करना चाहती थी। अर्चना ने पुलिस को बताया कि घर से बिन बताए गायब होने की योजना उसने खुद ही बनाई थी। उसका अपहरण नहीं हुआ है, इसी के साथ लापता रहने के दौरान उसके साथ किसी प्रकार का गलत काम भी नहीं हुआ है। घर से भागकर वे अकेले रहकर सिविल जज की तैयारी करना चाहती थी। गौरतलब है कि अर्चना की गुमशुदगी मामले में ग्वालियर के भंवरपुरा थाने के आरक्षक राम तोमर से पूछताछ की गई थी। अर्चना और राम बीते 2 साल से संपर्क में थे। राम ने अपनी आईडी का इस्तेमाल कर मोबाइल से अर्चना के लिए इंदौर से कटनी का टिकट बुक किया था। अर्चना की सर्चिंग इंदौर, भोपाल, कटनी जीआरपी, जिला पुलिस बल के साथ ही वन विभाग की टीमें भी कर रही थी। पुलिस जॉच के दौरान अर्चना ने बताया की ट्रेन में सफर के दौरान इटारसी में रहने वाले दोस्त तेजेंदर सिंह को फोन कर मदद मांगी थी। उसने तेजेंदर को बताया कि वापस इंदौर जाना चाहती है। उसे नर्मदापुरम स्टेशन पर उतार ले। तेजेंदर ने उसकी मदद करते हुए उसे नर्मदापुरम स्टेशन पर ट्रेन से उतारा और अपनी कार से इटारसी पहुंचाया। इटारसी पहुंचने से पहले उसने दोस्त सारांश जोगचंद्र को कॉल कर दिया था। शुजालपुर का रहने वाला सारांश अर्चना के कहे अनुसार 7 अगस्त की रात को इटारसी पहुंच गया। वह उसे लेकर शुजालपुर पहुंचा। यहां कुछ घंटे बिताने के बाद अगले दिन 8 अगस्त को कार से उसे इंदौर छोड़ दिया। रेल एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने आगे बताया कि अर्चना ने तेजेंदर को कॉल कर बताया था, कि उसके मोबाइल की बैटरी डिस्चार्ज हो रही है। ट्रेन में चार्जर का इंतजाम नहीं हो रहा है। नर्मदापुरम स्टेशन का एक खास स्थान तेजेंदर ने पहले ही बता दिया था। उसने अर्चना से वहीं मिलने की बात कही थी। अर्चना ने बुधनी के करीब मिडघाट में अपना मोबाइल फोन और सिम तोड़कर फेंक दी थी। लोढ़ा ने बताया कि अर्चना एडवोकेट है और सिविल जज की तैयारी कर रही है, उसे पुलिस का काम करने का तरीका मालूम है। उसने ट्रेन में अपनी सीट पर अपना दुपट्टा और सामान छोड़ दिया था। मोबाइल मिडघाट में टूटा हुआ मिला, इस कारण पुलिस वहीं आस पास के इलाकों में उसे तलाश करती रही। पुलिस टीमो ने अर्चना की तलाश में इंदौर, भोपाल, सीहोर, रानी कमलापति, नमर्दापुरम, इटारसी, पिपरिया, करेली, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, बिलासपुर सहित अन्य शहरों में लगे लगभग 2 हजार कैमरो के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। नमर्दा नदी में लगभग 32 किलोमिटर तक एसडीआरएफ एवं जीआरपी द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया व रानी कमलापति से जबलपुर तक अलग-अलग टीमे बनाकर पैदल सर्चिंग कराई गई और बरखेड़ा से बुदनी तक वन विभाग के साथ जीआरपी की टीमों के साथ जंगल में सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों की दिल्ली में लगेगी क्लास

- 24 अगस्त को राहुल गांधी नए कांग्रेस अध्यक्षों से करेंगे मुलाकात

भोपाल। प्रदेश के 71 नव नियुक्त जिला अध्यक्षों की पहली क्लास (ट्रेनिंग) राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे़ लेंगे। यह क्लास 24 अगस्त को दिल्ली में आयोजित होगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नव नियुक्त अध्यक्षों को कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी की गाइड लाइन बताई जाएगी। साथ ही आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावो के लिए अभी से तैयारियों के बारे में बताया जाएगा। पीसीसी प्रमुख जीतू पटवारी के माध्यम से सभी जिला अध्यक्षों को दिल्ली में जाने की सूचना दे दी गई है। इन 71 जिला अध्यक्षों में कई अध्यक्ष ऐसे हैं, जो पहली बार नजदीक से देखेंगे और सुनेंगे। सितंबर 2022 में राहुल गांधी ने सभी नेताओं को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया था कि उदयपुर घोषणा के तहत स्वीकृत एक व्यक्ति, एक पद की प्रतिबद्धता का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। यह सिद्धांत न केवल निष्पक्षता का प्रश्न है, बल्कि कार्यकर्ताओं का मनोबल और प्रेरणा बनाए रखने के लिए भी महत्वपूर्ण है, साथ ही संगठन के भीतर सक्षम और योग्य नेताओं को प्रोत्साहन देने के लिए भी आवश्यक है। इस निर्णय ने कार्यकर्ताओं का मनोबल पूरी तरह से तोड़ दिया है। यह अन्याय का संदेश देता है, जिससे उन अनेक सक्षम नेताओं के प्रयासों को ठेस पहुंचती है, जिन्होंने शहर स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए सक्रिय रूप से काम किया है। इसके अतिरिक्त, शहर अध्यक्ष के रूप में नियुक्त व्यक्ति संगठन सृजन अभियान का हिस्सा नहीं था, जो आपके पूर्व आदेश के भावना और निर्देशों से स्पष्ट विचलन है।

पार्टी नेताओं में खासा असंतोष

मप्र में जिलाध्यक्षों की सूची जारी होने के बाद कांग्रेस में प्रारंभ हुआ विवाद थम नहीं रहा है। घोषणा के दो दिन बाद असंतुष्ट और मुखर हो गए हैं तथा नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। पार्टी में चल रहे अंदरुनी घमासान को रोकने की तमाम कवायदें की जा रहीं हैं। इस बीच खबर सामने आई है कि प्रदेश के सभी नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को हाईकमान ने दिल्ली बुलाया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इन सभी को पार्टी की विचारधारा को आत्मसात करते हुए संगठन को चलाने के टिप्स देंगे। मप्र में जिलाध्यक्षों के ऐलान के बाद राज्यभर में पार्टी नेताओं में खासा असंतोष दिखाई दे रहा है। इंदौर, भोपाल, देवास जैसे जिलों में नए जिलाध्यक्षों का विरोध किया जा रहा है। इस बीच प्रदेश के सभी 71 नव नियुक्त जिलाध्यक्षों को दिल्ली बुलाया गया है। एमपी के ये सभी नए पदाधिकारी 24 अगस्त को दिल्ली पहुंचेंगे जहां राहुल गांधी उन्हें प्रशिक्षित करेंगे। नवनियुक्त जिलाध्यक्षों को गुजरात माडल पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

छिंदवाड़ा में सरकार-प्रशासन के खिलाफ कांग्रेस ने बोला हल्ला

छिंदवाड़ा। शहर में कांग्रेस ने बुधवार को एक बड़ा आंदोलन किया। किसानों के साथ आदिवासी की जमीन के मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार सहित छिंदवाड़ा जिले के प्रशसन और सांसद पर सीधा हमला बोला। कांग्रेस ने एक महीना पहले ही इस आंदोलन की चेतावनी दी थी। बुधवार कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन का जिलेभर के नेताओं और किसानों कासमर्थन भी मिला और दस हजार से ज्यादा संख्या में लोग आमसभा सुनने पहुंचे थे। जिले के पूर्व सांसद नकुलनाथ के नेतृत्व में हुए इस हल्लाबोल आंदोलन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमर सिंघार,विधायक संजीव शर्मा, पूर्व मंत्री ओमकार मरकाम, सुश्री विजय लक्ष्मी साधौ के अलाव महाकौशल क्षेत्र के कई पूर्व और मौजूदा विधायक और कांग्रेस के बड़े नेता शामिल हुए। आमसभा में कांग्रेस नेताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार और छिंदवाड़ा जिला प्रशासन के अधिकारियों और सांसद पर सीधा हमला बोला। दोपहर एक बजे से शुरू हुई आमसभा और उसके बाद ज्ञापन देने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन के बाद शाम चार बजे आंदोलन खत्म हुआ।

प्रदेश में चोरों की सरकार- पटवारी

पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार चोरों की सरकार है। वोट की चोरी, खाद की चोरी, विधायकों की चोरी, युवाओं के रोजगार की चोरी, गैस, बिजली सब्सीडी की चोरी हो रही है प्रदेश में। एक भी विभाग ऐसा नहीं है जहां ईमानदारी से काम होता है। सरकार और प्रशासन कह रहा है कि खाद पर्याप्त है तो किसान क्या मजे लेने लाइन में खड़ा हैं। उन्होंने कहा कि ये अलीबाबा चालीस चोरों की सरकार है और किसान और आमजनता इस सरकार को सबक सिखाएगी।

नेता और अधिकारी खाद की कर रहे दलाली

छिंदवाड़ा के पूर्व सांसद नकुलनाथ ने कहा कि पूरे प्रदेश में इस समय किसान खाद के लिए बेहाल है। छिंदवाड़ा में किसान पूछ रहे हैं तो अधिकारी नेता कह रहे हैं खाद पर्याप्त है तो फिर खाद गई कहां। स्पष्ट हैं कि अधिकारी और भाजपा के नेता इसकी कालाबाजारी कर रहे हैं। अपनों के गोदामों में खाद पहुंचा रहे हैं। गरीब किसान मांगने जा रहा है तो उसे डंडे मार रहे हैं। आदिवासियों की जमीनों को गलत तरीके से सामान्य मद पर कन्वर्जन सबसे ज्यादा छिंदवाड़ा में हो रहा है। उनपर अत्याचार किया जा रहा है और ये आदिवासियों के मसीहा बने हुए हैं।

सरकार-नेता प्रशासन सब मिले हुए- सिंघार

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमर सिंघार ने कहा कि प्रदेश में जो मौजूदा हालात बन रहे हैं वे बेहद दुखदायी है। आज यहां हजारों की संख्या में जमा आम व्यक्ति और किसान इस बात का सबूत है कि प्रदेश की सरकार, उसके नेताऔर प्रशासनिक अधिकारी मिल गए हैं। जिले के अधिकारी नेताओं के इशारों पर काम कर रहे हैं।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय में तत्कालीन निदेशक प्रवीण जैन पर भ्रष्टाचार के आरोप में ईओडब्ल्यू में अपराध दर्ज

भोपाल-जबलपुर । शिकायतकर्ता सुधाकर सिंह राजपूत, निवासी सी-25, अधिकारी आवास, डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर, सागर (म.प्र.) ने दिनांक 25 फरवरी 2020 को आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, भोपाल में की गई एक लिखित शिकायत में आरोप लगाया गया कि म.प्र. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल के तत्कालीन निदेशक एवं प्रभारी कुलसचिव प्रवीण जैन ने शासन के निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं की अवहेलना करते हुए बड़ी संख्या में दैनिक वेतनभोगी एवं संविदा कर्मचारियों को अवैध रूप से नियमित किया है एवं यह नियुक्तियाँ बिना शासकीय स्वीकृति, बिना चयन प्रक्रिया और बिना पद सृजन के की गईं, जिससे शासन को करोड़ों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ। साथ ही, यह भी आरोपित किया गया कि श्री जैन ने विभागीय आदेशों को गलत तरीके से लागू कर कर्मचारियों को नियमविरुद्ध लाभ पहुँचाया। जांच में यह तथ्य सामने आया कि वर्ष 2013-14 में भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय में कुलसचिव की अनुपस्थिति के दौरान निदेशक श्री प्रवीण जैन को दो अवसरों (दिनांक 01.10.2013 एवं 27.11.2014) पर मात्र एक-एक दिन के लिए कुलसचिव का अस्थायी प्रभार दिया गया। शासन के आदेशानुसार इस प्रकार का प्रभार निदेशक जैसे शैक्षणिक पदाधिकारी को देना न केवल अनुचित था, बल्कि स्पष्ट रूप से नियमों के विरुद्ध था। बावजूद इसके, श्री प्रवीण जैन ने इस अल्पकालिक प्रभार का दुरुपयोग करते हुए कुल 66 कर्मचारियों (39 + 27) की नियमविरुद्ध नियुक्तियाँ/नियमितीकरण कर दिए। इनमें कंप्यूटर ऑपरेटर, लिपिक, भृत्य, वाहन चालक, तकनीकी स्टाफ, सहायक प्राध्यापक, स्टेनोग्राफर आदि शामिल हैं।

यह नियुक्तियाँ शासन की स्वीकृति, पद सृजन, रोस्टर पालन, आरक्षण नीति, तथा वैधानिक प्रक्रिया जैसे आवेदन, चयन, मूल्यांकन आदि के पूर्ण अभाव में की गईं। दिनांक 05.10.2013 को उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी कर विश्वविद्यालय को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि यदि कोई नियमितीकरण किया गया हो तो उसे तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए, परंतु प्रवीण जैन ने उक्त आदेश को 卐स्थगित卐 कर बताया और नियुक्तियाँ यथावत बनी रहीं।इसके अतिरिक्त श्री जैन द्वारा अपने प्रभाव का उपयोग कर कुछ कर्मचारियों को प्रतिनियुक्ति योग्य पदों पर भी सीधी नियुक्ति दी गई, वहीं कुछ कर्मचारियों को गलत पद वर्ग में समायोजित किया गया। प्रवीण जैन ने सरकार की पूर्व अनुमति के बिना ही पदों का अवैध सृजन किया, जो मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 24(21) का उल्लंघन था।

जांच के दौरान विश्वविद्यालय से प्राप्त रिकॉर्ड, शासन के निर्देश, ऑडिट प्रतिवेदन एवं विभागीय संचारों का परीक्षण किया गया। जांच से यह तथ्य प्रमाणित हुआ कि प्रवीण जैन द्वारा जानबूझकर शासन को धोखे में रखकर, कूटरचित/भ्रामक प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से अवैध नियुक्तियाँ की गईं, जिनका विधिक आधार नहीं था। इन तथ्यों के आधार पर, प्रवीण जैन और अन्य अज्ञात/संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 420 (धोखाधड़ी), 120-बी (आपराधिक षड्यंत्र), और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधन-2018) की धारा 7 (सी) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

नए मुख्य सचिव के लिए चर्चा में 3 बैच के अफसरों के नाम

भोपाल। प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन 10 दिन बाद 31 अगस्त को रिटायर होने जा रहे हैं। अभी तक यह तय नहीं है कि उन्हें एक्सटेंशन मिलेगा या नहीं। अभी तक न तो जैन के एक्सटेंशन का प्रस्ताव दिल्ली भेजा गया है और न ही नए अन्य अधिकारी को मुख्य सचिव बनाने का निर्णय हुआ है। हालांकि नए मुख्य सचिव के लिए 1990, 1991 और 1992 बैच के अफसरों के नाम चर्चा में है।

मुख्य सचिव के दावेदार अधिकारियों में सबसे प्रमुख नाम अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा (1990) का है। इसके साथ ही 1990 बैच की आईएएस अलका उपाध्याय का नाम भी शामिल है। यदि 1990 बैच के अधिकारियों के नाम पर सहमति नहीं बनती है तो फिर 1991 बैच के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल भी मुख्य सचिव हो सकते हैं। वर्णवाल के पास वन विभाग के साथ-साथ कृषि उत्पादन आयुक्त का भी जिम्मा है। अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव भी 1991 बैच के हैं। इस बैच के सिर्फ दो अधिकारी है। इसके बाद 1992 बैच के पंकज अग्रवाल का नाम भी चर्चा में है। पंकज केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। वे ऊर्जा मंत्रालय में पदस्थ हैं। नए मुख्य सचिव को लेकर प्रदेश की नौकरशाही में चर्चा जोरों पर है। मुख्य सचिव की दौड़ में शामिल अधिकारियों की सक्रियता पर नजर रखी जा रही है। जिलों से लेकर राजधानी भोपाल एवं राष्ट्रीय राजधानी में पदस्थ अधिकारी मुख्य सचिव के निर्णय पर नजर बनाए हुए हैं।

मप्र के साढ़े सात लाख शासकीय सेवकों को केंद्र सरकार के अनुरूप मिलेगी छुट्टियां

भोपाल। मध्य प्रदेश के साढ़े सात लाख शासकीय कर्मचारियों को अब केंद्र सरकार के अनुरूप अवकाश दिया जाएगा। इसके लिए मप्र सरकार ने 48 साल पुराने मप्र सिविल सेवा (अवकाश) नियम-1977 में बदलाव किया है। यह निर्णय मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया।

कैबिनेट ने वित्त विभाग के मध्य प्रदेश सिविल सेवा (अवकाश) नियम-2025 के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

पिछले टी20 विश्वकप के बाद से ही टीम में आये कई बदलाव

कई दिग्गज खिलाड़ी इस बाहर शामिल नहीं किये गये

मुम्बई । टी20 विश्व कप 2024 के बाद से ही भारतीय टीम में काफी बदलाव आया है। अब एशिया कप 2025 के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। उसमें काफी अंतर नजर आया है। टीम में रोहित शर्मा , विराट कोहली से सहित कई खिलाड़ी इस बार नहीं हैं। । भारतीय टीम टीम का ऐलान कर दिया है। बीसीसीआई ने यूएई में नौ सितंबर से शुरू हो रहे एशिया कप के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, इसके बावजूद कई बड़े नाम पीछे छूट गए हैं। भारतीय टीम ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व खिताब जीता था। रोहित की कप्तानी में भारतीयस टीम ने 17 साल बाद

ट्रॉफी अपने नाम की थी। हालांकि चैंपियन बनने के साथ ही रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया, जिसके बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया। टी20 विश्व कप के बाद पहली बार भारतीय टीम टी20 प्रारूप में बड़े टूर्नामेंट में खेलने उतरेगी, ऐसे में दोनों टीमों की तुलना की जाए तो कई खिलाड़ी भारतीय दल में जगह नहीं बना पाए हैं। टी20 विश्व कप के लिए चुनी गई टीम में रोहित शर्मा कप्तान थे, जबकि हार्दिक पांड्या को उपकप्तान बनाया गया था पर करीब एक साल बाद एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम में सूर्यकुमार यादव कप्तान हैं और शुभमन गिल उपकप्तान बनाए गए हैं। बता दें शुभमन पिछले साल खेले गए टी20 विश्व कप के दौरान स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में थे।

पिछले टी20 विश्व कप और एशिया कप दल की तुलना की जाए, तो विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने इस प्रारुप से संन्यास ले लिया है। उनके अलावा यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, युजवेंद्र चहल और मोहम्मद सिराज भी स्क्वॉड में शामिल नहीं है। ऋषभ चोट के कारण टीम से बाहर हैं। जबकि सिराज को आराम दिया गया है। वहीं चहल को हटाया गया हैं, जबकि जायसवाल स्टैंबाय की सूची में हैं।

टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम ने कुल पांच टी20 सीरीज खेली है, जिसमें चार में सूर्यकुमार यादव ने कप्तानी की है। रोहित के संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव को कप्तान चुना गया था। हालांकि जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में आराम दिए जाने के कारण शुभमन गिल ने टीम की कमान संभाली थी। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ पिछले साल जुलाई में टी20 मैच खेला था लेकिन उसके बाद से वह टी20 टीम का हिस्सा नहीं थे। इस दौरान अक्षर पटेल टीम के उपकप्तान थे हालांकि एशिया कप के लिए उन्हें कप्तानी से बाहर कर दिया गया था।

श्रेयस और यशस्वी को बेहतर प्रदर्शन के बाद भी बाहर करना दुखद – अश्विन

चेन्नई । पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने एशिया कप के लिए बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को शामिल नहीं किये जाने पर नाराजगी जतायी है। अश्विन ने कहा कि श्रेयस को शामिल नहीं किया जाना दुखद है। इससे प्रशंसक भी निराश हैं। अश्विन ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को भी बाहर रखे जाने पर भी सवाल उठाया है और कहा है कि उन्हें बेहतर प्रदर्शन के बाद भी जगह नहीं मिलना समझ से परे है।

अश्विन ने कहा, 'चयन ऐसा काम है जिसमें कोई तो बाहर रहेगा ही। जब आप उनसे बात करते हैं तो उनके चेहरों की निराशा और दुख को महसूस कर सकते हैं। उम्मीद है कि किसी ने श्रेयस और जायसवाल से बात की होगी।' अश्विन ने कहा, 'जब आपके पास तीसरे सलामी बल्लेबाज के रूप में यशस्वी है तो भी आप शुभमन गिल को लेकर आए। मैं शुभमन के लिए खुश हूं पर श्रेयस और यशस्वी के लिए दुखी हूं। दोनों के साथ अच्छा नहीं हुआ।'

उन्होंने कहा, 'श्रेयसा ने टीम से बाहर होने के बाद भी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार बल्लेबाजी की थी। अगर श्रेयस को बाहर किये जाने का जवाब यह है कि शुभमन शानदार फॉर्म में है तो श्रेयस भी है। इसलिए उसे भी जगह मिलनी चाहिये थी। यशस्वी इंग्लैंड में अंतिम मैच में कठिन पिच पर शानदार पारी खेली थी इसके बाद भी उसे बाहर कर दिया गया। '

अश्विन ने कहा, 'श्रेयस की क्या गलती है। उसने केकेआर को आईपीएल जिताया. उसे नीलामी में भेज दिया गया. उसके बाद वह 2014 के बाद पहली बार पंजाब को फाइनल तक ले गया। उसने शॉर्टगेंद की अपनी कमजोरी भी दूर कर ली। इसलिए मैं उसे और यशस्वी को शामिल नहीं किये जाने से निराश हूं। '

वहीं पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर ने भी चयनकर्ताओं के फैसले की निंदा करते हुए कहा कि यह संकेत है कि अब टी20 क्रिकेट में श्रेयस के लिए काफी कम संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, 'श्रेयस 20 सदस्यीय टीम में क्यो नहीं हैं। इससे साफ है कि वह भविष्य की योजनाओं को हिस्सा अब नहीं रहा। '

एशिया कप से सिराज को बाहर रखन गलत– हरभजन

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने तेज गेंदबाज मोहम्म सिराज को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किये जाने पर निराशा जतायी है। हरभजन ही नहीं कई अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने भी सिराज को बाहर रखे जाने पर नाराजगी जतायी है। एशिया कप का यह संस्करण

टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। सिराज ने टी20 विश्व कप 2024 में भारत के लिए आखिरी बार टी20 मैच खेला था। इसके बाद से वह टी20 के लिए शामिल नहीं किये गये हैं। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि सिराज का नाम भी शामिल होने चाहिए। सिराज ने हाल ही में इंग्लैंड में समाप्त हुई सीरीज में शानदार गेंदबाजी की थी। उन्होंने इंग्लैंड में काफी गेंदबाजी की भी पिछले कुछ दिनों में उन्हें आराम भी मिल गया है। इसलिए उन्हें रखा जा सकता है। अगर वह टीम में होते, तो टीम मजबूत दिखती। गेंदबाजी ईकाई बहुत मजबूत दिखती। मुझे लगता है कि सिराज जो एक्स फैक्टर लेकर आते हैं, वो कहीं दिख नहीं रहा। इससे पहले चयन समिति मुंबई ने टीम की घोषणा में सिराज को आराम दिये जाने की बात कही। वह इंग्लैंड दौरे पर सभी पांच टेस्ट मैच खेलने वाले एकमात्र तेज गेंदबाज थे और उन्होंने सीरीज में कुल 185.3 ओवर गेंदबाजी की। उन्हें इस साल चैंपियंस ट्रॉफी की टीम में जगह नहीं मिली थी

स्मिथ और मैक्सवेल के विकल्पों की तलाश

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि साल 2027 विश्व कप को देखते हुए टीम को अभी से बल्लेबाज स्टीव स्मिथ और ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ियों के विकल्प तलाशने होंगे। इसके साथ ही तय रणनीति के अनुसार तैयारियां करनी होंगी। स्मिथ और मैक्सवेल ने चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद ही एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कह दिया था।

इन दोनो का विकल्प तलाशना आसान नहीं है क्योंकि स्मिथ लंबी बारी खेलने वाले बेहतरीन बल्लेबाज हैं। वहीं मैक्सवेल गेंद औरा बल्ले दोनो से ही अहम भूमिका निभाते हैं। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से ही खिलाड़ियों पर नजर रखनी होगी। मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल ओवेन और लांस मौरिस चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हैं। ऐसे में किन खिलाड़ियों को स्टीव स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल की जगह मौका दिया जाए। ये सवाल इस सीरीज के अलावा आने वाली सीरीजों में भी ऑस्ट्रेलिया के लिए चिंता का कारण होगा। मार्नस लाबुशेन एकदिवसीय सीरीज खेलेंगे, क्योंकि अनुभवी बल्लेबाज भी टीम में होना चाहिए।

हालांकि, वे टेस्ट टीम से बाहर हो चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया को अब उनको कूपर कोनोली, आरोन हार्डी और मैट कुहनेमैन पर भरोसा करना होगा। इनमें से जिस भी खिलाड़ी को इस सीरीज में मौका मिलेगा और वह इन अवसरों का लाभ उठाना चाहेगा और स्मिथ और मैक्सवेल की जगह वह टीम में जगह बनाने की दावेदारी पेश करेगा। वहीं दूसरी ओर अफ्रीका की टीम के लिए बेहतर हालत में है। उसके पास हेनरिक क्लासेन की जगह मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज है, जो टी20 में धाक जमान के बाद वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करेगा।

हर्षित राणा को एशिया कप के लिए शामिल किया जाना गलत– श्रीकांत

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कृष्णम्माचारी श्रीकांत ने एशिया कप 2025 के लिए युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को शामिल किये जाने की आलोचना करते हुए कहा कि ये एक गलत फैसला है। श्रीकांत के अनुसार राणा ने आईपीएल में भी अच्छी गेंदबाजी नहीं की थी। श्रीकांत ने कहा कि राणा की टीम में जगह नहीं बनती थी क्योंकि पिछले कुछ समय में मोहम्मद सिराज ने जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

राणा के चयन पर श्रीकांत ने नाराजगी दिखाते हुए पूछा वह बीच में कैसे आया ? आईपीएल में उसका प्रदर्शन बेकार था। उसे मैनेज किया जा रहा है। आईपीएल में उसका इकॉनमी रेट 10 का था। साथ ही कहा कि इस प्रकार के फैसले से आप मोहम्मद सिराज को क्या संदेश दे रहे हैं?

श्रीकांत ने टीम के संयोजन पर भी सवाल उठाये और उन्होंने कहा कि ऑलराउंडर शिवम दुबे की जगह वाशिंगटन सुंदर जैसे किसी खिलाड़ी को टीम में होना चाहिए था। उन्होंने कहा, वे तिलक वर्मा को छठा गेंदबाज बनाएंगे। साथ ही सवाल किया कि क्या अभिषेक शर्मा आपके छठे गेंदबाज होंगे या शिवम दुबे? उन्होंने आईपीएल में शायद ही कोई गेंदबाजी की हो। यह एक समायोजन वाला चयन है। अगर आपको किसी ऐसे गेंदबाज की जरूरत होती जो आठवें नंबर पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों कर सके, तो सुंदर आदर्श होते। शिवम दुबे को आठवें नंबर पर रखना कोई मायने नहीं रखता।

एमबाप्पे के गोल से रियाल मैड्रिड ने ओसासुना को हराया

मैड्रिड। स्टार फुटबॉलर काइलियन एमबाप्पे के शानदार गोल से रियाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा के अपने पहले ही मैच को जीत लिया है। एमबाप्पे ने अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत करते हुए पेनल्टी के जरिये ये गोल दागा। इससे उनकी टीम ने ला लिगा लीग के अपने पहले मैच में ओसासुना क्लब को 1-0 से पराजित किया। एमबाप्पे पिछले सत्र में ही रियाल में आये हैं। एमबाप्पे ने 51वें मिनट में पेनल्टी किक पर गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलायी। । एमबाप्पे ने पिछले सत्र में भी अपनपे क्लब की तरफ से सबसे अधिक गोल किये थे और ये ही प्रदर्शन उन्होंने बनाये रखा। रियाल मैड्रिड ने इस प्रकार नए सत्र की जीत से शुरुआत की है। वहीं एक अन्य मुकाबले में बार्सिलोना ने शनिवार को मालोर्का को 3-0 हराया।

कोच की भूमिका में नजर आयेंगे आरोन

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के अगले सत्र के लिए पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन को अपना गेंदबाजी कोच बनाया है। वह 2026 सत्र के लिए न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स फ्रैंकलिन की जगह कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। आरोन ने साल 2011 से साल 2015 के बीच भारतीय टीम की ओर से नौ टेस्ट और उतने ही एकदिवसीय मैच खेले थे। आरोन ने अपना अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच इसी साल पांच जनवरी को जयपुर में गोवा के खिलाफ झारखंड के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में खेल था। झारखंड के घरेलू टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में पहुंचने में विफल रहने के बाद इस खिलाड़ी ने संन्यास ले लिया था। इस क्रिकेटर ने पिछले साल चेन्नई में एमआरएफ पेस फाउंडेशन में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ के साथ एक कोच के रूप में भी काम किया है। आरोन ने एक तेज गेंदबाज के रूप में अपनी पहचान बनाई थी। वह 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने के कारण सभी की नजरों में आये पर उसी दौरा उभरे उमेश यादव विकेट लेने की अपनी क्षमत के कारण चयनकर्ताओं की पहली पसंद बन गये ओर आरोन पीछे होते गये। उमेश ने जहां देश के लिए 50 से अधिक टेस्ट के साथ ही सीमित ओवरों के कई मुकाबले खेले। वहीं आरोन चोटिल होने के कारण अधिकतर समय बाहर रहे।

आजम और मोहम्मद रिजवान अब पाकिस्तान के प्रमुख खिलाड़ी नही– मोहम्मद हफीज

लाहौर। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के लिए खराब दौर चल रहा है। इन दोनो की ही जरुरत लगता है पाक क्रिकेट को नहीं रही। इसी कारण एशिया कप के लिए टीम में जगह नहीं दिये जाने के बाद इन दोनो को केन्द्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया गया है। पाक के ही एक पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद हफीज ने कहा है कि अब ये दोनो पाक क्रिकेट के लिए जरुरी नहीं रहे। हफीज ने कहा, इन दोनो को अब प्रमुख खिलाडी नहीं कह सकते। प्रमख खिलाड़ी वे होते हैं जो पाकिस्तान के लिए मैच जीतते है। हफीज ने कहा कि टीम को बड़े नामों पर निर्भर रहने की जगह पर युवाओं को आगे लाना होगा। उन्होंने कहा, अगर हम पिछले डेढ़-दो सालो पर नजर डाले तो लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी सलमान अली आगा, सैम अयूब और हसन नवाज है। हम उनके बारे में बात क्यों नहीं कर रहे है। ये मौजूदा खिलाड़ी है जो पाकिस्तान के लिए मैच जीत रहे है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि बाबर और रिजवान को टीम में अपनी स्थिति को लेकर चिंतित होने की जरूरत है। उन्हें पहले अपने को एक अच्छे खिलाड़ी के रूप में साबित करना होगा। प्रमुख खिलाड़ी बाद में आते है। दोनो पहले अच्छे थे लेकिन अब वे परिणाम नहीं दे पा रहे है। हफीज ने बताया कि पाकिस्तान के गेंदबाजो ने भी हाल ही में मैच विजेता प्रदर्शन नहीं किया है। हफीज ने कहा, नसीम शाह और शाहीन शाह अफरीदी के लिए भी यही बात लागू होती है। वे भी पाकिस्तान के लिए मैच विजेता नहीं रहे। है। साथ ही कहा कि हमें उन खिलाड़ियो पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो अगले 10 द्यद्य 15 साल तक योगदान दे सके।

शुभमन को उपकप्तान बनाने का कारण सामने आया

सूर्यकुमार के उत्तराधिकारी के लिए तैयार कर रहा बोर्ड

मुम्बई। अगले माह 9 सितंबर से शुरु हो रहे एशिया कप के लिए बल्लेबाज शुभमन गिल को उपकप्तान बनाये जाने से साफ हो गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयनसमिति उन्हें भविष्य में कप्तानी संभालने के लिए तैयार करना चाहती है। इसी कारण यशस्वी जायसवाल की जगह उन्हें टीम में शामिल किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार शुभमन को चयनकर्ताओं ने यशस्वी के मुकाबले अधिक वरीयता दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार 25 साल के शुभमन ने भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट टीम की कप्तान करते हुए 700 से ज्यादा रन बनाये थे। भारतीय टीम ने सीरीज में भी वापसी करते हुए उसे 2-2 पर रोक दिया था। इसी को देखते हुए गंभीर और चयनकर्ता उन्हें अब टी20 में भावी कप्तान के रूप में तैयार करना चाहते हैं। यही कारण है कि उन्हें अक्षर पटेल की जगह उप-कप्तान बनाया गया है। सूर्यकुमार अब 35 साल के होने के करीब हैं। जिसको देखते हुए भी शुभमन को उनके साथ उप-कप्तान के रूप में शामिल करने किया गया है। जिससे वह

भविष्य में इस प्रारुप की भी कप्तानी संभाल सकें। गौरतलब है कि शुभमन ने अब तक 21 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने पिछले साल हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों में भारत की कप्तानी की थी और उनमें से चार में जीत हासिल की थी। वहीं सूर्यकुमार ने अब तक 23 टी20 अंतरराष्ट्री मैचों में भारत की कप्तानी करते हुए 18 मुकाबले जीते है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम केवल 4 मैच ही हारी है।

बुमराह के समर्थन में उतरे चेतन शर्मा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर और चयन समिति के प्रमुख रहे चेतन शर्मा ने कहा है कि कार्यभार प्रबंधन के तहत इंग्लैंड दौरे में केवल तीन मैच ही खेलने के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की आलोचना करना ठीक नहीं है। चेतन ने बुमराह का बचाव करते हुए कहा कि उनका फैसला सही था। जब फिजियो ने उन्हें सावधानी रखने को कहा है तो उसकी बात माननी चाहिये क्योंकि वे चीजों को बेहतर समझ सकते हैं। बुमराह पांच मैच की एंडरसन-तेंदुलरकर ट्रॉफी के दौरान पहले, तीसरे और चौथे टेस्ट में खेले थे। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि ये किसी मरीज के डॉक्टर की सलाह मानने की तरह है। साथ ही कहा कहा, "अगर मेडिकल टीम सलाह देती है, अगर डॉक्टर मुझे कहता है कि मुझे एंटीबायोटिक खाने होंगे तो मुझे ऐसा करना होगा , इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, "यदि हमारे फिजियो किसी खिलाड़ी को काम के बोझ के प्रबंधन के लिए कह

रहे हैं तो मुझे लगता है कि हमें उनकी बात सुननी चाहिए क्योंकि वे चीजों को बेहतर समझते हैं।"

तेज गेंदबाज रहे चेतन ने कहा कि इंग्लैंड में टेस्ट टीम के प्रदर्शन को देखकर उन्हें भरोसा हो गया है कि टीम अगले महीने यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप 2025 को भी जीतेगी। उन्होंने कहा, "मुझे पता है कि जो भी चुना जाएगा वह देश के लिए सर्वश्रेष्ठ ही होगा। मुझे भारत के इंग्लैंड में प्रदर्शन पर बेहद गर्व है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम एशिया कप जरूर जीतेंगे।"

रोहित ही रहें 2027 एकदिवसीय विश्वकप तक कप्तान– रायुडू

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है कि एकदिवसीय विश्व कप 2027 के लिए रोहित शर्मा को ही भारतीय टीम का कप्तान रहना चाहिये। रायुडू ने कहा है कि वह साल 2027 तक खेलने के लिए फिट नजर आते हैं। रायुडू के अनुसार विश्व कप जिताने की क्षमता रोहित में है। वह काफी अनुभवी हैं और विश्व कप के लिए ऐसे ही खिलाड़ी की जरुरत है। रायुडू ने कहा, 卐आपको देखना होगा कि कौन आपको विश्व कप जिता सकता है। अगर रोहित की कप्तानी ऐसा कर सकती है, तो उन्हें 2027 तक कप्तानी जारी रखनी चाहिए। साथ ही कहा कि एकदिवसीय में अब भी रोहित की जगह कोई नहीं ले सकता, उनकी कप्तानी, उनकी बल्लेबाजी और उनका आत्मविश्वास बेहद अहम हैं। इसलिए मेरे अनुसर 2027 के विश्व कप में रोहित को ही कप्तान होना चाहिए। रोहित ने अब तक भारतीय टीम को दो बार आईसीसी ट्रॉफी में जीत दिलायी है। 2024 का टी20 वर्ल्ड कप और 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी में उनकी कप्तानी में भारत जीता है। हालांकि, 2023 के एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में भारतीय टीम हारी थी पर टी20 विश्वकप ओर चैम्पियंस ट्रॉफी जीतना भी बड़ी उपलब्धि है। रोहित ने टी20 विश्व कप 2024 के बाद टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट और इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि वह 2027 विश्व कप तक अपनी फिटनेस कैसे बनाये रख पायेंगे क्योंकि तब तक उनकी उम्र भी 39 साल के करीब हो जाएगी।

पृथ्वी ने बुची बाबू टूर्नामेंट में महाराष्ट्र की ओर पहले ही मैच में शतक लगाया

चेन्नई। लंबे समय से खराब फार्म से परेशान पृथ्वी शॉ ने महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए बुची बाबू इनविटेशनल टूर्नामेंट में शतक लगाया है। पृथ्वी ने कुछ दिन पहले ही मुंबई टीम को छोड़ा था। पृथ्वी की शानदार बल्लेबाजी से महाराष्ट्र की टीम छत्तीसगढ़ के खिलाफ 200 रन ही पार कर पाई। पृथ्वी ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ 141 गेंद में 111 रन बनाये। इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में 14 चौके और एक छक्का लगाया। इससे महाराष्ट्र ने दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 217 रन बनाए। वहीं छत्तीसगढ़ की पहली पारी में 252 रन बना पायी थी।

पृथ्वी ने सचिन धास के साथ पहले विकेट के लिए 71 रन की साझेदारी की पर इसके बाद चार विकेट जल्दी-जल्दी खो दिये। ऋतुराज गायकवाड़ और अंकित बावने के जल्दी आउट होने के बाद पृथ्वी ने पांचवें विकेट के लिए सिद्धार्थ म्हात्रे के साथ 57 रन बनाये। शतकीय पारी खेलते के बाद पृथ्वी शॉ ने स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी की सहानुभूति नहीं चाहते हैं। पृथ्वी के लिए पिछला समय अच्छा नहीं रहा है। इस क्रिकेटर ने कहा , मुझे फिर से शुरूआत करने में कोई दिक्कत नहीं है क्योंकि मैंने अपनी जिंदगी में काफी उतार चढ़ाव देखे हैं। मैं एक बहुत ही आत्मविश्वासी इंसान हूं, मुझे अपने पर, अपने काम के तरीके पर पूरा भरोसा है। मुझे उम्मीद है कि यह सत्र मेरे और मेरी टीम के लिए वाकई अच्छा रहेगा।

पाकिस्तान से मैच के सवाल पर बीसीसीआई मैंनेजर बोले, चयन से जुड़ा सवाल ही पूछें

मुम्बई। एशिया के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के चयन को लेकर हुई पत्रकार वार्ता के दौरान एक सवाल से चयनसमिति के प्रमुख अजित अगरकर और भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव असहज हो गये। इस पत्रकार ने पूछा कि वर्तमान समय के तनावपूर्व माहौल में भारतीय टीम 14 सितंबर को पाकिस्तान के साथ होने वाले मैच को खेलेगी या नहीं। ऐसे में अगरकर और सूर्यकुमार जवाब देते इससे पहले ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड के मीडिया मैनेजर ने कहा, 'रुकिए अभी आप चयन से जुड़ा हुआ कोई सवाल ही पूछ सकते हैं अन्य सवाल नहीं।'

गौरतलब है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच को लेकर प्रशंसकों का विरोध बढ़ता रहा है। कई लोग इस मैच के बहिष्कार की मांग कर रहा है। उनका कहना है कि जिस प्रकार पाक ने पहलगाल में आतंकी हमला कराया उसको देखते हुए पाक से कोई मैच नहीं खेलना चाहिये। संसद में भी यह मामला उठा है। कई सांसदों ने इस मैच को रद्द करने की मांग की है। पहलगाम हमले के बाद भारतीय टीम ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था जिसके तहत ही भारत ने पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में स्थित आतंकी अड्डों पर हमले किये थे जिसमें कई आतंकी मारे गये थे। जिसके बाद पाक सेना ने भारत पर ड्रोन हमले किये थे जो भारतीय एयर डिफेंस ने नष्ट कर दिये थे।

हाल ही में रिटायर्ड क्रिकेरों की लीग में भी इंडिया चैम्पियंस टीम ने पाक से मैच का बहिष्कार किया का।

संकट में सामने आया रूस, भारतीय समानों का स्वागत....सस्ते तेल की सप्लाई जारी रहेगी

अमेरिका को तंज, दोस्त कभी पाबंदियां नहीं लगाते

नई दिल्ली। अमेरिका की ओर से भारतीय उत्पादों पर लगे 50 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ के बीच भारत के सदाबहार दोस्त रूस का बड़ा बयान सामने आया है। रूस का कहना है कि यदि किसी देश में भारतीय उत्पादों पर रोक लग रही है, तब रूस के बाजार में भारतीय सामनों का स्वागत है। भारत में रूसी मिशन के डिप्टी चीफ रोमन बाबूश्किन ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अर्थव्यवस्था को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है, लेकिन अमेरिका को यह ध्यान रखना चाहिए कि दोस्त कभी पाबंदियां नहीं लगाते। रूस कभी इस तरह की पाबंदियां नहीं लगाएगा। उन्होंने कहा कि भारत और रूस ने हमेशा कठिन समय में एक-दूसरे का साथ दिया है। हम भारत को कच्चे तेल की सप्लाई जारी रखने वाले हैं, और इसके लिए मेकेनिज्म तैयार किया है।

इसके अलावा बाबूश्किन ने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक से इतर पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात होगी। इस बैठक में कई अहम मसलों पर चर्चा हो सकती है। हालांकि उन्होंने पुतिन के भारत दौरे को लेकर कहा कि इसकी तारीखें तय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच कारोबार तेजी से बढ़ रहा है और 2030 तक यह 100 अरब डॉलर के पार होगा। इसके अलावा भारत को फर्टिलाइजर और तेल, गैस आदि की सप्लाई करने में रूस पहले नंबर पर बना हुआ है। रूसी राजदूत ने कहा कि अमेरिका की रणनीति गलत है और उस पर ही भारी पड़ रही है। टैरिफ वार के चलते डॉलर पर भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ व्यापारिक असंतुलन को खत्म करने के लिए रूस कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि भारतीय निर्यात रूसी बाजार में बढ़े। हम चाहते हैं कि मशीनरी, फार्मा, चाय और चावल जैसी चीजों का आयात भारत से बढ़ा लें। इतना ही नहीं उनका कहना था कि अमेरिका ने टैरिफ अटैक का जो फैसला लिया है, वह गलत और एकतरफा है। रूसी राजदूत से पूछा गया कि क्या भारत की ओर से रूस से तेल खरीद रोकी जा सकती है। इस पर उन्होंने कहा कि मुझे ऐसा नहीं लगता है। उन्होंने कहा कि हम भारत के साथ चर्चा कर सारी समस्याओं को दूर करने वाले हैं।

रूसी राजनयिक ने कहा कि भारत हमारे लिए हमेशा से ही बहुत मायने रखता है। राष्ट्रपति पुतिन ने यूक्रेन के मामले पर पीएम मोदी से दो बार फोन पर बात की है। उन्होंने कहा कि भारत की जरूरत का 40 फीसदी तेल रूस मुहैया करा रहा है और दुनिया भर के अन्य देशों के मुकाबले 5 फीसदी डिस्काउंट देता है। उन्होंने कहा कि भारत और रूस की दोस्ती स्वाभाविक है। दोनों देशों ने साथ मिलकर ब्रह्मोस मिसाइल तैयार की है। इसके अलावा अन्य हथियारों पर भी काम कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने चीनी विदेश मंत्री के भारत दौरे का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि रूस, भारत और चीन का सहयोग महत्वपूर्ण है। हम चाहते हैं कि यह जल्दी और मजबूती से आगे बढ़े।

उन्होंने भारत की ओर से पाकिस्तान के खिलाफ हुए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर कहा कि यह रूसी हथियारों की टेस्टिंग का भी मौका था। उन्होंने कहा कि हमारे एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की इस जंग में टेस्टिंग हो गई। भारत जब भी एयर डिफेंस सिस्टम तैयार करेगा, तब रूस उसका हिस्सा रहेगा।

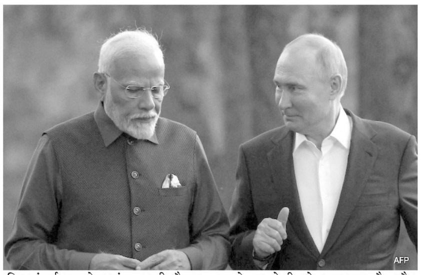

लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में आरोप तय करने का कोई आधार नहीं

-राबड़ी देवी की ओर से राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश की गई दलीलें

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में राबड़ी देवी की ओर से राउज एवेन्यू कोर्ट में दलीलें पेश की। राबड़ी देवी के वकील ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में उनके खिलाफ आरोप तय करने का कोई आधार नहीं है जिस जमीन की बात की जा रही है, वह साल 2005 में खरीदी गई थी। उस समय सभी कानूनी कागज, जैसे कि सेल डीड मौजूद थे। उन्होंने यह भी कहा कि जमीन खरीदने के 6 साल बाद तक किसी को कोई नौकरी नहीं मिली, ऐसे में यह कहना कि जमीन के बदले नौकरी दी गई, यह तर्क गलत है।

राबड़ी देवी के वकील ने कहा कि सीबीआई को यह बताना चाहिए कि भ्रष्टाचार आखिर किस स्तर पर हुआ है और कौन-सी प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई। उन्होंने सवाल किया कि जब जमीन खरीदना एक कानूनी लेन-देन है, तो इसे अपराध कैसे माना जा सकता है? उन्होंने कहा कि हम इस बात के लिए शुक्रगुजार हैं कि सीबीआई ने साफ कहा कि लालू प्रसाद यादव ने जमीन खरीदी थी, किसी की जमीन छीनी नहीं। साथ ही सीबीआई का यह भी कहना है कि लालू प्रसाद ने किसी पर कोई एहसान नहीं किया और ना ही किसी को बिना मेहनत के नौकरी दी।

वकील ने कोर्ट को बताया कि जिन लोगों से जमीन खरीदी गई, उन्हें पैसे दिए गए थे। यह सामान्य खरीद-बिक्री थी। उन्होंने कोर्ट को बताया कि जिन लोगों को बाद में नौकरी मिली, वे सभी आज भी नौकरी में कार्यरत हैं और उनका प्रमोशन भी नियमित रूप से किया गया है। अगर यह भर्ती गलत होती, तो क्या वे अब तक नौकरी में रहते? वकील ने कहा कि अगर यह सौदा गलत होता तो क्या सीबीआई यह नहीं कहती कि जमीन के बदले पैसे नहीं दिए गए? लेकिन ऐसा कोई आरोप सीबीआई की ओर से नहीं है।

दिल्ली के 50 स्कूलों को बम की धमकी मिली

नई दिल्ली। दिल्ली के करीब 50 स्कूलों को बुधवार सुबह ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। इनमें द्वारका के राहुल मॉडल स्कूल और मैक्सफोर्ट स्कूल, मालवीय नगर का एसकेवी और प्रसाद नगर का आंध्रा स्कूल शामिल हैं।

दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, सुबह 7:40 बजे मालवीय नगर के एसकेवी और 7:42 बजे आंध्रा स्कूल में धमकी की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की टीमें मौके पर पहुंचीं। तलाशी में कोई विस्फोटक नहीं मिला। इस घटना से बच्चों के परिजन घबरा गए। कुछ स्कूलों ने सुरक्षा के चलते ऑनलाइन क्लास शुरू कर दी। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि ईमेल कहां से भेजे गए और इसके पीछे कौन लोग हैं।

राहुल गांधी और तेजस्वी पर गौरव वल्लभ का तंज....दोनों नेताओं के फ्यूज उड़े हुए

दो वंशवादी नेता एक दूसरे का प्रचार करने में जुटे

नई दिल्ली। भाजपा नेता गौरव वल्लभ ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 2029 लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री बनाने के ऐलान पर तंज कस दिया है। बीजेपी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने राहुल गांधी और तेजस्वी पर निशाना साधकर कहा कि दोनों नेताओं के फ्यूज उड़े हुए हैं।

उन्होंने कहा कि दो वंशवादी नेता एक दूसरे का प्रचार करने में जुटे हैं। असल में दोनों के फ्यूज उड़े हुए हैं और बिना फ्यूज के मिसाइलें उड़ती नहीं हैं। बातें करने से कुछ भी हासिल नहीं होता है। भाजपा नेता ने दोनों नेताओं की योग्यता पर सवाल उठाकर वंशवाद को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

बता दें कि राहुल गांधी बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाल रहे हैं। उनकी यात्रा में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव भी साथ हैं। यात्रा के दौरान नवादा में तेजस्वी यादव ने राहुल गांधी को भविष्य का प्रधानमंत्री बनाने की बात कही। उनके बयान पर अब भाजपा नेता ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा, मैं दोनों को बताना चाहता हूं कि सिर्फ एक परिवार में पैदा होने से कोई प्रधानमंत्री नहीं बन जाता। मुख्य बात यह है कि इंदिरा-राजीव गांधी परिवार में पैदा होने के अलावा, आपकी योग्यताएं क्या हैं और राष्ट्र के प्रति आपका समर्पण क्या है? तेजस्वी की भी यही योग्यता है। दोनों एक-दूसरे का प्रचार करने में व्यस्त हैं।

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर विपक्ष पर निशाना साधकर, वल्लभ ने संवैधानिक पदों की गरिमा बनाए रखने के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में, अगर कोई उम्मीदवार नामित करता है, तब कोई समस्या नहीं है। हालांकि, मेरा मानना है कि कुछ संवैधानिक पद, जैसे अध्यक्ष, उपराष्ट्रपति या राज्यसभा के सभापति, सर्वसम्मति से तय किए जाने चाहिए। लेकिन, विपक्ष इन पदों का भी राजनीतिकरण करना चाहता है।

पूर्व पीएम राजीव गांधी की 81वीं जयंती पर नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, प्रियंका और राहुल गांधी हुए भावुक और बोले-

पापा का सपना पूरा करना जीवन का लक्ष्य

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 81वीं जयंती पर बुधवार को देशभर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। संसद परिसर में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई सांसद मौजूद रहे। वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सांसद प्रियंका गांधी दिल्ली स्थित वीर भूमि पहुंचे और पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने पिता राजीव गांधी की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, एक ऐसा भारत जहां हर नागरिक को सम्मान मिले, सद्भावना हो और लोकतंत्र व संविधान से देश मजबूती से खड़ा हो। पापा, आपके सपनों को पूरा करना ही मेरा जीवन लक्ष्य है। वहीं वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, कि आपसे करुणा, प्रेम और देशभक्ति का धर्म मिला। हम दोनों हमेशा इस धर्म का पालन करेंगे। न कोई हमें रोक पाएगा, न कोई हमारे कदम लड़खड़ाएगा।

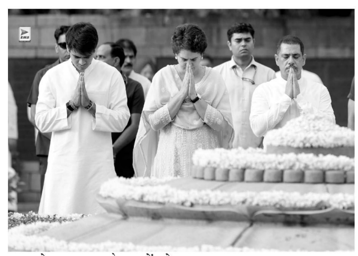

कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, राजीव गांधी जी ने साहस के साथ परंपरागत रास्तों से हटकर नई सोच और इनोवेटिव योजनाओं को अपनाया, ताकि भारत 21वीं सदी के लिए तैयार हो सके। कांग्रेस नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने उन्हें तकनीकी भारत का शिल्पकार और संचार क्रांति का जनक बताया। रणदीप सिंह सुरजेवाला ने लिखा, सबसे युवा प्रधानमंत्री और आधुनिक भारत के स्वप्नदृष्टा राजीव गांधी को शत-शत नमन। राजद प्रमुख तेजस्वी यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, कि देश को आधुनिकता और उदारीकरण की ओर ले जाने वाले, सूचना और कंप्यूटर क्रांति के प्रणेता तथा पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती देने वाले राजीव गांधी जी की जयंती पर कोटिश नमन। सांसद पप्पू यादव ने उन्हें आधुनिक भारत के स्वप्नदर्शी निर्माता और देश के अनमोल रत्न बताते हुए वीर भूमि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कर्नाटक में भी आरक्षण के कोटे में कोटा होगा लागू, तीन भागों में बांटी एससी जातियां

बेंगलुरु। हरियाणा की तर्ज पर अब कर्नाटक में भी आरक्षण के कोटे में कोटा लागू होगा। कर्नाटक सरकार ने एससी के लिए आंतरिक आरक्षण लागू करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह फैसला लंबे समय से चली आ रही मांगों को पूरा करने के लिए लिया गया है, खासकर एससी लेफ्ट (मदिगा) और एससी राइट (होलेया) समुदायों की मांगों को ध्यान में रखते हुए। नए फॉर्मूले के तहत 17 फीसदी आरक्षण में से छह फीसदी एससी लेफ्ट समुदाय, छह फीसदी एससी राइट समुदाय और पांच फीसदी लंबानी, भोवी, कोरचा, कोरमा जैसी अन्य उप-जातियों के लिए तय किया गया है।

यह फैसला जस्टिस एच एन नागमोहन दास आयोग की सिफारिशों पर आधारित है। आयोग ने छह फीसदी एससी लेफ्ट, पांच फीसदी एससी राइट, चार फीसदी लंबानी, भोवी, कोरमा और कोरचा जैसी स्पृश्य जातियों और एक फीसदी प्रत्येक खानाबदोश समुदायों जैसे आदि कर्नाटक आदि द्रविड़ और आदि आंध्र के लिए सुझाया था। मंत्रिमंडल ने खानाबदोश और आदि कर्नाटक आदि द्रविड़, आदि आंध्र के लिए अलग एक फीसदी आरक्षण को हटाकर तीन श्रेणियों का नया मैट्रिक्स स्वीकार किया है।

यह कदम सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त 2024 के फैसले के बाद संभव हुआ है, जिसमें राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने की शक्ति दी गई थी। कर्नाटक में अनुसूचित जातियों की 101 उप-जातियां हैं, जिनमें मदिगा (एससी लेफ्ट) और होलेया (एससी राइट) प्रमुख हैं। मदिगा समुदाय ने लंबे समय से तर्क दिया है कि वे सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हैं और मौजूदा आरक्षण का लाभ मुख्य रूप से स्पृश्य जातियों और होलेया समुदाय को मिलता है। नागमोहन दास आयोग ने मई से जुलाई 2025 तक व्यापक सर्वेक्षण किया, जिसमें कर्नाटक की अनुमानित 1.16 करोड़ अनुसूचित जाति आबादी में से 93 फीसदी को शामिल किया। इस सर्वेक्षण में 27.24 लाख परिवारों से 1.07 करोड़ लोगों के आंकड़े जमा किए गए। आयोग ने 4 अगस्त को सीएम सिद्धारमैया को अपनी 1,766 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी, जिसे 7 अगस्त को मंत्रिमंडल के सामने पेश किया गया। मंत्रिमंडल ने आयोग की रिपोर्ट को स्वीकार किया, लेकिन इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं।

नए फॉर्मूले में 17 फीसदी आरक्षण में से एससी (दक्षिणपंथी) और एससी (वामपंथी) को 6-6 फीसदी जबकि स्पृश्य दलित समुदायों (लंबानी, भोवी, कोरमा और कोरचा) और अति पिछड़े और खानाबदोश समुदायों को पांच फीसदी आरक्षण दिया जाएगा। कुछ समुदायों ने इस फैसले का विरोध किया है। लंबानी और भोवी जैसे स्पृश्य समुदायों ने पांच फीसदी आरक्षण को अपर्याप्त बताते हुए इसे छह फीसदी करने की मांग की है। खानाबदोश समुदायों ने एक फीसदी अलग आरक्षण हटाने पर नाराजगी जताई है।

मुख्तार के बेटे अब्बास की विधायकी बहाल होगी

प्रयागराज। मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास को हेट स्पीच केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। मंगलवार को कोर्ट ने मऊ के एमपी-एमएलए कोर्ट को उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें अब्बास को 2 साल की सजा सुनाई गई थी। लीगल एक्सपर्ट का कहना है कि अब अब्बास की विधायक बहाल होगी।

मामला 2022 के विधानसभा चुनाव से जुड़ा है। इस दौरान एक चुनावी रैली में अब्बास ने कहा था- सपा मुखिया अखिलेश यादव से कहकर आया हूं, सरकार बनने के बाद 6 महीने तक किसी की ट्रांसफर-पोस्टिंग नहीं होगी। जो जहां है, वहीं रहेगा। पहले हिसाब-किताब होगा। फिर ट्रांसफर होगा। इसके बाद तत्कालीन एसआई गंगाराम बिंद की शिकायत पर शहर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई थी। 31 मई को मऊ की एमपी-एमएलए कोर्ट ने अब्बास को हेट स्पीच मामले में 2 साल की सजा सुनाई थी। उनके छोटे भाई उमर अंसारी को बरी कर दिया था। कोर्ट का आदेश जारी होने के 24 घंटे के भीतर फाइल मऊ से लखनऊ पहुंची, फिर रविवार के दिन विधानसभा सचिवालय खोला गया था। विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप दुबे ने अब्बास की सदस्यता समाप्त कर सीट को रिक्त घोषित करने का आदेश जारी कर दिया था। साथ ही मुख्य निर्वाचन अधिकारी को उपचुनाव कराने का प्रस्ताव भी भेज दिया था।

जैश-ए-मोहम्मद की गुप्त फंडरेजिंग का खुलासा

पाकिस्तान में 313 नए आतंकी ठिकाने बनाने की साजिश

नई दिल्ली(ईएमएस)।आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने पाकिस्तान में अपनी गतिविधियों को फैलाने के लिए गुप्त रूप से एक बड़े फंडरेजिंग अभियान की साजिश रची थी। खुफिया सूत्रों के अनुसार, संगठन का मकसद पीकेआर 3.91 अरब रुपये जुटाकर पाकिस्तान भर में 313 नए मार्कज (ट्रेनिंग कैंप और सुरक्षित ठिकाने) स्थापित करना था।

जैश सरगना मौलाना मसूद अजहर और उसके भाई तल्हा अल सैफ ने अभियान का नेतृत्व किया और समर्थकों से बढ़-चढ़कर दान करने की अपील की। इसके लिए डिजिटल वॉलेट्स जैसे ईजीपैसा और सदापे का इस्तेमाल किया गया, ताकि लेन-देन को फाइनेंसियल एक्शन टास्क फोर्स की निगरानी से बचाया जा सके। जांच में सामने आया कि ये डिजिटल वॉलेट्स मसूद अजहर के परिवार से जुड़े मोबाइल नंबरों पर रजिस्टर्ड थे, जिनमें उसके भाई तल्हा अल सैफ और बेटे अब्दुल्ला अजहर के नंबर भी शामिल थे। इसके अलावा, हर शुक्रवार पाकिस्तान की मस्जिदों में गाजा के लिए चंदा बताकर नकद धन जुटाया गया, जबकि असल में ये रकम जैश की आतंकी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल हुई। इसी दौरान अल रहमत ट्रस्ट, जो जैश से जुड़ा हुआ संगठन है, बहावलपुर स्थित एक बैंक खाते के जरिए भी धन इकट्ठा कर रहा था। यह ट्रस्ट खुद मसूद अजहर और उसके नजदीकी सहयोगी चलाते हैं। फंडरेजिंग अभियान के आगे बढ़ते ही जैश नेताओं ने खुलासा किया कि नए बनाए जा रहे मार्कज मसूद अजहर और उसके परिवार के लिए सुरक्षित ठिकाने साबित होंगे, जिससे वे अपनी मौजूदगी छिपाकर रख सकें। इन्हीं ठिकानों का इस्तेमाल नए आतंकियों की भर्ती और प्रशिक्षण के लिए भी किया जाना था। सूत्रों के मुताबिक, यह फंडरेजिंग अभियान पूरी तरह सफल रहा और जैश ने पाकिस्तान और विदेशों से भारी मात्रा में धन इकट्ठा कर लिया।

सीपी राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति पद के लिए दाखिल नामांकन, प्रस्तावक बने पीएम मोदी

नई दिल्ली। अगले माह 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इसके लिए एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है। आज बुधवार को राधाकृष्णन ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। वह उनके पहले प्रस्तावक बने। निर्वाचन अधिकारी को नामांकन पत्रों के चार सेट सौंपे गए। इस दौरान भाजपा और एनडीए के कई वरिष्ठ नेता भी संसद भवन पहुंचे और राधाकृष्णन के साथ मौजूद रहे। इस दौरान एकजुटता दिखाने की कोशिश की गई।

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी और सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। जेडीयू से ललन सिंह और संजय झा, लोजपा (रामविलास) से चिराग पासवान, केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के अलावा और भी कई नेता मौजूद थे। सी.पी. राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं। वे दो बार कोयंबटूर से सांसद रह चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी के लंबे समय से सक्रिय सदस्य रहे हैं। वह महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। अपना नामांकन दाखिल करने से पहले संसद परिसर में स्थित प्रेरणा स्थल जा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रेरणा स्थल में प्रतिष्ठित हस्तियों की प्रतिमाएं स्थापित हैं। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन के अन्य नेता भी मौजूद थे। उन्होंने सबसे पहले महात्मा गांधी की विशाल प्रतिमा के समक्ष नमन किया और फिर अन्य प्रसिद्ध हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि उपराष्ट्रपति के चुनाव में संसद में संख्याबल के हिसाब से राधाकृष्णन का चुना जाना निश्चित माना जा रहा है।

समस्याओं के निराकरण से ही किसानों में भरोसा कायम रहेगा- शिवराज सिंह

नई दिल्ली।केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि भवन, नई दिल्ली में एक उच्चस्तरीय बैठक में, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के विभिन्न पोर्टल और कॉल सेंटर पर आने वाली किसानों की शिकायतों की समीक्षा की।

इस बैठक में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि योजनाओं का निर्माण जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उनका उचित कार्यान्वयन भी है। उन्होंने कहा कि किसानों की जो भी समस्याएं विभिन्न पोर्टल्स के माध्यम से प्राप्त हो रही हैं, उनका उचित निराकरण समय पर करने की व्यवस्था होनी चाहिए। व्यवस्था इतनी मजबूत होनी चाहिए कि जब किसान भाई-बहन इन पोर्टल्स के माध्यम से हमसे संपर्क करें, तब उन्हें भरोसा हो कि उनकी समस्याओं का निराकरण जरूर हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यवस्था यदि सही ढंग से नहीं चलती हो और खानापूर्ति मात्र रहे तो उसकी उपयोगिता सिद्ध नहीं हो पाती, इसलिए, व्यवस्था को और सरल तथा मजबूत करना होगा, ताकि हमारे किसान भाइयों-बहनों को इसका समुचित लाभ मिल सकें और उनका हर तरह से समाधान हो सकें।

बैठक में किसानों की शिकायतों के सही निदान के तरीके और व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए दिशा-निर्देश देते हुए शिवराज सिंह ने अधिकारियों से पी.एम. किसान पोर्टल, किसान ई-मित्र, किसान कॉल सेंटर सहित विभिन्न प्लेटफार्म के जरिए मिल रही किसानों की समस्याओं की पूरी जानकारी ली और कहा कि अगले हफ्ते वे फिर से विस्तारपूर्वक समीक्षा करेंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री इन शिकायतों की नियमित समीक्षा करेंगे। साथ ही, समय-समय पर किसानों से भी बात करके जानेंगे कि उनकी समस्याओं का समाधान हुआ है या नहीं, ताकि वे पूरी तरह से संतुष्ट हो।

उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री के कार्यकाल के दौरान भी उन्होंने ऐसी व्यवस्था बनाई थी, जिसके बेहद सकारात्मक परिणाम मिले थे। समस्याओं के तत्काल और उचित निराकरण से ही किसानों में भरोसा कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि किसानों की संतुष्टि ही हमारा मुख्य ध्येय है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने संदेश जारी करते हुए, किसान कॉल सेंटर के माध्यम से किसान भाइयों-बहनों से अपनी शिकायतें टोल फ्री नंबर 18001801551 के जरिए रजिस्टर करवाने का आह्वान किया है।

बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्रालय के सचिव देवेश चतुर्वेदी भी शामिल हुए, जिन्होंने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को विस्तार से जानकारी देने के साथ ही अपने सुझाव भी दिए।

पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती पर दो गुटों में बटी कांग्रेस

शहर में कांग्रेसियों ने मनाई अलग-अलग जयंती ,कांग्रेस जिला अध्यक्ष के स्वागत में नहीं पहुंचे कांग्रेसी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 20 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस अलग-अलग बटी दिखाई दी। जहां नगर के निजी धर्मशाला में कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके, विधायक अनुभा मुंजारे, विधायक मधु भगत की मौजूदगी में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती मनाई गई। वहीं कार्यक्रम की सूचना नहीं मिलने से नाराज, कांग्रेसियों ने पूर्व विधायक अशोकसिंह सरस्वार के घर, राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया। कांग्रेस कमेटी से अलग जयंती मनाने को, कांग्रेस अध्यक्ष की नियुक्ति के विरोध में देखा जा रहा है।

कांग्रेस कमेटी से अलग, कांग्रेस साथियो के साथ राजीव गांधी जयंती को मनाने पर वरिष्ठ नेता रहीम खान बताते है कि उन्हें जिला कांग्रेस कमेटी से कोई सूचना नहीं मिली थी। जब वह कांग्रेस कार्यालय पहुंचे तो कार्यालय बंद था। जिसके कारण, हमने पूर्व विधायक के घर में राजीव जी की जयंती मनाई। भले ही कांग्रेसी, खुलकर संगठन सृजन अभियान के तहत किए गए अध्यक्ष की नियुक्ति को नहीं बोल रहे है, लेकिन कांग्रेस के सूत्र बताते है कि कांग्रेस जिलाध्यक्ष की नियुक्ति का कांग्रेस में मुखर विरोध शुरू हो गया है। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा नगर के एक निजी धर्मशाला में जयंती और नवनियुक्त अध्यक्ष संजय उईके के स्वागत समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान कई वरिष्ठ कांग्रेसी रहीम खान, जुगल शर्मा, पूर्व नपाध्यक्ष भीम फुलसंघे, अनूपसिंह बैस सहित कई ब्लॉक अध्यक्ष नहीं पहुंचे। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती और कांग्रेस अध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम से शहर सहित जिले के कांग्रेसियों की गैरमौजूदगी पर भले ही कांग्रेस अध्यक्ष, गंभीर ना हो लेकिन, इससे साफ हो गया है कि, कांग्रेस में नए अध्यक्ष को लेकर विरोध की आग, अंदर ही अंदर सुलग रही है। कांग्रेस सूत्र बताते है कि नए अध्यक्ष के विरोध में जल्द ही जिले के कांग्रेसी, आला नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। जबकि देखा जाए तो पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती कार्यक्रम में सभी कांग्रेसियों को उपस्थित होना था। जिसके लिए सोशल मीडिया सहित अन्य माध्यमों से सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को मैसेज पहुंचा दिए गए थे । इसके बावजूद भी कुछ कांग्रेसियों ने इस कार्यक्रम से अपने आप को अलग कर लिया। जिसमें इस कार्यक्रम से अलग होने का कारण सभी बनाए गए नए कांग्रेस जिला अध्यक्ष से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि इस पूरे विषय पर कोई भी अभी खुलकर सामने नहीं आ रहा है । हमने भी कई कांग्रेसी नेताओं से दूरभाष पर संपर्क किया तो कोई भी इस विषय को लेकर दूरभाष पर चर्चा नहीं कर रहा है , तो कई कांग्रेसी नेताओं ने फोन भी रिसीव नहीं किया। अब देखना होगा कि धीरे-धीरे गुटों में बट रही कांग्रेस को नए जिला अध्यक्ष कैसे एकत्रित करते हैं या फिर यह कांग्रेस इसी तरह धीरे-धीरे गुटों में बटते चले जाती है। यह तो आने वाला समय ही बताएगा। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री की इस जयंती पर दो गुटों में साफ-साफ नजर आ गई। पूर्व विधायक अशोक सरस्वार के घर मनाई गई । जयंती की फोटो वीडियो भी कुछ कांग्रेसियों ने सोशल मीडिया पर डाला और जयंती कार्यक्रम मनाने की उपस्थिति दर्ज करवाई।

कांग्रेसियों ने मनाई पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती

20 अगस्त को कांग्रेसियों द्वारा राजीव गांधी की जयंती स्थानीय सुजान धर्मशाला में मनाई गई। यहां सर्वप्रथम राजीव गांधी सहित महापुरुषों के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित करते हुए माल्यार्पण किया गया। उसके बाद बारी-बारी से कांग्रेसियों द्वारा नए जिला अध्यक्ष संजय उइके और शफकत खान का गर्म जोशी से स्वागत किया गया । राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता सहित पदाधिकारी ने संगठन सृजन पर विशेष जोर दिया। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती कांग्रेसियों ने स्थानीय सुजान धर्मशाला में 20 अगस्त को मनाने के साथ कांग्रेसियों ने रक्तदान भी किया । जिसमें सर्वप्रथम कांग्रेसियों द्वारा महापुरुषों की प्रतिमाओं पर दीप प्रज्वलित किए गए और साथ ही , नए जिला अध्यक्ष संजय उइके और शफकत खान का यहां कांग्रेसियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया । इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके , बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे, परसवाड़ा विधायक मधु भगत , संगठन मंत्री शफकत खान, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्याम पंजवानी सहित कई वरिष्ठ कांग्रेसी इस जयंती कार्यक्रम में उपस्थित रहे । विधायक अनुभा मुंजारे ने राजीव गांधी की जयंती पर कहा कि आज वह देश के पूर्व युवा प्रधानमंत्री को शत-शत नमन करती हैं । उन्होंने पुराने दौर को याद करते हुए कहां की राजीव गांधी के समय में संचार के युग की शुरुआत हुई थी और कंप्यूटर से काम करना शुरू हुआ। आज हम इस आधुनिक युग में बिना कंप्यूटर, मोबाइल के रह नहीं सकते आज ऐसे महान नेता किया जयंती है । जिन्होंने संचार की युग की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि भले ही आज राजीव गांधी हमारे बीच नहीं है । लेकिन आज भी वह भारत देश के हर नौजवान के हृदय में बसे हुए हैं। संगठन मंत्री शफकत खान ने भी संगठन सृजन को लेकर आयोजित कार्यक्रम में अपनी बात रखी और बताया कि आज किस प्रकार शीर्ष नेतृत्व द्वारा संगठन सृजन के तहत काम किया जा रहा है और आज कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिये काम कर रही है। नवनियुक्त कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उइके द्वारा बताया गया कि आज किस प्रकार देश में सरकार काम कर रही है, वोटो की चोरी कर रही है । इसे हम सबको समझना होगा और आम जनता तक भाजपा की इस रीति ,नीति को पहुंचाना होगा । उन्होंने यह भी बताया कि यदि आज सरकार पर आरोप लगाते हैं , सवाल खड़े करते हैं तो भाजपा सरकार सीधे ई.डी और अन्य एजेंसी को लगा देती है । यहां तक यदि कोई धरना, आंदोलन करता है तो सरकार उन्हें पुलिस के माध्यम से जेल में डालने का काम करती है। इसलिए आज हम सब को खड़े होकर सरकार के खिलाफ लड़ना होगा । सरकार की नीति और इस वोट चोरी के मामले को आम जनता तक पहुंचाना होगा । आज राहुल गांधी द्वारा पूरे देश में संगठन सृजन का अभियान चलाया जा रहा है और आज संगठन में हर कार्यकर्ता की अहमियत है । आज संगठन हर काम करने वाले कार्यकर्ता को नई जिम्मेदारी दे रहा है । ऐसा नहीं है कि किसी को भी प्रदेश स्तर से बड़े नेताओं के कहने पर बिठा दिया जा रहा हो । आज काम करने वाले कार्यकर्ताओं को संगठन में नई नई जिम्मेदारी दी जा रही है ।

करियादण्ड में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम करियादंड में इसी ग्राम के एक व्यक्ति देवाराम पिता कतिया उइके 50 वर्ष ने अपने ही घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । यह घटना 19 अगस्त की शाम को हुई। इस व्यक्ति ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हट्टा पुलिस ने सूचना मिलने पर ग्राम करियादण्ड पहुंचकर मौके से इस व्यक्ति का शव बरामद किये और पंचनामा के बाद इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिये है। मिली जानकारी के अनुसार देवाराम उइके 50 वर्ष ग्राम करियादंड निवासीअपने परिवार के साथ खेती-किसानी करता है। के परिवार में बच्चे और पत्नी हैं 19 अगस्त को दोपहर में देवाराम अपने घर में था और उसकी पत्नी घास काटने के लिए खेत चली गई थी शाम करीब 6 बजे उसकी पत्नी जब अपने घर आई तो उसने पति देवाराम को घर की पाटन की बल्ली में रस्सी के फंदे में फांसी पर लटके हुए देखी। जिसकी मौत हो चुकी थी। खबर मिलती ही आसपास के लोग जमा हो गए। सूचना मिलने पर हट्टा पुलिस ग्राम करियादण्ड पहुंची और देवाराम का फांसी पर लटका हुआ शव फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल पहुंचाये। 20 अगस्त को सुबह शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात देवाराम का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सोप दिया गया है। देवाराम ने किस वजह से फांसी लगाकर आत्महत्या की अभी पूर्ण रूप से स्पष्ट नहीं हो पाया है। हट्टा पुलिस ने धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

20 अगस्त 2025

प्रथम देवता श्री गणेशाय नमः तैयारियां प्रारंभ,

"पर्युषण पर्व पर हार्दिक शुभकामनाएं"

"बिड़ी, सिगरेट, शराब, मांसाहार से हर समय दूरी बनायें रखें"

श्री नरेन्द्रभाई मोदी जी, मुझे ऐसा लगता है कोरोना कार्यकाल के अच्छे रेलमंत्री श्री पियूष गोयल जी एवं HRD मंत्री स्मृति ईरानी कुशल कार्यकाल के हकदार हैं, इसी प्रकार वरिष्ठतम संसद सदस्य मंडला श्री फग्गनसिंह कुलस्ते जी केन्द्रीय राज्य मंत्री हर समय जनता के साथी हैं।

श्री नरेन्द्रभाई मोदी माननीय प्रधानमंत्री जी भारत सरकार | श्री अमितभाई शाह माननीय गृहमंत्री जी भारत सरकार | डॉ. मोहन यादव जी माननीय मुख्यमंत्री जी म.प्र. शासन | श्री नितिन गडकरी जी केबिनेट मंत्री भारत सरकार | श्री पियूष गोयल जी केबिनेट मंत्री भारत सरकार

मा. स्मृति ईरानी जी पूर्व केबिनेट मंत्री | मा. फग्गनसिंह कुलस्ते जी वरिष्ठतम संसद सदस्य | मा.गौरीशंकर बिसेन जी पूर्व केबिनेट मंत्री मप्र | मा.प्रदीप जायसवाल जी पूर्व केबिनेट मंत्री मप्र | श्री राजकुमार करहे जी विधायक, लांजी

भारतीय रेल्वे बोर्ड चेयरमेन श्री अरूणेन्द्र कुमार जी से 2014 में नई दिल्ली रेल भवन, पत्रकार बालाघाट एवं मेम्बर द.पू.म.रे. जोन बिलासपुर एवं पश्चिम मध्य रेल जोन जबलपुर ओमप्रकाश कुकासे चर्चा करते हुये जिसमें नई दिल्ली से बिलासपुर जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को वाया, जबलपुर-बालाघाट-गोंदिया से चलाने पर 170 कि.मी. की बचत के साथ-साथ समय भी बचेगा जिस पर चेयरमेन ने कहा दोहरी लाईन का निर्माण जबलपुर- गोंदिया करना होगा तो, इस हेतु हजारों करोड़ों रूपयों का बजट में प्रावधान करना होगा।

शुभचिन्तक- ओमप्रकाश कुकासे, मेम्बर द.पू.म.रे. जोन बिलासपुर एवं पश्चिम मध्य रेल जोन जबलपुर

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह का बालाघाट आगमन आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन के जनजातीय कार्य विभाग, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह का 21 अगस्त को बालाघाट जिले के वनांचल क्षेत्र बैहर में आगमन होने जा रहा है। मंत्री डॉ. शाह 21 अगस्त प्रातः 8:30 बजे सिवनी से बालाघाट जिले के विकासखंड बैहर के लिए कार द्वारा प्रस्थान करेंगे और प्रातः 11:30 बजे बैहर पहुंच कर एकलव्य विद्यालय बैहर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल के साथ सम्मिलित होंगे। मंत्री डॉ. शाह बैहर में रात्रि विश्राम कर 22 अगस्त को सुबह 10 बजे बालाघाट से बैतूल होते हुए खंडवा के लिए प्रस्थान करेंगे।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 20 अगस्त को सायं 07 बजे नागपुर और वहां से रात्रि 11 बजे बालाघाट पहुंचेंगी। सांसद श्रीमती पारधी 21 अगस्त को प्रातः 06:30 बजे बालाघाट से बैहर के लिए प्रस्थान करेंगी और प्रातः 11:30 बजे बिरवा हवाई पट्टी पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल के स्वागत के लिए उपस्थित रहेंगी। दोपहर 12 बजे वे एकलव्य विद्यालय बैहर में आयोजित महाआरोग्य शिविर में उपस्थित रहेंगी और सायं 06 बजे बैहर से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द

सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ

B.Tech. & Polytechnic

- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश

सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट

6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.९, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट